कार ने बाइक को मारी टक्कर, मासूम समेत चार लोगों की मौत

सहारनपुर 13 जून (निस) यूपी के सहारनपुर जिले में कोठड़ी-धौलाकुआं मार्ग पर तेज रफ्तार कार ने एक बाइक को टक्कर मार दी, जिसमें एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। गांव मलकपुर निवासी लविश अपने परिवार के सदस्यों के साथ शुक्रवार को अपनी ससुराल कोठड़ी गया था।

दैनिक

भारत देश हमारा

मुख्य सम्पादक - जगजीत सिंह दर्दी सम्पादकः अमृतपाल सिंह DAILY BHARAT DESH HAMARA NEW DELHI

ऑटो पर ट्रैक्टर पलटा, तीन की मौत

कासगंज 13 जून (निस) यूपी के कासगंज जिले में शुक्रवार देर रात भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां तेरहवीं खाकर लौट रहे ऑटो सवारों पर अनियंत्रित ट्रैक्टर ट्रॉला पलटने से ऑटो सवार तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं आठ लोग घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के शिकार लोग अलीगढ़ जनपद के रहने वाले हैं।

आरएनआई नं. 57282/1994 वर्ष 31 अंक 163 नई दिल्ली रविवार 14 जून, 2026 मूल्य एक रुपया कुल पृष्ठ: 8 फोन 97111 01161 ईमेल : bharatdeshdelhi@gmail.com

असम के जोरहाट में वायुसेना का विमान दुर्घटनाग्रस्त पांच वायुसेना कर्मी शहीद, राजनाथ ने जताया दुख

जोरहाट, 13 जून (निस) असम के जोरहाट स्थित रौरिया एयरफोर्स स्टेशन पर शनिवार को भारतीय वायुसेना का एक एएन-32 परिवहन विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें पांच वायुसेना कर्मी शहीद हो गए। इस दर्दनाक हादसे में जहां पांच बहादुर जवान ड्यूटी के दौरान शहीद हो गए, वहीं सह-पायलट गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद जीवित बचा है और उनका इलाज जारी है। यह घटना तब हुई जब विमान लैंडिंग के दौरान हादसे का शिकार हुआ। वायुसेना ने दुखद घटना पर गहरा शोक जताकर शहीद हुए जवानों के नाम जारी किए हैं। इसमें स्क्वाड्रन लीडर प्रशांत सिंह, फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार, सार्जेंट जितेंद्र शर्मा, अग्निवीरवायु खेमाराम कुमावत और अग्निवीर वायु दानिश आलम के नाम शामिल हैं। वायुसेना ने कहा, भारतीय वायुसेना अपने पांच कर्मियों को खोने से गहरा दुख व्यक्त करती है जिन्होंने ड्यूटी के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया। हम शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और दुख की इस घड़ी में मजबूती से उनके साथ खड़े हैं। यह एएन-32 परिवहन विमान अरुणाचल प्रदेश से जोरहाट लौट रहा था। लैंडिंग के दौरान ही हादसा हुआ, जब विमान एयरबेस परिसर के भीतर ही दो टुकड़ों में बंट गया और उसमें आग लगी। हादसे के तुरंत बाद एयरबेस की आपातकालीन और फायरफाइटिंग टीमें सक्रिय हो गईं। बचाव अभियान के दौरान सह-पायलट को सुरक्षित निकाल लिया गया, लेकिन विमान में सवार अन्य पांच कर्मियों को बचाया नहीं जा सका। आग की लपटों और धुएं के गुबार से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई थी दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए तत्काल कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी के आदेश दिए गए हैं। यह जांच तकनीकी खराबी, मानवीय त्रुटि या किसी अन्य संभावित कारण पर प्रकाश डालेगी जिससे यह घातक हादसा हुआ। रौरिया एयरफोर्स स्टेशन भारतीय वायुसेना के लिए पूर्वोत्तर भारत में एक रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण ठिकाना है, जो सैन्य अभियानों और लॉजिस्टिक सपोर्ट में अहम भूमिका निभाता है। यह पहली बार नहीं है जब भारतीय वायुसेना का एएन-32 विमान किसी हादसे का शिकार हुआ है। वर्ष 1986 से अब तक एएन-32 विमानों से जुड़े 22 हादसे हो चुके हैं। पिछले कुछ वर्षों में, एएन-32 विमान से जुड़े तीन प्रमुख हादसे सामने आए हैं। 22 जुलाई 2016 को चेन्नई से पोर्ट ब्लेयर जाते समय बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक एएन-32 विमान लापता हो गया था, जिसमें सवार सभी 29 लोगों की जान चली गई थी। इसका मलबा 2024 में समुद्र की गहराई में मिला, लेकिन हादसे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी। इसके बाद, 3 जून 2019 को असम के जोरहाट से अरुणाचल प्रदेश के मेचुका जाते समय एक अन्य एएन-32 विमान ताती क्षेत्र की पहाड़ियों में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

गरीब कल्याण, बुनियादी ढांचा, किसान खुशहाली तथा राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर सरकार प्रतिबद्ध-मनोहर लाल

अमृतसर 13 जून (निस) केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने आज अमृतसर दौरे के दौरान व्यापारियों के साथ मीटिंग की। इसके बाद उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 12 साल के कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाईं। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश की राजनीति की तस्वीर बदलने का काम किया है और लोगों का राजनीतिक नेतृत्व पर भरोसा बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने गरीब कल्याण, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, राष्ट्रीय सुरक्षा और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण काम किए हैं। उन्होंने दावा किया कि करोड़ों लोग गरीबी रेखा से ऊपर आ गए हैं। घर, बिजली, पानी और मुफ्त अनाज जैसी योजनाओं का फायदा देश भर के लोगों तक पहुंचा है। पंजाब की राजनीति पर बात करते हुए खट्टर ने कहा कि भाजपा का अगला लक्ष्य पंजाब में सरकार बनाना है। उन्होंने कहा कि भाजपा 117 सीटों पर चुनाव लड़ने में पूरी तरह सक्षम है और पार्टी अकेले चुनाव लड़ने की स्थिति में भी पीछे नहीं रहेगी। अकाली दल के साथ संभावित गठबंधन के बारे में पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि यह पार्टी की नीति और नेतृत्व का फैसला होगा। मुख्यमंत्री भगवंत मान को 2027 के लिए आम आदमी पार्टी का चेहरा घोषित किए जाने पर टिप्पणी करते हुए खट्टर ने कहा कि अगला मुख्यमंत्री कोई भी हो सकता है, लेकिन भगवंत मान नहीं होंगे। उन्होंने पंजाब में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर मौजूदा सरकार की आलोचना की और कहा कि गैंगस्टरवाद और अपराध की घटनाओं से लोगों में चिंता है। व्यापारियों द्वारा भारत-पाक व्यापार फिर से शुरू करने की मांग के बारे में उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों और व्यापार के फैसलों पर समय और हालात के हिसाब से विचार किया जाता है। उन्होंने कहा कि इस मामले पर भविष्य शेष अंतिम पृष्ठ पर

सिंधु नदी का पानी आतंकवाद के समर्थकों को कदापि नहीं मिलेगा-राजनाथ सिंह

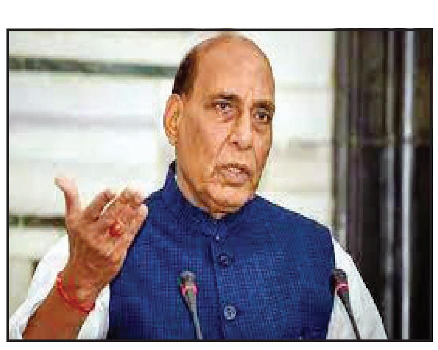

हैदराबाद 13 जून(निस): केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए पाकिस्तान की कड़ी निंदा की है। उन्होंने दो टूक कहा कि एनडीए सरकार उन लोगों तक सिंधु नदी का पानी नहीं पहुंचने देगी जो भारत के खिलाफ आतंकी गतिविधियों को अंजाम देते हैं। भाजपा की तेलंगाना इकाई द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि भारत ने दुनिया को दिखा दिया है कि शांति और सद्भाव की भाषा न समझने वालों को उन्हीं की भाषा में कैसे जवाब दिया जाता है। उन्होंने मोदी सरकार की आतंकवाद विरोधी नीतियों पर सवाल उठाने के लिए कांग्रेस और विपक्ष के अन्य नेताओं की आलोचना की। रक्षा मंत्री सिंह ने दृढ़ता से कहा कि मोदी सरकार ने पहले ही चेतावनी दे दी थी कि अगर भारत के खिलाफ आतंकी हमले हुए, तब पाकिस्तान को अनाज और पानी की आपूर्ति रोक देगी, जो भारत की दृढ़ता का प्रमाण है। केंद्रीय मंत्री ने भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा पर भी प्रकाश डाला, यह बातकर कि देश एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में उभरा है और हमेशा आपदाओं का सामना करने वाले देशों की सहायता की है। उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान भारत द्वारा कई राष्ट्रों को दी गई सहायता का विशेष उल्लेख किया, और कहा कि हम सर्वकल्याण में विश्वास रखते हैं। दुनिया भर में भारत को विश्व बंधु के रूप में देखा जाता है। उन्होंने दुश्मनों को चेतावनी दी कि भारत के पास न केवल प्रभावी टीके हैं, बल्कि शक्तिशाली ब्रह्मोस मिसाइलें भी हैं। उन्होंने कहा कि देश के बजट का हर रुपया राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने में लग रहा है, और केंद्र सरकार पर भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं है। राजनाथ सिंह ने कहा कि उनकी प्राथमिकता आगामी चुनाव जीतना नहीं, बल्कि अगली पीढ़ी का भविष्य सुरक्षित करना है। उन्होंने कहा, हम अगले चुनाव की चिंता नहीं करते, बल्कि अगली पीढ़ी की चिंता करते हैं। उन्होंने अपनी मोदी सरकार की नीयत की स्पष्टता और कथनी-करनी में कोई अंतर न होने पर बल दिया। इसके विपरीत, उन्होंने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की पिछली सरकार पर भ्रष्टाचार और घोटालों में लिप्त रहने का आरोप लगाया, जिसमें लगभग हर दिन एक घोटाले सामने आते थे।

कॉकरोच जनता पार्टी का जयपुर में 15 जून को तीसरा बड़ा प्रदर्शन

जयपुर, 13 जून (निस) सोशल मीडिया पर जन्मी और फिलहाल एक युवा समूह के रूप में सक्रिय कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी), दिल्ली व पुणे के बाद अब जयपुर में अपना तीसरा बड़ा प्रदर्शन करने वाली है। यह शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन सोमवार, 15 जून को दोपहर 3 बजे जयपुर के शहीद स्मारक पर आयोजित होगा, जिसमें पार्टी संस्थापक अभिजीत दीपके भी शामिल हो रहे हैं। इसके साथ ही, सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की उपस्थिति भी प्रस्तावित है। सीजेपी ने 6 जून को दिल्ली के जंतर मंतर पर अपना पहला प्रदर्शन किया था,इसके बाद 11 जून को पुणे में दूसरा प्रदर्शन आयोजित हुआ। दोनों जगहों पर मिले व्यापक समर्थन से उत्साहित सीजेपी अब राजस्थान में अपनी पैठ बना रही है। राष्ट्रीय प्रवक्ता अभिषेक रांका ने बताया कि यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक युवाओं की वास्तविक समस्याओं का समाधान नहीं होता। उनका आरोप है कि सरकारें युवाओं को धर्म और जाति जैसे मुद्दों में उलझाकर उनकी मूलभूत समस्याओं को नजरअंदाज कर रही हैं। जयपुर में होने वाले प्रदर्शन में प्रदेशभर से छात्र, अभिभावक, बेरोजगार युवा, शिक्षक और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेने वाले है। प्रदेश मीडिया प्रवक्ता अभिषेक जैन बिट्टू ने यह सारी जानकारी दी।

पंजाब में संगठन को मजबूत बनाने की जिम्मेदारी कांग्रेस ने प्रियंका गांधी को सौंपी

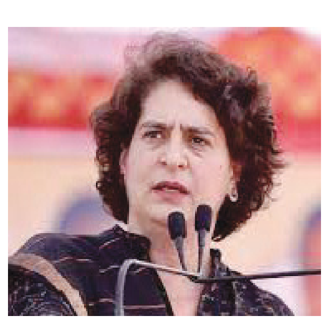

नई दिल्ली 13 जून (संजय बंसल) आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनावों को देखते हुए कांग्रेस ने संगठनात्मक स्तर पर बड़े बदलावों की तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी नेतृत्व संगठन को अधिक सक्रिय और मजबूत बनाने के लिए नई रणनीति पर काम कर रहा है। इसी क्रम में प्रियंका गांधी को संगठन को धार देने और कार्यकर्ताओं के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं राहुल गांधी भी लगातार सक्रिय होकर जनता और पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद बढ़ा रहे हैं। कांग्रेस का मानना है कि भाजपा और केंद्र सरकार के खिलाफ प्रभावी राजनीतिक लड़ाई लड़ने के लिए जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करना आवश्यक है। पार्टी राज्यों में संगठनात्मक ढांचे की समीक्षा कर रही है और कई पदों पर बदलाव की संभावना जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि एआईसीसी के करीब 60 सचिवों के कामकाज की रिपोर्ट कार्ड के आधार पर समीक्षा होगी। कांग्रेस नेतृत्व का लक्ष्य नए चेहरों को अवसर देकर संगठन में ऊर्जा का संचार करना और आगामी चुनावों के लिए मजबूत आधार तैयार करना है। उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह ही दिल्ली में पंजाब कांग्रेस की बड़ी बैठक हुई थी जिस पर चुनावी रणनीति पर मंथन किया गया।

मीनाक्षी नटराजन मामला-चुनाव आयोग व सुप्रीम कोर्ट ने जिम्मेवारी नहीं दिखाई-प्रियंका

नई दिल्ली, 13 जून (संजय) कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन का राज्यसभा का नामांकन रद्द होने के मामले में पूर्व राज्यसभा सांसद और शिवसेना (यूबीटी) नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने चुनाव आयोग से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक पर गंभीर आरोप लगा दिए हैं। उनका कहना है कि इन सर्वोच्च संवैधानिक संस्थाओं ने मामले में अपनी जिम्मेदारियां ठीक से नहीं निभाई हैं। दरअसल शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने नटराजन का राज्यसभा नामांकन रद्द होने के खिलाफ सुनवाई की मांग वाली याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद शनिवार को प्रियंका चतुर्वेदी ने पोस्ट कर अपनी भड़ास निकाली। उन्होंने पूरे प्रकरण को सीधे-सीधे सत्ता हथियाने की चाल बताया। वह यहीं नहीं रुकीं, बल्कि उन्होंने चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट दोनों पर उंगली उठाकर कहा, सबसे खराब बात ये है कि चुनाव आयोग और पूरे सम्मान के साथ माननीय सुप्रीम कोर्ट ने अपनी जिम्मेदारियों का त्याग किया है। इतना ही नहीं प्रियंका चतुर्वेदी ने रिटर्निंग ऑफिसर की भूमिका पर तीखे सवाल उठा दिए। उन्होंने लिखा कि सुप्रीम कोर्ट से याचिका खारिज होने के बाद बड़ी निराशा हुई।

नकाबपोश युवकों द्वारा चंडीगढ़ के मेडिकल स्टोर के कैशियर की हत्या

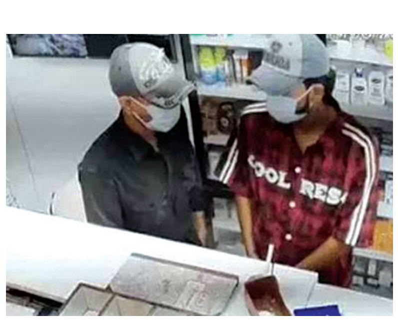

चंडीगढ़ 13 जून (निस) चंडीगढ़ में फायरिंग की घटना सामने आई है। आज दोपहर सेक्टर-11 उस समय सनसनी फैल गई जब वहां पर स्थित एक मेडिकल स्टोर पर बाइक सवार बदमाशों ने अंधाधुंध फायरिंग कर दी। मिली जानकारी के अनुसार फायरिंग के दौरान मेडिकल स्टोर का कैशियर गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतक कैशियर की पहचान जानकी दास (55) निवासी रोड़ गांव हिमाचल प्रदेश के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार चंडीगढ़ में आज दोपहर करीब 2:30 बजे एक्टिवा पर सवार 2 युवक PGI के नजदीक स्थित कुमार मेडिकल स्टोर के बाहर पहुंचे। आरोपियों के पास ऑटोमैटिक हथियार थे। इस दौरान 2 बदमाश ग्राहक बनकर स्टोर के अंदर आए जिन्होंने मुंह पर मास्क लगा रखा था। बदमाशों ने दुकान के अंदर ही गन को लोड किया और आते ही फायरिंग की। बताया जा रहा है कि, दोनों के हाथों में ऑटोमैटिक गन थी लेकिन फायरिंग सिर्फ एक ने ही की। गन ऑटोमैटिक होने के चलते एक ही बार में कई फायर हुए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हमलावरों ने करीब शेष अंतिम पृष्ठ पर

समय आ गया है कांग्रेस से अलग हुए क्षेत्रीय दल घर वापसी करें-गहलोत

जयपुर, 13 जून (निस) देश की राजनीति में इस समय ऐसी बहस छिड़ है, जिसने इंडिया गठबंधन से लेकर क्षेत्रीय दलों तक के सियासी गलियारों में हलचल मचा दी है। राजस्थान के पूर्व सीएम और कांग्रेस के कद्दावर नेता अशोक गहलोत ने बयान देकर सीधे राहुल गांधी को देश का एकमात्र महानायक बनाने की वकालत कर दी। गहलोत ने शिवसेना नेता संजय राउत के एक पुराने विचार का पुरजोर समर्थन करते हुए सोशल मीडिया और बयानों के जरिए क्षेत्रीय दलों को खुली नसीहत दे डाली। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अशोक गहलोत ने दो टूक शब्दों में कहा कि वक्त आ गया है जब कांग्रेस से टूटकर अलग बनी तमाम क्षेत्रीय पार्टियों को अपनी घर वापसी कर लेनी चाहिए। गहलोत ने राहुल गांधी को विपक्ष का मुख्य चेहरा प्रोजेक्ट करते हुए कहा कि कांग्रेस से अलग होकर क्षेत्रीय दल बनाने वाली सभी पार्टियों को फिर कांग्रेस में शामिल हो जाना चाहिए और पूरे दिल से राहुल को अपना नेता मानना चाहिए।

हरियाणा के सीएम ने मान सरकार को नाकाम बताया...

पंजाब में भाजपा की सरकार बनने पर विकास एवं समृद्धि का नया युग आरंभ होगा-सैनी

चंडीगढ़ 13 जून (अमृतपाल सिंह) हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि राज्य में उनकी उलटी गिनती शुरू हो चुकी है। अबोहर नगर निगम चुनावों में भाजपा की शानदार जीत प्रदेश में आगामी बदलाव की शुरुआत है। अगले विधानसभा चुनाव में पंजाब में भाजपा की सरकार बनेगी , उसके बाद नशा बेचने वाला एक भी व्यक्ति नहीं मिलेगा। मुख्यमंत्री सैनी शनिवार को पंजाब के अबोहर में आयोजित एक विशाल ओबीसी महासम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उनके साथ हरियाणा के लोक निर्माण मंत्री श्री रणबीर गंगवा, पंजाब भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लो, पूर्व अध्यक्ष सुनील जाखड़ और कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने अपने संबोधन में पंजाब की वीर और देशभक्त भूमि को नमन करते हुए यहां के किसानों, व्यापारियों, युवाओं और माताओं के योगदान को सराहा। उन्होंने पंजाब की वर्तमान सरकार द्वारा चलाए गए युद्ध-नशों के विरुद्ध अभियान को पूरी तरह फेल बताया और कहा कि आदमी पार्टी की सरकार सिर्फ खोखले नारों और विज्ञापनों में व्यस्त है। उन्होंने पंजाब सरकार को हर मोर्चे पर नाकाम बताते हुए कहा कि महिलाओं को 1,000 रुपए देने की योजना सिर्फ एक राजनीतिक हथकंडा साबित हुई, जिसका अब तक पंजीकरण भी शुरू नहीं हुआ। उन्होंने पंजाब सरकार पर अबोहर के साथ घोर राजनीतिक उपेक्षा का आरोप लगाया और कहा कि इस नगर निगम को मात्र 5 करोड़ रुपए देकर यहां की जनता का अपमान किया गया है, जबकि इससे ज्यादा फंड तो हरियाणा सरकार ने अपने छोटे से छोटे गांव को दिया है। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आप पार्टी का अहसास हो चुका है कि अगले विधानसभा चुनाव के बाद पंजाब में उनकी सत्ता नहीं रहेगी इसलिए कुछ लोग दोनों हाथों से पंजाब को लूटने में लगे हुए हैं। उन्होंने आप पार्टी को लुटेरों की टोली बताया और कहा कि इनके मुखिया केजरीवाल का भी ईमानदारी का चोला उतर चुका है। उन्होंने पंजाब के मुख्यमंत्री सरदार भगवंत सिंह मान के उस बयान का हवाला दिया जिसमें मान ने पंजाब में 5 साल में 65 हजार नौकरियां देने की बात कही है , इस पर श्री सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार ने 55 हजार नौकरियां तो पिछले एक साल में ही अपने प्रदेश के युवाओं को दे दी हैं मुख्यमंत्री ने हरियाणा सरकार द्वारा लागू की गई योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी और कहा कि पंजाब के लोगों ने भी अगर विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की नीतियों में विश्वास जताया तो ये सब योजनाएं पंजाब में भी लागू होंगी। उन्होंने आगे कहा कि यही नहीं इस प्रदेश में किसानों की फसलों को एमएसपी पर खरीद कर , फसल खराबे पर उचित मुआवजा देकर और शेष अंतिम पृष्ठ पर

सोरेन की दिल्ली यात्रा से कांग्रेस हुई बैचेन

रांची, 13 जून (निस) सीएम हेमंत सोरेन के दिल्ली प्रवास को लेकर झारखंड की राजनीति अभी उफान पर है, लेकिन इस यात्रा ने कांग्रेस की बेचैनी बढ़ा दी है। खास कर राज्यसभा चुनाव को लेकर हेमंत सोरेन का दिल्ली जाना कांग्रेस के रणनीतिकारों को बर्दाश्त नहीं हो रहा है। तात्कालिक वजह भी साफ है कि राज्यसभा के चुनाव में बीजेपी समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी के चुनावी जंग में उतरने से दलों के विधायकों के टूटने का खतरा दिख रहा है। राजनीतिक सूत्रों की माने तो धन बल के इस्तेमाल की भूमि झारखंड बनते दिख रही है लेकिन क्या हेमंत सोरेन सच में राज्यसभा चुनाव को इग्नोर कर रहे हैं या कि कुछ निजी परेशानियां भी हावी हो गई हैं? राज्यसभा चुनाव से ज्यादा परेशानी हेमंत सोरेन के सामने केंद्रीय एजेंसियां खड़ी कर रही है। सोरेन के सामने राज्यसभा चुनाव से ज्यादा बड़ा संकट ईडी और सीबीआई बन चुकी है। राजनीतिक गलियारों की माने तो परिमल नाथवानी की ओर से गृह मंत्री अमित शाह और हेमंत सोरेन की मुलाकात के चर्चे भी हैं।

मंदिर दान गबन विवाद-राम जन्मभूमि ट्रस्ट ने सीएम योगी से की एसआईटी जांच की मांग

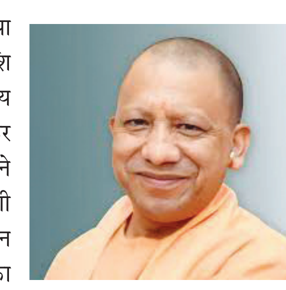

लखनऊ 13 जून (निस) अयोध्या के श्रीराम मंदिर में दान पात्रों की राशि में कथित गबन और वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों को लेकर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने स्वयं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से एसआईटी का गठन कर उच्च स्तरीय जांच कराने का अनुरोध किया है। ट्रस्ट का कहना है कि करोड़ों देश-विदेश के भक्तों की अटूट आस्था से जुड़े इस पावन मामले की पूरी तरह से पारदर्शी और निष्पक्ष जांच होना बेहद आवश्यक है, ताकि सोशल मीडिया पर चल रही तमाम तरह की भ्रामक अफवाहों पर तत्काल पूर्णविराम लग सके। राज्य सरकार के प्रवक्ता के अनुसार राम मंदिर के दान पात्रों में दान की गई बहुमूल्य धनराशि की चोरी के संबंध में फैल रही अफवाहों को लेकर ही ट्रस्ट ने मुख्यमंत्री से यह अनुरोध किया है। वहीं अयोध्या निवासी विक्रम तिवारी ने कोतवाली अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की है और उन्होंने प्रार्थना पत्र दिया है। उन्होंने लिखा है कि खबरों के माध्यम से संज्ञान में आया है कि श्रीराम मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित दानराशि के प्रबंधन में कथित अनियमितता की बात सामने आयी है। कुछ कर्मचारियों की संलिप्तता की आशंका व्यक्त की गई है तथा नकदी बरामद होने की बात सामने आई है। इसके लिए तत्काल प्रभाव से एफआईआर दर्ज करने के साथ स्वतंत्र एजेंसी से जांच हो। उधर, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने आधिकारिक रूप से इस पूरे प्रकरण को महज एक सोची-समझी दान चोरी की अफवाह और दुष्प्रचार माना है। दरअसल यह पूरा विवाद तब देश भर की सुर्खियों में आया जब राम मंदिर के पूर्व मुख्य लेखा प्रभारी महिपाल सिंह ने दावा किया कि मंदिर के चढ़ावे की गिनती के दौरान बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताएं की जा रही थीं। उन्होंने सीधा आरोप लगाया कि पूर्व में एक बार उन्होंने स्वयं अपनी सतर्कता से लगभग पांच लाख रुपये की नकद चोरी को रंगेहाथ पकड़ा था, लेकिन उच्च अधिकारियों से लिखित शिकायत करने के बाद उन्हें न्याय देने के बजाय उल्टे नौकरी से ही निष्कासित कर दिया गया। महिपाल सिंह ने अपने दावों को और मजबूत करते हुए यह भी संगीन आरोप लगाया कि मंदिर परिसर के कुछ महत्वपूर्ण सीसीटीवी फुटेज को जानबूझकर डिलीट कर दिया गया है और भक्तों द्वारा चढ़ाए गए सोने-चांदी व अन्य कीमती आभूषणों का कोई भी पारदर्शी डिजिटल रिकॉर्ड नहीं रखा गया है। इस बीच ट्रस्ट के प्रभावशाली महासचिव चंपत राय ने पूर्व लेखा प्रभारी द्वारा लगाए गए इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इनका कड़ा खंडन किया है।

सम्पादकीय

जेन-जी महंगाई और बेरोजगारी से परेशान, सपनों में जी रहा

पूरी दुनिया में जेन-जी की आबादी चिंता का कारण बनती चली जा रही है। यह युवा आबादी ना तो अपने परिवार के बारे में सोचती है, नाहीं समाज के बारे में सोचती है, यह केवल अपने बारे में सोचती है। इसके पास शिक्षा की डिग्रियां भी हैं, लेकिन डिग्री के अनुरूप ज्ञान नहीं है। जीवन जीने का कोई अनुभव नहीं है। वह कोई चीज सीखना भी नहीं चाहते हैं। किसी चीज से जुड़ते हैं और उसे जल्दी ही छोड़ देते हैं। उनका सबसे ज्यादा समय सोशल मीडिया और इंटरनेट पर बीत रहा है, जिसके कारण वह सामान्य ज्ञान से भी दूर होते चले जा रहे हैं। वर्तमान की जो युवा पीढ़ी है वह डिग्री लेकर बड़े-बड़े सपने देखती है लेकिन डिग्री के अनुरूप उसके पास ना तो कोई ज्ञान होता है नाही वह कोई काम करना चाहता है जिसके कारण यह युवा पीढ़ी एक बड़ी चिंता का कारण भी बन रही है। जेन-जी को ना तो वामपंथी विचारधारा पर विश्वास है ना ही उसे पूंजीवाद पर विश्वास है, वह पूरी तरह से सेल्फिश होकर केवल अपने बारे में सोचती है। उसे अपने परिवार और मां-बाप की कठिनाइयों से भी कोई सरोकार नहीं रहता है। वह जब भी बात करता है केवल अपने हित की बात करता है। वह अपने माता-पिता और परिवार से दूर रहकर केवल अपनी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अपने परिवार से उतना ही जुड़ता है जो उसकी जरूरत पूरी करने के लिए जरूरी होती हैं। भारत, अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, जर्मनी, यूरोपीय देश सभी में जेन-जी के इस बर्ताव से सामाजिक और पारिवारिक व्यवस्था में अब एक तनाव देखने को मिल रहा है। हाल ही में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट आफ पॉलिटिक्स ने 2020 से 2025 के बीच जो सर्वे किया था उसमें यह बात खुलकर सामने आई कि इस युवा पीढ़ी को पूंजीवाद वामपंथ समाजवाद इत्यादि विचारधारा से कोई लेना-देना नहीं है। यह केवल अपनी जरूरत से जुड़कर ही अपनी बात रखता है। मेरा किराया कम करो, फीस माफ करो, मुफ्त बस सेवा दो, मुझे नौकरी दो, नौकरी भी सबसे अच्छी वाली चाहिए है, जिसमें बड़ा वेतन मिलता हो, कॉरपोरेट ऑफिस हो। इस तरह की मांग इस युवा पीढ़ी की होती है, लेकिन यह अनुभव प्राप्त करने के लिए अथवा जो भी नौकरी या रोजगार करना चाहता है जो उसके सपने में है उसके लिए वह अपने आपको तैयार भी नहीं कर रहा है। सोशल मीडिया के जरिए उसके सपने बड़े-बड़े हो गए हैं। सारी दुनिया में क्या हो रहा है यह उसे पता है लेकिन उसका केरियर कैसे बनेगा इसके बारे में वह जरा भी गंभीर नहीं है। सबसे बड़ी चिंता का विषय यह है कि यह अपने मां-बाप को भी अपना नहीं मानने के लिए तैयार है, क्योंकि वह उसकी जरूरतों को पूरा नहीं कर पाते हैं। ऐसी स्थिति में वह उनसे भी नाराज रहकर विद्रोह करने की स्थिति में आ जाता है। वर्तमान में यह वर्ग बढ़ती हुई महंगाई, बेरोजगारी तथा इसका रहन-सहन और खर्च करने की आदत के कारण यह सबसे ज्यादा परेशान है। हाल ही में जो सर्वे हुए हैं उनमें 36 फीसदी युवा इसी स्थिति से गुजर रहा है। यह युवा वर्ग अरबपतियों पर भी भारी टैक्स लगाने का पक्षधर है। यह बाजारवाद का शिकार हो गया है। सारी दुनियां में जिस तरह से कॉरपोरेट लगातार सामान की कीमत बढ़ाकर मुनाफाखोरी कर रहे हैं, उससे यह युवा वर्ग के टारगेट में आते चले जा रहे हैं। हाल ही में अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी निर्वाचित हुए हैं, उनकी जीत में सबसे बड़ा कारण यही बताया जा रहा है कि उन्होंने जेन-जी के इस मनोविज्ञान को समझा उन्होंने इसी वर्ग के लिए सबसे ज्यादा लोक लुभावन वायदे किए। ममदानी ने निम्न वर्ग और मध्य वर्ग को महंगाई से राहत दिलाने की बात की, उन्होंने महंगाई के खिलाफ सभी लोगों को एकजुट किया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विरोध के बाद भी उन्होंने न्यूयॉर्क में मेयर के पद के चुनाव में जीत हासिल की। अब उनकी देखा-देखी यूरोप के अन्य देशों में भी चुनाव जीतने के लिए यही फार्मूला अपनाया जा रहा है। ब्रिटेन के ग्रीन पार्टी के नेता जैक पोलांस्की भी चुनाव जीतने के लिए लोक लुभावन वादे कर रहे हैं। भारत पर पिछले एक दशक से राजनीतिक दल चुनाव जीतने के लिए इसी तरह के वादे करके चुनाव जीत रहे हैं, लेकिन अभी तक भारत में जेन-जी की समस्याओं को हल करने की दिशा में केंद्र सरकार और राज्य सरकारों ने कोई काम नहीं किया है। इस दिशा में भी जेन-जी गंभीर नहीं नजर आता है। वैश्विक व्यापार संधि के बाद सारी दुनिया में कर्ज और बाजारवाद की जो आंधी चली है उसमें सबसे ज्यादा प्रभावित यही जेन-जी हुआ है। इसने अपने सपने पूरे करने के लिए एजुकेशन लोन भी लिया है। गाड़ी-घोड़े भी लोन से लिए हैं। मोबाइल फोन भी किस्तों पर लेकर तथा क्रेडिट कार्ड और अन्य तरीके से कर्ज लेकर अपने खर्चे पूरे करने का जो तरीका अपनाया था वह उसकी आदत में शुमार हो चुका है। जिस तरह से भारत सहित दुनिया के सभी देशों में महंगाई और बेरोजगारी बढ़ रही है, रही सही कसर ए आई तकनीकी के कारण बेरोजगारी और तेजी के साथ बढ़ रही है। महंगाई भी लगातार बढ़ती चली जा रही है। ऐसी स्थिति में एक बड़ी पारिवारिक, सामाजिक और आर्थिक समस्या एक विकट रूप में सामने आ रही है। इस समस्या का समाधान किस तरह से होगा, इसको लेकर अब दुनिया भर के विश्वविद्यालय शोध कार्यक्रम चला रहे हैं। डिग्रियों के बावजूद जब काम नहीं मिल रहा है, बेरोजगारी बढ़ रही है ऐसी स्थिति में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अब कॉलेज और विश्वविद्यालय में एडमिशन नहीं हो पा रहे हैं। हर साल बड़ी संख्या में सीट खाली रह जाती हैं। सरकारों के खिलाफ आंदोलन हो रहे हैं। हर तरफ अफरा-तफरी का माहौल है। दुनिया में आर्थिक मंदी और महंगाई दोनों ही बढ़ रही हैं। जिस तेजी के साथ जेन-जी का गुस्सा देखने को मिलता है। बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल एवं अन्य देशों की घटनाओं को देखते हुए यह क्षणिक में बहुत बड़ा नुकसान कर देता है और उसके बाद निराशा में शांत होकर बैठ जाता है। इस वर्ग के इस आचरण को देखते हुए किसी क्रांतिकारी बदलाव की आशा भी देखने को नहीं मिल रही है।

बदलते राजनीतिक समीकरण के बीच अस्तित्व की लड़ाई में कांग्रेस व ममता

- कांतिलाल मांडोत

घटते जनाधार और बदलती परिस्थितियों ने बढ़ाई नजदीकियां दिल्ली में राहुल गांधी और अभिषेक बनर्जी की मुलाकात तथा उससे पहले सोनिया गांधी और ममता बनर्जी के बीच हुई बातचीत ने राष्ट्रीय राजनीति में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। इन बैठकों को लेकर भले ही किसी भी पक्ष ने औपचारिक रूप से किसी गठबंधन या विलय की संभावना की पुष्टि नहीं की हो, लेकिन राजनीति में संकेतों का महत्व हमेशा शब्दों से अधिक माना जाता है। विशेष रूप से तब, जब दोनों दल अपने-अपने राजनीतिक जीवन के कठिन दौर से गुजर रहे हों। ऐसे समय में लगातार हो रही मुलाकातें केवल शिष्टाचार तक सीमित नहीं मानी जा सकतीं। इनके पीछे बदलते राजनीतिक समीकरणों और भविष्य की रणनीतियों की झलक भी दिखाई देती है। भारतीय राजनीति में कांग्रेस कभी देश की सबसे शक्तिशाली राजनीतिक पार्टी रही है। स्वतंत्रता आंदोलन की विरासत और लंबे समय तक केंद्र तथा राज्यों में सत्ता के कारण कांग्रेस का प्रभाव लगभग पूरे देश में फैला हुआ था। लेकिन पिछले एक दशक में पार्टी का जनाधार लगातार कमजोर हुआ है। कई राज्यों में उसका संगठन लगभग निष्क्रिय हो चुका है। उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे बड़े राज्यों में कांग्रेस अब मुख्य राजनीतिक शक्ति नहीं रह गई है। राष्ट्रीय स्तर पर भी उसका वोट प्रतिशत और सीटों की संख्या पहले की तुलना में काफी घट चुकी है। कांग्रेस की सबसे बड़ी चुनौती यह रही है कि वह भाजपा के उभार के सामने एक प्रभावी वैकल्पिक राजनीतिक कथा प्रस्तुत नहीं कर सकी। कई राज्यों में क्षेत्रीय दलों ने कांग्रेस के पारंपरिक वोट बैंक में सेंध लगाई। कहीं जातीय राजनीति ने जगह बनाई तो कहीं क्षेत्रीय अस्मिता का मुद्दा कांग्रेस पर भारी पड़ा। परिणाम यह हुआ कि राष्ट्रीय पार्टी होने के बावजूद कांग्रेस का प्रभाव सीमित क्षेत्रों तक सिमटता गया। हालांकि राहुल गांधी की यात्राओं और विपक्षी एकता के प्रयासों ने पार्टी को कुछ हद तक राजनीतिक चर्चा के केंद्र में बनाए रखा, लेकिन यह भी सच है कि कांग्रेस अभी तक अपनी पुरानी ताकत हासिल नहीं कर सकी है। दूसरी ओर तृणमूल कांग्रेस की कहानी भी कम दिलचस्प नहीं है। ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में तीन दशक से अधिक समय तक सत्ता में रही वामपंथी सरकार को

हटाकर एक नई राजनीतिक शक्ति खड़ी की थी। बाद में उन्होंने भाजपा की चुनौती का भी सफलतापूर्वक मुकाबला किया। एक समय ऐसा लगा कि तृणमूल कांग्रेस केवल बंगाल तक सीमित पार्टी नहीं रहेगी बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। गोवा, त्रिपुरा और पूर्वोत्तर के कुछ राज्यों में पार्टी ने विस्तार की कोशिशें भी कीं लेकिन राजनीति में सफलता स्थायी नहीं होती। यदि बंगाल में तृणमूल कांग्रेस को अपेक्षित समर्थन नहीं मिलता और पार्टी के भीतर असंतोष बढ़ता है, तो यह उसके लिए गंभीर चुनौती बन सकती है। किसी भी क्षेत्रीय दल की ताकत उसके मजबूत संगठन और निर्विवाद नेतृत्व पर आधारित होती है। जब संगठन में टूट-फूट शुरू होती है और नेताओं का विश्वास डगमगाने लगता है, तब राजनीतिक भविष्य को लेकर चिंताएं स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती हैं। ऐसे माहौल में राष्ट्रीय स्तर पर सहयोगी तलाशना एक व्यावहारिक राजनीतिक विकल्प बन जाता है। यही कारण है कि राहुल गांधी और अभिषेक बनर्जी की मुलाकात को केवल एक सामान्य राजनीतिक बैठक के रूप में नहीं देखा जा रहा। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है जब कांग्रेस अपने खोए हुए जनाधार को वापस पाने की कोशिश कर रही है और तृणमूल कांग्रेस अपने राजनीतिक प्रभाव को बनाए रखने की चुनौती से जूझ रही है। दोनों दलों की परिस्थितियां अलग-अलग हैं, लेकिन उनकी चिंता एक जैसी है—राजनीतिक प्रासंगिकता को बनाए रखना। कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के संबंधों का इतिहास भी उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। ममता बनर्जी स्वयं कांग्रेस की ही उपज हैं। उन्होंने कांग्रेस से अलग होकर तृणमूल कांग्रेस बनाई थी और बाद में बंगाल की राजनीति में कांग्रेस को काफी पीछे छोड़ दिया। लंबे समय तक दोनों दलों के बीच प्रतिस्पर्धा और अविश्वास का माहौल रहा। कई चुनावों में दोनों एक-दूसरे के खिलाफ लड़े। इसलिए आज यदि दोनों दलों के बीच संवाद बढ़ रहा है तो यह केवल वैचारिक निकटता का परिणाम नहीं बल्कि राजनीतिक आवश्यकता का संकेत भी माना जा सकता है। राजनीति में स्थायी मित्र और स्थायी शत्रु नहीं होते। परिस्थितियां बदलती हैं तो रणनीतियां भी बदलती हैं। यदि कांग्रेस को लगता है कि क्षेत्रीय दलों के साथ बेहतर तालमेल के बिना भाजपा का मुकाबला कठिन है, तो वह पुराने मतभेदों को पीछे छोड़ सकती है। इसी प्रकार यदि तृणमूल कांग्रेस को लगता है कि राष्ट्रीय स्तर पर अकेले आगे बढ़ना मुश्किल है, तो वह भी पुराने रिश्तों को फिर से मजबूत करने की कोशिश कर सकती है। कांग्रेस एक राष्ट्रीय पार्टी है और उसकी अपनी संगठनात्मक संरचना है। वहीं तृणमूल कांग्रेस का पूरा राजनीतिक मॉडल ममता बनर्जी के नेतृत्व के इर्द-गिर्द विकसित हुआ है। दोनों दलों के कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं के बीच भी कई क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा रही है। ऐसे में किसी भी बड़े राजनीतिक समझौते को जमीन पर लागू करना आसान नहीं होगा। फिर भी यह तथ्य नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि भारतीय राजनीति में जनाधार का क्षरण दलों को नए विकल्प तलाशने के लिए मजबूर करता है। जब राजनीतिक समर्थन घटने लगता है तो विचारधारात्मक मतभेद भी अपेक्षाकृत कम महत्वपूर्ण हो जाते हैं और अस्तित्व का प्रश्न प्रमुख हो जाता है। कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस की वर्तमान स्थिति को इसी दृष्टि से देखा जाना चाहिए। आज कांग्रेस अपने गौरवशाली अतीत और अनिश्चित भविष्य के बीच खड़ी है। वहीं तृणमूल कांग्रेस अपने क्षेत्रीय प्रभुत्व को बचाए रखने की चुनौती का सामना कर रही है। दोनों दलों के सामने सबसे बड़ी आवश्यकता जनता का विश्वास दोबारा अर्जित करने की है। केवल राजनीतिक समीकरणों और नेताओं की मुलाकातों से जनाधार वापस नहीं आता। इसके लिए मजबूत संगठन, स्पष्ट नेतृत्व, विश्वसनीय नीतियों और जनता के मुद्दों से निरंतर जुड़ाव आवश्यक होता है। राहुल गांधी, सोनिया गांधी, ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी की हालिया मुलाकातों ने राजनीतिक अटकलों को जरूर हवा दी है, लेकिन इन मुलाकातों का वास्तविक महत्व आने वाले समय में ही स्पष्ट होगा।

पर्यावरण के लिए गंभीर चुनौती बन रही है जंगल की आग

- मनोज कुमार अग्रवाल

जंगल की आग (दावानल) एक अत्यंत विनाशकारी प्राकृतिक व मानवजनित आपदा है। यह अनियंत्रित आग चंद घंटों में हजारों हेक्टेयर वन भूमि, मूल्यवान पेड़ों और वन्यजीवों को राख में बदल देती है, जिससे पर्यावरण का संतुलन बिगड़ जाता है और भारी बर्बादी होती है। जंगल की आग के प्रभाव और नुकसान कई स्तरों पर महसूस किए जाते हैं। वन्यजीवों की मौत हो जाती है आग की चपेट में आने से कई जानवर, पक्षी और उनके बच्चे जिंदा जल जाते हैं। जो बच जाते हैं, उनके प्राकृतिक आवास और भोजन स्रोत नष्ट हो जाते हैं। आग के धुएं से भारी मात्रा में जहरीली गैसें जैसे कार्बन डाइऑक्साइड निकलती हैं, जिससे आसपास के क्षेत्रों में गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं, सांस लेने में दिक्कत और वायु प्रदूषण होता है। बेशकीमती लकड़ियां, औषधीय पौधे और वनस्पतियां जलकर नष्ट हो जाती हैं। इसके अलावा, आग वाली जगह पर मिट्टी की उपजाऊ क्षमता खत्म हो जाती है। कई बार यह आग रिहायशी इलाकों तक पहुंच जाती है, जिससे लोगों के घर, खेत और मवेशी नष्ट हो जाते हैं। जानमाल का भारी खतरा पैदा हो जाता है। जंगल की आग में अकेले उत्तराखंड में वर्ष 2015 से अब तक 36 लोगों की जान ले चुकी है, जबकि 76 लोग घायल हुए। विश्वभर में पर्यावरण के तेजी से असंतुलित और विषाक्त होते जाने के परिणाम अब गंभीर रूप में सामने आते जा रहे हैं। ये प्रभाव रोकने के बावजूद भले ही सामान्य लोग इनका अनुभव नहीं कर पा रहे हों लेकिन वैज्ञानिकों द्वारा किए जाने वाले शोधों और अनुसंधानों में इन्हें लेकर कोई भ्रम या अनिश्चितता नहीं है। विडंबना यह है कि सारी बातें साफ तौर पर सामने रख दिए जाने के बावजूद आम लोग ही नहीं बल्कि सरकारें तक सुधरने के लिए तैयार नहीं हैं। शोध बताता है कि आग से पैदा होने वाला प्रदूषण वायु गुणवत्ता और मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बनता जा रहा है। जंगलों की आग से निकलने वाले धुएं में

सिर्फ कार्बन डाइऑक्साइड ही नहीं बल्कि कई ऐसे कार्बनिक यौगिक भी होते हैं जो ज्यादा खतरनाक सिद्ध हो रहे हैं। विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने भी माना है कि गंगा के मैदानों की धुंध और अमेजन के जंगलों से उठने वाला धुआं वायु प्रदूषण को लगातार बढ़ा रहा है। इसका सीधा असर मानव स्वास्थ्य, कृषि और अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। संगठन ने एक उदाहरण के माध्यम से बताया है कि दो साल पहले अमेजन में लगी आग से निकला धुआं हजारों किलोमीटर दूर बसे शहरों तक पहुंचा और वहां की हवा को गंभीर रूप से प्रदूषित कर दिया। ऐसा ही एक अध्ययन बताता है कि 2001 के बाद से जंगलों की आग से होने वाले कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में करीब साठ प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। यह भी बताया गया है कि उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों के बाहर मौजूद जंगलों में भी कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में गंभीर इजाफा हुआ है। इन क्षेत्रों में हर साल करीब पचास करोड़ टन अतिरिक्त कार्बन डाइऑक्साइड वातावरण में जा रहा है। आमतौर पर जंगलों को उनके हाल पर छोड़ दिया जाता है जिसके कारण उनके संरक्षण की दिशा में कदम भी नहीं उठाए जाते। विकसित देशों तक का यही हाल है। नतीजा यह है कि वनाग्नि जैसी घटनाएं होती हैं। बुझाने के उपाय न होने के कारण यह आग फैलती जाती है और पर्यावरण खतरनाक रूप से प्रदूषित होता जाता है। भारत में वर्तमान में भीषण गर्मी और सूखे के कारण जम्मू-कश्मीर (राजौरी के नौशेरा क्षेत्र) और हिमाचल प्रदेश (चंबा और कांगड़ा के नैना देवी क्षेत्र) के जंगलों में आग लगने की कई घटनाएं सामने आई हैं। इसके अलावा उत्तराखंड (चमोली और गढ़वाल क्षेत्र) के पहाड़ी इलाकों में भी अक्सर जंगलों में आग की समस्या बनी हुई है। जम्मू-कश्मीर में राजौरी जिले के नौशेरा और बिंदी के जंगलों में भारी आग लगने के कारण चारों तरफ धुआं फैल गया था, जिसे बुझाने के लिए दमकल और बचाव दल तैनात किए गए थे। हिमाचल प्रदेश में चंबा के सलोनी क्षेत्र और कांगड़ा के नैना देवी मंदिर के पास के जंगलों में भीषण आग की घटनाएं दर्ज की गई हैं। उत्तराखंड में इस साल 15 फरवरी से अब तक जंगल की आग की करीब 400 घटनाएं दर्ज की जा चुकी हैं, जिससे 331 हेक्टेयर से अधिक वन संपदा जलकर राख हो गई है। इस भीषण आग की चपेट में आने से कई बहुमूल्य वनस्पतियां, जीव-जंतु नष्ट हुए हैं और कुछ लोगों की जान भी जा चुकी है। गढ़वाल मंडल सबसे अधिक प्रभावित हुआ है, जहां 241 हेक्टेयर से अधिक का वन क्षेत्र जला है। इसके मुकाबले कुमाऊं मंडल में स्थिति थोड़ी बेहतर रही, जहां करीब 64 हेक्टेयर वन क्षेत्र को नुकसान पहुंचा है। चमोली, पिथौरागढ़, पौड़ी, टिहरी, उत्तरकाशी और रुद्रप्रयाग जिले आग से सबसे ज्यादा प्रभावित है। बारिश की कमी, लंबे समय तक सूखा मौसम और लगातार बढ़ता तापमान जंगलों में आग लगने के मुख्य कारण है। उत्तराखंड के जंगलों में लग रही आग विकराल होती जा रही है इस दृष्टि से पौड़ी, चमोली, रुद्रप्रयाग, पिथौरागढ़, टिहरी, देहरादून, नैनीताल व उत्तरकाशी जिले अधिक संवेदनशील बनकर उभरे हैं। इन्हीं जिलों में जंगल सर्वाधिक धधक रहे हैं। ऐसे में चिंता और चुनौती दोनों ही बढ़ गए हैं वर्तमान में राज्य के आठ जिलों के जंगलों में धधक रही आग का बड़ा कारण वहां पसरे चीड़ वन हैं। चीड़ की सूखी पत्तियों (पिरुल) की जमीन में जमा परत आग में घी का काम कर रही है।

मानवता की एक बूंद रक्तदान करें जीवन बचाएं

- कांतिलाल मांडोत

हर वर्ष 14 जून को विश्व रक्तदाता दिवस मनाया जाता है। यह केवल एक औपचारिक दिवस नहीं है बल्कि मानवता सेवा और जीवन रक्षा का वैश्विक अभियान है। इस दिन उन लाखों स्वैच्छिक रक्तदाताओं का सम्मान किया जाता है जिनके निस्वार्थ योगदान से प्रतिदिन अनगिनत लोगों को नया जीवन मिलता है। वर्ष 2026 की थीम मानवता की एक बूंद। रक्तदान करें। जीवन बचाएं। इस संदेश को और अधिक प्रभावी बनाती है कि रक्तदान केवल चिकित्सा सहायता नहीं बल्कि करुणा और सामाजिक जिम्मेदारी का सबसे बड़ा प्रतीक है। रक्त ऐसा अमूल्य संसाधन है जिसे किसी प्रयोगशाला में कृत्रिम रूप से तैयार नहीं किया जा सकता। इसकी उपलब्धता पूरी तरह स्वस्थ और जागरूक नागरिकों के स्वैच्छिक रक्तदान पर निर्भर करती है। जब किसी व्यक्ति को दुर्घटना होती है तब प्रसव के दौरान अत्यधिक रक्तस्राव होता है तब कैंसर का इलाज चल रहा होता है तब थैलेसीमिया या अन्य गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को रक्त की आवश्यकता पड़ती है। ऐसे समय में किसी अनजान रक्तदाता द्वारा दिया गया रक्त जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर बन जाता है। भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देशों में से एक है और यहां रक्त की मांग भी बहुत अधिक है। विभिन्न स्वास्थ्य रिपोर्टों के अनुसार देश में हर वर्ष लगभग 1.4 से 1.6 करोड़ यूनिट रक्त एकत्रित किया जाता है। यह संख्या बड़ी दिखाई देती है लेकिन देश की विशाल जनसंख्या और स्वास्थ्य जरूरतों को देखते हुए अभी भी कई क्षेत्रों में रक्त की कमी महसूस की जाती है। विशेष रूप से दुर्लभ रक्त समूहों और आपातकालीन स्थितियों में रक्त की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती बनी रहती है विशेषज्ञों का मानना है कि यदि देश की कुल आबादी का केवल एक छोटा हिस्सा भी नियमित रूप से रक्तदान करे तो रक्त की कमी की समस्या लगभग समाप्त हो सकती है। एक यूनिट रक्त को अलग अलग घटकों में विभाजित किया जा सकता है।

इससे लाल रक्त कणिकाएं प्लाज्मा और प्लेटलेट्स अलग होकर तीन अलग मरीजों के उपचार में उपयोग किए जा सकते हैं। इसका अर्थ है कि एक व्यक्ति का एक बार किया गया रक्तदान तीन या उससे अधिक लोगों का जीवन बचाने में सहायक हो सकता है। भारत में हर वर्ष लाखों मरीज रक्तदान से लाभान्वित होते हैं। सड़क दुर्घटनाओं के शिकार लोगों से लेकर हृदय शल्य चिकित्सा कराने वाले मरीजों तक और कैंसर उपचार प्राप्त कर रहे रोगियों से लेकर थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों तक सभी के लिए रक्त जीवनरेखा का काम करता है। थैलेसीमिया से पीड़ित हजारों बच्चों को नियमित अंतराल पर रक्त चढ़ाने की आवश्यकता होती है। यदि रक्तदाता आगे न आएं तो इन बच्चों के जीवन पर संकट खड़ा हो सकता है। इसी प्रकार प्रसव के दौरान होने वाले अत्यधिक रक्तस्राव के कारण हर वर्ष अनेक महिलाओं की जान जोखिम में पड़ती है। समय पर उपलब्ध रक्त उनके जीवन की रक्षा कर सकता है रक्तदान को लेकर समाज में कई प्रकार की भ्रांतियां भी मौजूद हैं। कुछ लोग मानते हैं कि रक्तदान करने से कमजोरी आ जाती है या स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। जबकि चिकित्सा विज्ञान के अनुसार स्वस्थ व्यक्ति द्वारा निर्धारित अंतराल पर किया गया रक्तदान पूरी तरह सुरक्षित होता है। शरीर कुछ ही समय में रक्त की कमी को पूरा कर लेता है। रक्तदान से नई रक्त कोशिकाओं के निर्माण की प्रक्रिया सक्रिय होती है और शरीर में आयरन संतुलन बनाए रखने में भी सहायता मिलती है। सबसे बड़ी बात यह है कि रक्तदान से पहले होने वाली स्वास्थ्य जांच व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य की स्थिति जानने का अवसर भी देती है। आज आवश्यकता केवल रक्त एकत्रित करने की नहीं बल्कि नियमित और स्वैच्छिक रक्तदान की संस्कृति विकसित करने की है। कई बार विशेष अवसरों पर बड़े शिविर आयोजित होते हैं और पर्याप्त मात्रा में रक्त एकत्र हो जाता है लेकिन वर्ष भर निरंतर रक्त की उपलब्धता बनाए रखना अधिक महत्वपूर्ण है। इसके लिए युवाओं को विशेष रूप से प्रेरित करने की आवश्यकता है। कॉलेजों विश्वविद्यालयों और सामाजिक संगठनों को नियमित जागरूकता अभियान चलाने चाहिए ताकि रक्तदान को एक सामाजिक आंदोलन का रूप दिया जा सके। डिजिटल युग में तकनीक भी रक्तदान अभियान को नई दिशा दे सकती है। मोबाइल एप और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से रक्तदाताओं का राष्ट्रीय नेटवर्क तैयार किया जा सकता है। आवश्यकता पड़ने पर निकटतम रक्तदाता से तुरंत संपर्क स्थापित किया जा सकता है। इससे आपातकालीन परिस्थितियों में समय की बचत होगी और मरीजों को शीघ्र सहायता मिल सकेगी। कई राज्यों में ऐसे प्रयास शुरू हुए हैं लेकिन इन्हें और व्यापक बनाने की आवश्यकता है। स्कूल स्तर पर भी रक्तदान के महत्व के बारे में शिक्षा दी जानी चाहिए। भले ही विद्यार्थी रक्तदान की आयु तक न पहुंचे हों लेकिन उनमें सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित की जा सकती है। जब वे युवा बनेंगे तब स्वाभाविक रूप से रक्तदान को अपने सामाजिक कर्तव्य के रूप में स्वीकार करेंगे। इसी प्रकार परिवारों में भी रक्तदान को लेकर सकारात्मक चर्चा होनी चाहिए ताकि नई पीढ़ी प्रेरित हो सके। सरकारों और स्वास्थ्य संस्थानों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। रक्त बैंकों की संख्या और गुणवत्ता बढ़ाने के साथ साथ आधुनिक परीक्षण सुविधाओं को मजबूत करना आवश्यक है।

दिल्ली के तुगलकाबाद में लाल कुआं-रामप्यारी कैंप मुख्य मार्ग बनाने का काम शुरू, 30 हजार लोगों को मिलेगी राहत

नई दिल्ली 13 जून (निस) दक्षिणी दिल्ली के तुगलकाबाद विधानसभा क्षेत्र में लाल कुआं-रामप्यारी कैंप मुख्य मार्ग और नाले का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। दिल्ली सरकार द्वारा स्वीकृत 4.96 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली यह सड़क और नाला मानसून में जलभराव से 30 हजार लोगों को राहत देगा। तुगलकाबाद विधानसभा क्षेत्र स्थित लाल कुआं-रामप्यारी कैंप मुख्य मार्ग को नए सिरे से बनाने का काम शुरू हो गया है। एमबी रोड से चुंगी नंबर तीन व दो होते हुए सूरजकुंड रोड तक लगभग दो किलोमीटर की इस रोड के साथ-साथ नाले का भी निर्माण कराया जाएगा। लाल कुआं और रामप्यारी कैंप के साथ ही इस मार्ग से जुड़ी आबादी के लिए पानी के निकासी की व्यवस्था नहीं थी। इसके चलते मानसून में होने वाली वर्षा लोगों के लिए बड़ी मुसीबत बनती थी। सड़क के साथ ही कई झुग्गियां हफ्तों तक जलमग्न रहतीं थीं।

दिल्ली में जलभराव रोकने को एलजी का सख्त निर्देश

नई दिल्ली 13 जून (निस) एलजी तरनजीत सिंह संधू ने दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) को मानसून से पहले जलभराव की समस्या से निपटने के लिए 15 जून तक हर हाल में नालों से गाद निकालने का काम पूरा करने का कड़ा निर्देश दिया है। मानसून की तैयारियों को लेकर मिशन मोड में चल रहे इस व्यापक अभियान की स्वयं निगरानी कर रहे संधू को हालांकि डीडीए अधिकारियों ने सूचित किया है लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा पूरा कर लिया गया है, शेष 30 प्रतिशत काम तय समय-सीमा के भीतर खत्म करने के लिए निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

हरियाणा में घर से 10 किमी दूर कार में मृत मिले दिल्ली पुलिस के कांस्टेबल

नई दिल्ली 13 जून (निस) दिल्ली पुलिस के कांस्टेबल हरियाणा के रोहतक रोड पर रोहद टोल के पास कार में मृत अवस्था में पाए गए। कांस्टेबल सुधीर (38) उत्तर-पश्चिम जिले के आदर्श नगर पुलिस थाने में तैनात थे। ड्यूटी से घर न पहुंचने पर स्वजन ने पुलिस को सूचित किया। इसके बाद रोहतक जिले की सांपला थाना पुलिस रोहद टोल के पास पहुंची। सुधीर कार में बेसुध हालत में मिले, उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस का कहना है कि वे बीमार नहीं थे। उधर, हरियाणा पुलिस ने प्राथमिक जांच में दम घुटने से मौत की आशंका जताई है।

एआई और मशीन लर्निंग में करियर का मौका आइआइटी दिल्ली ने शुरू किए नए बैच के आवेदन

नई दिल्ली 13 जून (निस) दुनियाभर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) और डेटा आधारित तकनीकों की बढ़ती मांग को देखते हुए आइआइटी दिल्ली ने एप्लाइड एआइ, मशीन लर्निंग और डिसीजन साइंस कार्यक्रम के छठे बैच के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। संस्थान के सतत शिक्षा कार्यक्रम (सीईपी) के अंतर्गत संचालित यह पाठ्यक्रम पेशेवरों और छात्रों को भविष्य की तकनीकों से जोड़ने का प्रयास है। आठ माह की अवधि वाले इस आनलाइन पाठ्यक्रम के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 15 सितंबर निर्धारित की गई है। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को मशीन लर्निंग, जनरेटिव एआइ, एजेंटिक एआइ और डेटा आधारित निर्णय लेने की आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। आइआइटी दिल्ली के विशेषज्ञ शिक्षकों के साथ उद्योग जगत के पेशेवर भी लाइव सत्रों के माध्यम से मार्गदर्शन करेंगे।

डीयू के मिरांडा हाउस में समर रिसर्च इंटर्नशिप की शुरुआत

नई दिल्ली 13 जून (निस) डीयू के मिरांडा हाउस में मंगलवार से छह सप्ताह के समर रिसर्च इंटर्नशिप कार्यक्रम फ्लेवर आफ रिसर्च इन्वेस्टिगेटिव प्रोजेक्ट्स इन मल्टीडिसिप्लिनरी कान्टेक्स्ट्स का शुभारंभ हुआ। 9 जून से 21 जुलाई 2026 तक चलने वाले इस कार्यक्रम में देशभर के 39 विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों से 450 से अधिक विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को शोध कार्य का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना और उनमें अनुसंधान के प्रति रुचि को बढ़ावा देना है। इस वर्ष इंटर्नशिप के तहत भौतिकी, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, प्राणी विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान, गणित, भूगोल और राजनीति विज्ञान सहित विभिन्न विषयों में शोध के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। प्रतिभागियों को प्रयोगशाला आधारित अध्ययन, फील्ड वर्क, डेटा विश्लेषण और अंतर्विषयी शोध परियोजनाओं पर काम करने का अवसर मिलेगा।

दिल्ली में गलत दिशा से आई बेकाबू कार का करार

नई दिल्ली 13 जून (निस) न्यू फ्रेंड्स कालोनी ट्रैफिक सर्किल इलाके में बुधवार सुबह एक हिट एंड रन का मामला सामने आया है। सराय जुलेना लाल बत्ती पर ड्यूटी के दौरान गलत दिशा से आ रहे एक बेकाबू कार चालक ने ट्रैफिक पुलिस के हेड कांस्टेबल को टक्कर मार दी और कुचलने की कोशिश कोशिश करता हुआ मौके से फरार हो गए। हादसे में हेड कांस्टेबल गंभीर रूप से घायल हो गये, जिनकी पहचान राहुल के रूप में हुई है। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने पीड़ित के बयान और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस घटनास्थल और उसके आसपास के रूट पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि फरार वाहन और उसके चालक की पहचान कर उसे जल्द से जल्द दबोचा जा सके।

दिल्ली में ओ-जोन विवाद पर आप का भाजपा पर हमला

नई दिल्ली 13 जून (निस) दिल्ली में ओ जोन को लेकर चल रही राजनीतिक बयानबाजी के बीच आप ने भाजपा पर निशाना साधा है। आप ने कहा है कि इस मामले पर दिल्ली के लाखों लोग चिंतित हैं। भाजपा को ओ-ओन में बनी रिहायशी कालोनियों को बचाने के लिए सरकार से संसद से कानून पास कराने की मांग की है। आप की प्रदेश इकाई ने कहा है कि अगर भाजपा सरकार ओ-जोन की रिहायशी कालोनियों से संरक्षण देना चाहती है तो मौखिक आदेश से काम नहीं चलेगा, बल्कि कानून बनाए। कहा कि ओ-जोन इलाके को खाली कराने का आदेश केंद्र की भाजपा सरकार के अंतर्गत डीडीए के बार-बार कोर्ट में जाने की वजह से ही आया है।

युवक की चाकू मारकर हत्या, बेटे को बचाने पहुंची मां को भी किया घायल

ग्वालियर 13 जून (निस) मुरार थाना क्षेत्र के बंसीपुरा हाथी खाना इलाके में आज दोपहर 20 हजार रुपए के लेनदेन को लेकर 25 वर्षीय युवक मोनू राजे की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। बेटे को बचाने पहुंची मां को भी बदमाशों ने हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू करती है 7

जानकारी के अनुसार मृतक मोनू राजे मजदूरी का काम करता था। उसका कुछ लोगों से करीब 20 हजार रुपए का लेनदेन चल रहा था। मोनू ने आरोपियों से कहा था कि उसके माता-पिता गांव गए हुए हैं और उनके लौटने के बाद वह रकम लौटा देगा। बुधवार सुबह ही उसके माता-पिता गांव से वापस ग्वालियर लौटे थे।

परिजनों के अनुसार दोपहर करीब दो बजे 5 युवक मोनू को घर के नीचे बुलाकर गाली-गलौज करने लगे। उस समय उसके पिता अशोक राजे घर की छत पर मौजूद थे। जैसे ही मोनू नीचे पहुंचा, बदमाशों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी और फिर चाकू निकालकर उस पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया।

मोनू की चीख-पुकार सुनकर उसकी मां 45 वर्षीय सुनीता राजे नीचे पहुंचीं और बेटे को बचाने का प्रयास किया। आरोपियों ने उन पर भी चाकू से हमला कर दिया। हमले में सुनीता के पैर और पेट में गंभीर चोटें आईं, जबकि मोनू के पेट में चाकू लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

वारदात के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। घायल सुनीता राजे को उनके पति अशोक राजे तत्काल मुरार अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें गंभीर हालत में हजार बिस्तर अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही भारी पुलिस बल घटनास्थल और अस्पताल पहुंचा। प्रारंभिक जांच में मुख्य आरोपी के रूप में गोलू कटारे का नाम सामने आया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

कारोबारी का शव गोदाम के ऑफिस में मिला

शहर के बहोड़ापुर थाना क्षेत्र स्थित ट्रांसपोर्ट नगर में बुधवार तड़के बैटरी कारोबारी का शव उनके किराए के गोदाम के ऑफिस में मिला। कारोबारी के सिर में गोली लगी थी और उसके पास 32 बोर की अवैध पिस्टल पड़ी हुई थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर आ गई और जांच शुरू कर दी है 7 जानकारी के अनुसार शिवम गुप्ता (32) मंगलवार को रोज की तरह काम के लिए घर से निकले थे। देर रात तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उनके मोबाइल पर संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन फोन बंद मिला। इसके बाद परिजन उनकी तलाश में निकल पड़े। बीती रात करीब 3 बजे परिजन बहोड़ापुर स्थित ट्रांसपोर्ट नगर की पार्किंग नंबर-6 में बने गोदाम पहुंचे। गोदाम के अंदर बने ऑफिस का दरवाजा खोलते ही शिवम खून से लथपथ हालत में पड़े मिले। उनके सिर में गोली लगी हुई थी।

सूचना मिलते ही बहोड़ापुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस ने मौके से अवैध पिस्टल और मोबाइल बरामद कर मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

विधान में इंद्रो ने किया भगवान पार्श्वनाथ का अभिषेक-दीनदयाल नगर स्थित श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर में परम पूज्य मुनिश्री विधुव सागर महाराज सानिध्य में चल रहें श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान महोत्सव एवं विश्वशांति महायज्ञ महोत्सव के दूसरे दिन आज शुक्रवार को इंद्रों ने भगवान पार्श्वनाथ कलशों से अभिषेक किया। वही भजनों पर इंद्र इन्द्राणियों नृत्य किया। जैन समाज प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि महोत्सव के विधानाचार्य पंडित राजेंद्र जैन ने मंत्र उच्चारण के साथ में भगवान पार्श्वनाथ का शुद्ध जल से प्रथम अभिषेक सौधर्म इंद्र महेंद्र जैन सहित इंद्रो जयकारों के साथ किया वही मुनिश्री ने अपने मुख्यबिंद से भगवान की शांतिधारा रजनीश सीमा जैन ओर शांतिदेवी महेंद्र जैन परिवार ने की। अभिषेक के उपरांत भगवान की महाआरती डॉयोगेश मनीषा अमन अनव जैन परिवार ने सामूहिक रूप से की।

ताऊ के बेटे ने नाबालिग बहन से की दरिंदगी, पीड़िता को ठहरा 4 महीने का गर्भ, अदालती आदेश के बाद कराया गया गर्भपात

गुना 13 जून (निस) जिले के बमौरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम साजरवाड़ा में रिश्तों को तार-तार करने वाली एक रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना सामने आई है। यहाँ एक 15 वर्षीय नाबालिग बच्ची के साथ उसके ही सगे ताऊ के लड़के (चचेरे भाई) ने पिछले 6 महीनों से लगातार डरा-धमकाकर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। इस घिनौनी करतूत के कारण नाबालिग बालिका चार महीने की गर्भवती हो गई। जैसे ही इस संवेदनशील मामले की जानकारी पीड़िता की मां और परिजनों को लगी, उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। परिजनों ने तुरंत पुलिस की शरण ली, जिसके बाद हरकत में आई बमौरी थाना पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मुख्य आरोपी को महज 10 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया। वहीं, पीड़िता की मानसिक और शारीरिक स्थिति को देखते हुए परिजनों ने जिला एवं सत्र न्यायालय के पॉस्को कोर्ट में गर्भपात (अबॉर्शन) की अनुमति के लिए आवेदन लगाया था। गत दिवस इस संबंध में एडीजे द्वारा सीएमएचओ को पत्र लिखकर आदेश दिया। जिसके बाद पीड़िता को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों की देखरेख में उसका सुरक्षित गर्भपात के लिए उपचार जारी है।

डरा-धमकाकर 6 महीने तक किया दुष्कर्म, मां को ऐसे लगी भनक

मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम साजरवाड़ा में रहने वाले आरोपी परसराम भील ने अपने ही सगे चाचा की नाबालिग बेटी को अपनी हवस का शिकार बनाया। आरोपी पिछले 6 महीने से बालिका को डरा-धमकाकर उसके साथ गलत काम कर रहा था। लोक-लाज और आरोपी के खौफ के कारण पीड़िता चुप रही, लेकिन जब उसे चार महीने का गर्भ ठहर गया, तो उसकी शारीरिक स्थिति बदलने लगी। बेटी की गिरती सेहत को देखकर जब मां ने कड़ाई से पूछताछ की, तो पीड़िता फफक-फफक कर रो पड़ी और उसने अपने सगे भाई की इस खौफनाक दरिंदगी की पूरी दास्तान बयां की। इसके बाद मां अपनी बेटी को लेकर सीधे बमौरी थाने पहुंची और आरोपी के खिलाफ नामजद शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने पीड़िता की रिपोर्ट पर आरोपी परसराम भील के विरुद्ध बीएनएस की धारा 64(1), 64(2)(एफ), 351(2) एवं पॉक्सो एक्ट की धारा 5(एन), 5(1), 6, 3, 4 के तहत गंभीर धाराओं में आपराधिक प्रकरण दर्ज कर तत्काल विवेचना प्रारंभ की।

एसपी हितिका वासल के निर्देश पर 10 घंटे में पकड़ा गया आरोपी

इस मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी हितिका वासल ने गंभीरता से लिया और आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी के कड़े निर्देश दिए। बमौरी थाना प्रभारी निरीक्षक दिलीप राजौरिया के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने अपने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। पुलिस की चौतरफा घेराबंदी के दबाव के कारण रिपोर्ट दर्ज होने के मात्र 10 घंटे के भीतर ही गत रात को आरोपी परसराम (26) पुत्र रमेश भील को पुलिस ने धर दबोचा। आवश्यक वैधानिक और चिकित्सीय कार्रवाई पूर्ण करने के उपरांत आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में सीधे जेल भेज दिया गया।

इनका कहना है

- बमोरी थाना क्षेत्र के ग्राम साजरवाड़ा में नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म की एक बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और गंभीर घटना सामने आई थी। इस मामले में मुख्य आरोपी पीड़िता का सगा पारिवारिक रिश्तेदार (ताऊ का लड?ा) ही है। पुलिस ने संवेदनशीलता और तत्परता का परिचय देते हुए एफआईआर दर्ज होने के 10 घंटे के भीतर ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और मामले में आगे की सख्त वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

युवक की चाकू मारकर हत्या, बेटे को बचाने पहुंची मां घायल

ग्वालियर 13 जून (निस) मुरार थाना क्षेत्र के बंसीपुरा हाथी खाना इलाके में आज दोपहर 20 हजार रुपए के लेनदेन को लेकर 25 वर्षीय युवक मोनू राजे की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। बेटे को बचाने पहुंची मां को भी बदमाशों ने हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू करती है जानकारी के अनुसार मृतक मोनू राजे मजदूरी का काम करता था। उसका कुछ लोगों से करीब 20 हजार रुपए का लेनदेन चल रहा था। मोनू ने आरोपियों से कहा था कि उसके माता-पिता गांव गए हुए हैं और उनके लौटने के बाद वह रकम लौटा देगा। बुधवार सुबह ही उसके माता-पिता गांव से वापस ग्वालियर लौटे थे। परिजनों के अनुसार दोपहर करीब दो बजे 5 युवक मोनू को घर के नीचे बुलाकर गाली-गलौज करने लगे। उस समय उसके पिता अशोक राजे घर की छत पर मौजूद थे। जैसे ही मोनू नीचे पहुंचा, बदमाशों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी और फिर चाकू निकालकर उस पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। मोनू की चीख-पुकार सुनकर उसकी मां 45 वर्षीय सुनीता राजे नीचे पहुंचीं और बेटे को बचाने का प्रयास किया। आरोपियों ने उन पर भी चाकू से हमला कर दिया। हमले में सुनीता के पैर और पेट में गंभीर चोटें आईं, जबकि मोनू के पेट में चाकू लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। घायल सुनीता राजे को उनके पति अशोक राजे तत्काल मुरार अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें गंभीर हालत में हजार बिस्तर अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही भारी पुलिस बल घटनास्थल और अस्पताल पहुंचा। प्रारंभिक जांच में मुख्य आरोपी के रूप में गोलू कटारे का नाम सामने आया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

कारोबारी का शव गोदाम के ऑफिस में मिला-शहर के बहोड़ापुर थाना क्षेत्र स्थित ट्रांसपोर्ट नगर में बुधवार तड़के बैटरी कारोबारी का शव उनके किराए के गोदाम के ऑफिस में मिला। कारोबारी के सिर में गोली लगी थी और उसके पास 32 बोर की अवैध पिस्टल पड़ी हुई थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर आ गई और जांच शुरू कर दी है जानकारी के अनुसार शिवम गुप्ता (32) मंगलवार को रोज की तरह काम के लिए घर से निकले थे। देर रात तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उनके मोबाइल पर संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन फोन बंद मिला। इसके बाद परिजन उनकी तलाश में निकल पड़े। करीब 3 बजे परिजन बहोड़ापुर स्थित ट्रांसपोर्ट नगर की पार्किंग नंबर-6 में बने गोदाम पहुंचे। गोदाम के अंदर बने ऑफिस का दरवाजा खोलते ही शिवम खून से लथपथ हालत में पड़े मिले। उनके सिर में गोली लगी हुई थी।सूचना मिलते ही बहोड़ापुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस ने मौके से अवैध पिस्टल और मोबाइल बरामद कर मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

जिले में 15 अगस्त तक मत्स्याखेट पर प्रतिबंध मछलियों का प्रजनन काल होने से लगाया गया है यह प्रतिबंध

ग्वालियर 13 जून (निस) ग्वालियर जिले में 16 जून से 15 अगस्त तक मत्स्याखेट, मछली के परिवहन क्रय व विक्रय पर प्रतिबंध रहेगा। प्रभारी कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री कुमार सत्यम ने मध्य प्रदेश मत्स्योद्योग अधिनियम के प्रावधानों के तहत इस आशय का प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। ज्ञात हो मत्स्योद्योग अधिनियम व नियमों के प्रावधानों तहत संपूर्ण मध्यप्रदेश में हर साल 16 जून से 15 अगस्त तक बंद ऋतुकाल रहता है। इस अवधि में मछलियों द्वारा प्रजनन कर अपनी वंश वृद्धि की जाती है। इस अवधि में मत्स्याखेट, मछली के परिवहन क्रय व विक्रय करना संज्ञेय अपराध है।मत्स्योद्योग अधिनियम के प्रावधान के तहत बंद ऋतुकाल में मत्स्याखेट, मछली के परिवहन क्रय व विक्रय करने पर दण्डात्मक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिसके तहत एक वर्ष का कारावास व पाँच हजार रुपए का जुर्माना अथवा दोनों प्रकार दण्ड दिया जा सकता है। यह प्रतिबंधात्मक आदेश ऐसे छोटे तालाबों व अन्य जल स्त्रोतों पर लागू नहीं होगा जिनका कोई संबंध किसी नदी से नहीं है। इसके अलावा अन्य समस्त नदियों एवं जलाशयों में बंद ऋतुकाल के दौरान मत्स्याखेट, मछली के परिवहन क्रय व विक्रय पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। आदेश के जरिए पुलिस, राज्य परिवहन, नगर निगम, रेल विभाग इत्यादि से पिछले वर्षों की भाँति इस साल भी प्रभावी ढंग मत्स्य संरक्षण कार्य में सहयोग की अपेक्षा की गई है।

प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत मिशन से दिल्ली में आया बदलाव

नई दिल्ली 13 जून (निस) मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत का मिशन प्रत्येक राज्य और प्रत्येक नागरिक का मिशन बन गया है। प्रधानमंत्री ने विगत 12 वर्षों में शासन और सेवा की नई परिभाषा दी। पहले वैश्विक मंच पर सिर्फ अपनी उपस्थिति दर्ज कराता था। आज वैश्विक मामलों को प्रभावित करता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली को विकास से जोड़ा है। पूर्व की सरकारों ने दिल्ली की समस्याओं का समाधान नहीं किया। प्रधानमंत्री मोदी के सहयोग से समस्याओं का समाधान हो रहा है। दिल्ली का विकास हो रहा है। अमृत 2 योजना के अंतर्गत झुग्गी बस्तियों में सीवर सुविधा और एसटीपी के लिए तीन हजार करोड़ दिए हैं। स्वच्छ भारत मिशन के तहत कूड़े का निस्तारण के लिए 15 सौ करोड़ मिले हैं। इससे कूड़े के पहाड़ हटाए जा रहे हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 821 करोड़ का फंड पिछले वर्ष मिला है। इस वर्ष इसमें और वृद्धि होगी।

दिल्ली के डीबीजी रोड पर दो चचेरे भाइयों से लूटपाट की कोशिश

नई दिल्ली 13 जून (निस) मध्य दिल्ली के डीबीजी रोड इलाके में चार बदमाश दो चचेरे भाइयों से मारपीट कर लूटपाट की वारदात को अंजाम दे रहे थे। तभी गश्त पर निकले पुलिसकर्मियों ने दो आरोपितों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, उनके दो साथी मौके से फरार होने में सफल रहे। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान करोल बाग के दिनेश उर्फ बिल्ली और राज कुमार उर्फ बाबू लाल के रूप में हुई है। दोनों को गिरफ्तार कर एक दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया। फिलहाल उनके फरार दोनों साथियों का पता किया जा रहा है।

दिल्ली में पेटीएम अपडेट करने का झांसा देकर दुकानदार से ठगे 20 हजार रुपये

नई दिल्ली 13 जून (निस) न्यू अशोक नगर में पेटीएम अपडेट के नाम पर एक दुकानदार से ठगी का मामला सामने आया है। आरोप है एक अज्ञात व्यक्ति ने दुकान पर आकर दुकानदार से कहा कि वह पेटीएम का कर्मचारी है। दुकानदार को बातों में उलझाकर उसका मोबाइल लिया और उसमें से सिम निकालकर ले गए। मोबाइल नंबर पेटीएम से लिंक था। ग्राहकों ने जो आनलाइन पेमेंट की। करीब 20 हजार रुपये फोन नंबर की मदद से निकाल लिए। पीड़ित ऋषिपाल की शिकायत पर साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज किया है।

भीषण गर्मी के बीच दिल्ली के कई कूलिंग सेंटर बेहाल

नई दिल्ली 13 जून (निस) चांदनी चौक में लाल किला मेट्रो गेट के नजदीक एक छोटा कूलिंग सेंटर बना है, दोपहर में वहां पीने के पानी की व्यवस्था न होने के साथ ही गमछा व टोपी उपलब्ध नहीं है। लोग पानी के लिए पूछते हैं फिर निराश लौटते हैं। ओआरएस का पैकेट भी बैग में रखा है। मांगें जाने पर वालंटियर्स द्वारा दिया जा रहा है। पूछे जाने पर वहां बैठे वालंटियर्स बताते हैं कि पानी खत्म है। दिल्ली जल बोर्ड का टैंकर आ गया है, उससे पानी भरा जाएगा तब वह उपलब्ध हो सकेगा। वाटर कूलर मशीन नहीं है, जिससे पानी को ठंडा किया जा सके।

बंद फ्लैट से 42 साल के व्यक्ति की सड़ी-गली लाश मिलने से मचा हड़कंप

नई दिल्ली 13 जून (निस) कालकाजी थाना क्षेत्र स्थित एक बंद फ्लैट से बुधवार को व्यक्ति की सड़ी-गली लाश मिली है। सुबह दुर्गंध आने पर लोगों का इसका पता चला। मृतक की पहचान 42 वर्षीय लोन एडवाइजर सूरज कुमार के रूप में हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए एम्स भिजवा दिया। डीडीए फ्लैट्स कालकाजी स्थित मकान नंबर जे 1/283 बनवारी लाल का है। इनके फ्लैट में जे 4/131ए निवासी सूरज पत्नी साधना व नौ वर्षीय व छह वर्षीय दो बच्चों समेत 25 अगस्त 2025 से रह रहे थे। गर्मियों में स्कूल की छुट्टी होने पर बच्चे व पत्नी गांव गए हुए थे। फ्लैट कई दिनों से बंद चल रहा था। किसी ने ध्यान भी नहीं दिया।

मानसून से पहले अलर्ट मोड में देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट

नई दिल्ली 13 जून (निस) देश के सबसे बड़े और व्यस्ततम एयरपोर्ट आइजीआइ की संचालन एजेंसी डायल इस बार मानसून से जुड़ी तैयारियों में कोई किंतु-परंतु या ढिलाई की गुंजाइश नहीं छोड़ना चाहती। पिछले कुछ वर्षों में मानसून के दौरान टर्मिनल के भीतर पानी टपकने, रनवे पर जलभराव और टर्मिनल-1 के फोरकोर्ट पर हुए हादसों ने न केवल यात्रियों को परेशान किया था, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एयरपोर्ट की साख को भी बट्टा लगाया था। इन पुरानी फजीहतों से कड़ा सबक लेते हुए इस बार दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) ने एक एडवांस प्री-मानसून प्लान तैयार किया है। हालांकि, असली चुनौती इन दावों को जमीन पर उतारने की होगी। इस बार एयरपोर्ट प्रशासन की तैयारियों में जो सख्ती और जल्दबाजी दिख रही है, उसके पीछे बीते वर्षों का कड़वा अनुभव है। पूर्व में हुई कुछ गंभीर घटनाओं ने एयरपोर्ट के इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट पर बड़े सवालिया निशान खड़े कर दिए थे। दो वर्ष पूर्व मानसून की शुरुआत में टर्मिनल-1 पर हुआ हादसा सबसे ज्यादा संवेदनशील रहा, जिसने स्ट्रक्चरल मेंटेनेंस की कमियों को उजागर किया था।

दिल्ली में शादी के दो महीने बाद नवविवाहिता की संदिग्ध मौत

नई दिल्ली 13 जून (निस) गांधी नगर थानाक्षेत्र के अजीत नगर में एक 20 वर्षीय नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद मायके पक्ष ने दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए केस दर्ज करवाया है। वहीं, ससुराल पक्ष इसे आत्महत्या बता रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार रोजी खातून मूल रूप से बिहार के कटिहार की रहने वाली थीं और उनका निकाह इसी वर्ष 30 मार्च को अजीत नगर निवासी अंसार अली से हुआ था। शादी के कुछ समय बाद ही वह अपने पति के साथ दिल्ली आकर रहने लगी थीं। चार जून की शाम को उन्हें अचेत अवस्था में जग प्रवेश चंद्र अस्पताल लाया गया, जहां डाक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पति का कहना है कि रोजी ने फंदा लगाकर आत्महत्या की। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जीटीबी अस्पताल भेज दिया। फोरेंसिक और क्राइम टीम ने भी मौके का निरीक्षण किया, लेकिन वहां से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला।

बाबा साहेब के सम्मान पर आंच और जनता की आवाज पर पहरा, किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं : राव नरेंद्र सिंह

बैठक में दी गई सूरज हेगड़े को श्रद्धांजलि, संविधान, लोकतंत्र और जनहित के मुद्दों पर कांग्रेस का स्पष्ट संदेश

करनाल, 13 जून (संदीप रोहिला) : हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी की बैठक आज करनाल स्थित जाट धर्मशाला में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक की शुरुआत अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव सूरज हेगड़े के आकस्मिक निधन पर शोक प्रस्ताव के साथ हुई। प्रदेशभर से आए जिला अध्यक्षों एवं वरिष्ठ नेताओं ने दो मिनट का मौन रखकर सूरज हेगड़े जी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। शोक प्रस्ताव में कहा गया कि उनका असामयिक निधन कांग्रेस परिवार के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उनका संघर्ष, समर्पण और संगठन के प्रति निष्ठा सदैव कार्यकर्ताओं को प्रेरित करती रहेगी। श्रद्धांजलि के उपरांत बैठक की कार्यवाही प्रारंभ हुई। बैठक के दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने सभी जिला अध्यक्षों से उनके जिलों में पिछले एक माह के दौरान किए गए संगठनात्मक, राजनीतिक एवं जनसंपर्क कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की। जिला अध्यक्षों ने अपने-अपने क्षेत्रों में आयोजित बैठकों, जनसंपर्क अभियानों, संगठन विस्तार गतिविधियों, जनहित के मुद्दों पर किए गए आंदोलनों तथा कार्यकर्ताओं के साथ किए गए संवाद की रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रदेश अध्यक्ष ने सभी जिलाध्यक्षों को संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत करने, जनता के बीच लगातार सक्रिय रहने तथा कांग्रेस की नीतियों और जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने के निर्देश दिए। बैठक में आगामी महीनों की रणनीति पर भी व्यापक मंथन किया गया। संगठन विस्तार, बूथ प्रबंधन, जनसंपर्क अभियान, जनसमस्याओं को लेकर संघर्ष कार्यक्रमों तथा पार्टी द्वारा तय किए जाने वाले आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए विस्तृत कार्य

योजना तैयार की गई। प्रदेश नेतृत्व ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर उनकी आवाज को मजबूती से उठाएगा और संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाया जाएगा। बैठक को संबोधित करते हुए राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर देश के संविधान, सामाजिक न्याय और समानता के सबसे बड़े प्रतीक हैं। उनके नाम पर स्थापित लाइब्रेरी का नाम बदलना करोड़ों लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला निर्णय है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी बाबा साहेब के सम्मान और उनकी विरासत के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं करेगी तथा सरकार को यह निर्णय तत्काल वापस लेना चाहिए।

राव नरेंद्र सिंह ने हरियाणा सरकार द्वारा 30 सितंबर तक धरना-प्रदर्शन, रैली और जनआंदोलनों पर लगाए गए प्रतिबंध को लोकतांत्रिक अधिकारों पर सीधा प्रहार बताया। उन्होंने कहा कि जनता को अपनी पीड़ा, समस्याएं और मांगें रखने का संवैधानिक अधिकार है, लेकिन सरकार प्रतिबंधों के माध्यम से जनता की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है। लोकतंत्र में जनता की आवाज को सुनना सरकार की जिम्मेदारी होती है, उसे दबाना नहीं। कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर किसी भी प्रकार के हमले का पुरजोर विरोध करती रहेगी। बैठक में रोहतक की दर्दनाक आगजनी की घटना पर भी गहरा दुःख व्यक्त किया गया।

इस हादसे में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए राज्य सरकार से मृतकों के परिजनों को उचित मुआवजा, घायलों के समुचित उपचार तथा प्रभावित परिवारों को हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई के लिए विशेष राहत पैकेज देने की मांग की गई।

संगठनात्मक विषयों पर चर्चा करते हुए राव नरेंद्र सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिले में कांग्रेस संगठन के नाम पर आयोजित होने वाला कोई भी कार्यक्रम, बैठक, धरना, प्रदर्शन अथवा अन्य गतिविधि संबंधित जिला अध्यक्ष की पूर्व अनुमति और जानकारी के बिना आयोजित नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिला अध्यक्ष संगठन का अधिकृत नेतृत्व होता है और संगठनात्मक अनुशासन कांग्रेस की सबसे बड़ी ताकत है। बिना अनुमति आयोजित किसी भी कार्यक्रम को अनुशासनहीनता माना जाएगा तथा पार्टी की निर्धारित व्यवस्था का पालन सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के लिए अनिवार्य होगा। बैठक में सभी नेताओं ने संविधान, लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष को और अधिक मजबूती से आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। साथ ही संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत कर कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया गया।

बरवाला विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचन पंजीयन अधिकारी एवं एसडीएम अश्वीर नैन ने विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक ली

हिसार, 13 जून (ब्यूरो) : हरियाणा में विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ढ्क्र)-2026 कार्यक्रम के तहत 51-बरवाला विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचन पंजीयन अधिकारी एवं एसडीएम अश्वीर नैन की अध्यक्षता में शनिवार को सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के सफल एवं पारदर्शी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना था। बैठक में डीआरओ श्याम लाल, निर्वाचन पंजीयन कार्यालय से ऊषा, भूपेंद्र, रोहताश, सोहन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। एसडीएम अश्वीर नैन ने बैठक के दौरान भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिन मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की संख्या 1200 से अधिक है, वहां मतदाताओं की सुविधा के लिए नए मतदान केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इसके तहत बरवाला विधानसभा क्षेत्र में 25 तथा उकलाना विधानसभा क्षेत्र में 27 नए मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत 1 जुलाई 2026 को अर्हता तिथि निर्धारित की गई है। कार्यक्रम के अनुसार 5 जून से 14 जून तक तैयारी, प्रशिक्षण एवं मुद्रण कार्य किया जाएगा, जबकि 15 जून से 14 जुलाई तक बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन किया जाएगा। मतदान केंद्रों के युक्तिकरण का कार्य 14 जुलाई तक पूरा किया जाएगा। प्रारूप मतदाता

सूची का प्रकाशन 21 जुलाई 2026 को किया जाएगा। इसके बाद 21 जुलाई से 20 अगस्त तक दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी तथा 18 सितंबर 2026 तक उनका निपटारा किया जाएगा। एसडीएम अश्वीर नैन ने कहा कि निष्पक्ष, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करने के लिए सभी राजनीतिक दलों का सहयोग आवश्यक है। उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपील की कि वे इस अभियान में सक्रिय सहयोग करें तथा मतदाताओं को भी जागरूक करें। उन्होंने बताया कि बीएलओ घर-घर जाकर मतदाता सूची का सत्यापन करेंगे ताकि पात्र मतदाताओं के नाम सूची में शामिल हों और अपात्र प्रविष्टियों को हटाया जा सके।

बैठक में उपस्थित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भी अभियान के सफल संचालन में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

संयुक्त निदेशक हरप्रीत कौर ने बारना स्थित सुपर 100 सेंटर का किया दौरा

कुरुक्षेत्र, 13 जून (सुदेश कुमार) : माध्यमिक शिक्षा विभाग की संयुक्त निदेशक हरप्रीत कौर ने गत दिवस बारना स्थित सुपर 100 सेंटर का दौरा कर केंद्र की कार्यप्रणाली एवं विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। उल्लेखनीय है कि हरियाणा सरकार का सुपर 100 कार्यक्रम आर्थिक रूप से कमजोर एवं मेधावी विद्यार्थियों को आईआईटी, जेईई, नीट तथा अन्य प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण कोचिंग, आवास, भोजन एवं शैक्षणिक सहायता प्रदान करता है। इस निरीक्षण के दौरान संयुक्त निदेशक हरप्रीत कौर ने विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी शैक्षणिक प्रगति, कक्षा शिक्षण, अध्ययन वातावरण, आवासीय सुविधाओं तथा भोजन व्यवस्था के

बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहकर मेहनत करने तथा सुपर 100 कार्यक्रम द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे अवसरों का भरपूर लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों से केंद्र के संचालन संबंधी फीडबैक भी प्राप्त किया तथा कार्यक्रम को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु सुझाव आमंत्रित किए। विद्यार्थियों ने कार्यक्रम के अंतर्गत उपलब्ध कराई जा रही शैक्षणिक एवं आवासीय सुविधाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए बताया कि सुपर 100 ने उनकी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को नई दिशा दी है तथा उनका आत्मविश्वास बढ़ाया है। हरप्रीत कौर ने कार्यक्रम के सफल संचालन में योगदान दे रहे सभी अधिकारियों, शिक्षकों एवं सहयोगी संस्थाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सुपर 100 कार्यक्रम राज्य के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के सपनों को साकार करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन चुका है। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी इंदु कौशिक, प्रोग्राम ऑफिसर अमनप्रीत कौर, विकल्प के संस्थापक अध्यक्ष नवीन मिश्रा, जिला विज्ञान विशेषज्ञ डॉ. तरसेम कौशिक, प्रदीप सन्सानवाल, राजन गुडल सहित विकल्प की टीम एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। विद्यार्थियों ने भी सुपर 100 कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदान की जा रही सुविधाओं एवं अवसरों के लिए शिक्षा विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया। निरीक्षण के दौरान संयुक्त निदेशक हरप्रीत कौर ने किचन एवं डाइनिंग एरिया का भी निरीक्षण किया तथा स्वच्छता (हाइजीन) के उच्च मानकों को बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यार्थियों को परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने, प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड) की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने, मेडिकल आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने हेतु आवश्यक प्रबंध रखने तथा फायर सेफ्टी मानकों का पूर्णतः पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने केंद्र परिसर की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए विद्यार्थियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर बल दिया। साथ ही विद्यार्थियों की शिकायतों एवं सुझावों के त्वरित निस्तारण के लिए स्टूडेंट ग्रीवांस रजिस्टर नियमित रूप से संधारित करने तथा प्राप्त शिकायतों पर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। संयुक्त निदेशक हरप्रीत कौर ने हरियाणा सुपर 100 के उद्देश्यों को रेखांकित करते हुए कहा कि सुपर 100 कार्यक्रम हरियाणा सरकार की एक महत्वाकांक्षी एवं अभिनव पहल है, जिसका उद्देश्य सरकारी विद्यालयों के मेधावी एवं आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को आईआईटी, नीट तथा अन्य राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उच्च गुणवत्ता की निःशुल्क कोचिंग, आवास एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना है। यह कार्यक्रम राज्य के हजारों विद्यार्थियों के सपनों को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। पिछले वर्षों में सुपर 100 के विद्यार्थियों ने आईआईटी, एनआईटी, सरकारी मेडिकल कॉलेजों एवं देश के अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश प्राप्त कर हरियाणा का नाम गौरवान्वित किया है। यह कार्यक्रम शिक्षा के क्षेत्र में हरियाणा सरकार की एक उल्लेखनीय उपलब्धि के रूप में स्थापित हुआ है।

प्राकृतिक खेती को दें किसान बढ़ावा

कलायत, 13 जून (सूबे सिंह मोर) : आज कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा सरकार के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चलाई जा रही विकास योजनाओं एवं उपलब्धियों के अंतर्गत कलायत खंड के गांव कमालपुर, ढूंढवा, कोलेखा एवं भालंग में एक दिवसीय प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस विशेष शिविर का आयोजन उपनिदेशक कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, कैथल डॉ. रविंद्र हुड्डा के कुशल मार्गदर्शन में तथा उपमंडल कृषि अधिकारी डॉ सतीश नारा व खंड कृषि अधिकारी, कलायत डॉ. विजय मान के सफल नेतृत्व में किया गया। शिविर में भारी संख्या में स्थानीय किसानों ने भाग लिया और प्राकृतिक खेती की बारीकियों को सीखा।

सरकार की 12 साल की नीतियों और उपलब्धियों पर चर्चा

शिविर की अध्यक्षता करते हुए खंड कृषि अधिकारी डॉ. विजय मान (कलायत) ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 12 वर्षों में सरकार ने किसानों के कल्याण के लिए अनेक क्रांतिकारी कदम उठाए हैं। मृदा स्वास्थ्य कार्ड से लेकर प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा विभिन्न प्रकार के अनुदान एवं प्रोत्साहन दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य किसानों की लागत को कम करना तथा उनकी आय में वृद्धि करना है।

कृषि विकास अधिकारी डॉ. नरेश नैन ने किसानों को रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि अंधाधुंध रसायनों के प्रयोग से हमारी धरती माता की उर्वरता शक्ति क्षीण हो रही है तथा पर्यावरण एवं मानव स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इसका प्रभावी एवं स्थायी समाधान प्राकृतिक खेती है।

शिविर के दौरान सहायक प्रौद्योगिकी प्रबंधक डॉ. राजेश मोर, डॉ. रमेश सामध्यान एवं सूर्यकांत द्वारा किसानों को प्राकृतिक खेती के मुख्य स्तंभ जीवामृत, बीजामृत, घनजीवामृत, आच्छादन (मल्चिंग) एवं प्राकृतिक कीट प्रबंधन के बारे में विस्तार से व्यावहारिक जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि जीवामृत तैयार करने के लिए 200 लीटर क्षमता के प्लास्टिक ड्रम में 180 लीटर पानी, 10 लीटर देसी गाय का गौमूत्र, 10 किलोग्राम देसी गाय का गोबर, 2 किलोग्राम गुड़, 2 किलोग्राम बेसन तथा किसी बड़े पेड़ के नीचे की 1 किलोग्राम जीवांशयुक्त मिट्टी मिलाई जाती है। इस मिश्रण को प्रतिदिन सुबह एवं शाम 5-5 मिनट तक लकड़ी के डंडे से घड़ी की दिशा में अच्छी तरह घुमाया जाता है। लगभग चार दिन बाद तैयार जीवामृत को सिंचाई के पानी के साथ खेत में प्रयोग किया जा सकता है। इससे मिट्टी में लाभकारी सूक्ष्मजीवों की संख्या बढ़ती है, भूमि की उर्वरता में सुधार होता है तथा फसल की वृद्धि एवं उत्पादन क्षमता में सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

डॉ. रविंद्र हुड्डा ने अपने संदेश में कहा कि कैथल जिला प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। सरकार की योजनाओं का लाभ उठाकर किसान न केवल अपनी लागत बचा सकते हैं, बल्कि शुद्ध एवं गुणवत्तायुक्त खाद्यान्न उत्पादन कर समाज को भी स्वस्थ रखने में योगदान दे सकते हैं। विभाग का लक्ष्य प्रत्येक गांव के किसानों को इस अभियान से जोड़ना है। शिविर के अंत में कृषि अधिकारियों द्वारा किसानों की शंकाओं का समाधान किया गया तथा उपस्थित किसानों ने संकल्प लिया कि वे अपनी भूमि के एक हिस्से पर प्राकृतिक खेती की शुरुआत अवश्य करेंगे। इस अवसर पर विभाग के अन्य तकनीकी अधिकारी, स्थानीय सरपंच, प्रगतिशील किसान तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

रतिया के मुख्य पीरखाना में 18 जून को लगेगा वार्षिक मेला, दिन-रात चलेगा अखंड भंडारा

रतिया, 13 जून (अमन सेठी) : श्री शिव मंदिर एवं पीरखाना सेवा ट्रस्ट की एक विशेष बैठक आज मुख्य पीरखाना, टोहाना रोड, रतिया में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता ट्रस्ट के संरक्षक राज कुमार मित्तल ने की। बैठक में आगामी बुधवार, 18 जून 2026 को आयोजित होने वाले वार्षिक मेले, दिन-रात के अखंड भंडारे एवं दीवान की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। मेले के सफल आयोजन हेतु सभी सदस्यों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गईं।

दरगाह के मुख्य सेवादार बाबा जीवन खान ने जानकारी देते हुए बताया कि इस पवित्र स्थल पर पिछले लगभग 35 से 40 वर्षों से लगातार पीर जी का दिन-रात का भंडारा, दीवान व वार्षिक मेला आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मेले में पंजाब, दिल्ली, राजस्थान समेत कई प्रांतों से श्रद्धालु अपनी मन्नत व मनोकामना लेकर पहुंचते हैं। ट्रस्ट के वरिष्ठ सदस्य जनक राज गोयल ने रतिया क्षेत्र के सभी निवासियों एवं पीर भक्तों से अपील की है कि 18 जून 2026 दिन वीरवार को आयोजित होने वाले इस वार्षिक मेले में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर दिन-रात के लंगर का प्रसाद ग्रहण करें और बाबा जी का आशीर्वाद प्राप्त करें। इस

बैठक में संरक्षक राज कुमार मित्तल, प्रधान सुशील गर्ग, कोषाध्यक्ष अजय गोयल, जनक राज गोयल, सुभाष चंद सिंगला, धर्मपाल गोयल, लक्ष्मण जिंदल, सोम चंद सिंगला, दीक्षित सिंगला, सचिव एवं मुख्य सेवादार जीवन खान सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

शाहाबाद के पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में 16 से 18 जून तक लगेगा जन कल्याण शिविर : शंभू राठी

शाहाबाद मारकंडा, 13 जून (रूबी) : एसडीएम शंभू राठी ने कहा कि शाहाबाद के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में 16 जून से 18 जून तक जन कल्याण शिविर का आयोजन किया जाएगा। केंद्र सरकार के 12 साल की उपलब्धि पर आधारित प्रदेशभर में योजनाओं के व्यापक प्रचार के लिए अभियान चलाया हुआ है। इसके अंतर्गत सभी विभागों की गतिविधियों व कार्यक्रमों को आयोजित किए जाने हैं। उन्होंने कहा कि 16 जून से शाहाबाद के रेस्ट हाउस में सुबह 9 बजे से प्रदर्शनी व सुविधा केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इनमें नागरिकों को आयुष्मान वय वंदना, प्रधानमंत्री सूर्य घर, प्रधानमंत्री स्वनिधि, लखपति दीदी, विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन, आजीविका मिशन ग्रामीण एवं शहरी, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एवं शहरी, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण एवं शहरी, अमृत योजना, हरियाणा अंत्योदय परिवार परिवहन योजना को शामिल किया जाएगा। नागरिक इन योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी हासिल कर सकते हैं। इसके अलावा मौके पर ही पात्र नागरिकों के आवेदन भी करवाएं जाएंगे।

शिवलिंग के आगे बंदर ने टेका सिर, बेलपत्र के नीचे दिखा आस्था का अद्भुत नजारा

काफी देर तक शांत बैठा रहा बंदर, श्रद्धालुओं ने कहा— यह दृश्य जीवनभर नहीं भूलेंगे

निसिंग, 13 जून (जोगिंद्र सिंह) : क्षेत्र के गांव बसतली में उस समय एक अद्भुत और भावुक दृश्य देखने को मिला जब एक बंदर बेलपत्र के पेड़ के नीचे स्थापित शिवलिंग के पास पहुंचा और कुछ ऐसा किया जिसने वहां मौजूद लोगों को आश्चर्यचकित कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बंदर शिवलिंग के समीप आया, सिर झुकाकर प्रणाम किया और फिर काफी देर तक वहीं शांत मुद्रा में बैठा रहा। बताया गया है कि घर के आंगन में बेलपत्र के पेड़ के नीचे स्थापित शिवलिंग पर नियमित रूप से पूजा-अर्चना की जाती है। इसी स्थान पर अचानक पहुंचे बंदर ने किसी प्रकार की उछलकूद या शरारत नहीं की, बल्कि अत्यंत शांत भाव से शिवलिंग के सामने बैठ गया। कुछ समय तक उसने अपना सिर झुकाए रखा, मानो भगवान शिव के प्रति श्रद्धा व्यक्त कर रहा हो। इस दौरान मौजूद लोगों ने इस अनोखे दृश्य को अपने मोबाइल कैमरों में कैद कर लिया। देखते ही देखते यह घटना आसपास के क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गई। कई लोगों ने इसे भगवान शिव के प्रति प्रकृति और जीव-जंतुओं की आस्था का प्रतीक बताया, जबकि कुछ ने इसे एक दुर्लभ संयोग माना। स्थानीय श्रद्धालुओं का कहना है कि हिंदू धर्म में बंदर को भगवान हनुमान का स्वरूप माना जाता है। ऐसे में शिवलिंग के सामने बंदर का शांत भाव से बैठना लोगों के लिए विशेष आकर्षण और श्रद्धा का विषय बन गया।

मलेरिया माह अभियान के तहत लोगों को किया जा रहा है जागरूक : स्वास्थ्य निरीक्षक

कलायत, 13 जून (सूबे सिंह मोर) : मलेरिया मादा एनाफ्लिज

नामक मच्छर के काटने से होता है। यह मच्छर आमतौर पर रात्रि के समय काटता है।यह मादा मच्छर एक मलेरिया से ग्रस्त व्यक्ति को काटने के उपरांत जब किसी स्वस्थ व्यक्ति को काटता है तो उस व्यक्ति को भी मलेरिया हो सकता है। मलेरिया बुखार के लक्षणों में सर्दी के साथ बहुत तेज बुखार होना, सिर व शरीर में बहुत ज्यादा दर्द होना, जी मितलाना अर्थात उल्टी आना, बहुत अधिक गर्मी लगना और दस्त लगना आदि प्रमुख हैं। ये बातें स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाए जा रहे मलेरिया माह चलाए जा रहे जागरूकता अभियान अभियान के दौरान सभी बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारियों द्वारा घर-घर जाकर लोगों को मलेरिया से बचाव के लिए बताई जा रही है। यह सब जानकारी देते हुए स्वास्थ्य निरीक्षक सुरेश कुमार ने बताया कि स्वास्थ्य कर्मचारियों द्वारा मलेरिया से बचाव के लिए तथा मच्छरों की पैदावार रोकने के लिए अनेक सरल तरीके बताए जा रहे हैं। जिनमें अपने घर के आसपास पानी जमा न होने देने, पानी से भरे गढ़ों में मिट्टी भरने, घर में रखी हुई छत पर टंकी को ढककर रखने, खड़े पानी में मच्छर पैदा होने से रोकने के लिए तेल आदि डालने, कूलर को सप्ताह में एक बार खाली करके सुखाकर ही पुनः प्रयोग करने आदि शामिल हैं।

उनके द्वारा लोगों से अपील की जा रही है कि मलेरिया व मच्छर जनित बीमारियों से बचने के लिए सभी को खासकर गर्भवती महिला और बच्चों को कीटनाशक से उपचारित मच्छरदानी का प्रयोग करना चाहिए। कीटनाशक से उपचारित मच्छरदानी या मच्छर नाशक क्रीम के इस्तेमाल के बिना घर से बाहर न जाए। घर के दरवाजे व खिड़कियों पर उपयुक्त जाली का इस्तेमाल करें। निश्चित करें कि छिड़काव के समय घर के सभी कमरों में छिड़काव हो और कम से कम 3 महीनों तक लिपाई, सफेदी एवं रंग-रोगन न करें। बुखार होने पर तुरंत अपने नजदीक की उपचार केंद्र या स्वास्थ्य केंद्र में जाकर खून की जांच कराएं, और मलेरिया पाए जाने पर पूर्ण उपचार कराएं।

पार्कों में लाखों रुपए खर्च करके बनाए गए रेन वॉटर रिचार्जिंग प्लांट बने सफेद हाथी : एस.डी. अरोड़ा

बोले : लेवल ठीक न होने के कारण आ रही है बड़ी समस्या, ग्राउंड लेवल के अनुसार बनाए जाएं रेन वाटर रिचार्ज

करनाल, 13 जून (रविन्द्र मलिक) : पर्यावरण संरक्षण समिति करनाल की बैठक आर्य समाज मंदिर सैक्टर-13 में सम्पन्न हुई। समिति चेयरमैन एस.डी. अरोड़ा ने बताया कि अब बरसात का मौसम आ गया है। उन्होंने पानी को सेव करने का मुद्दा सभा में रखा। समिति सदस्यों ने बताया कि पिछले वर्षों में हुडा विभाग द्वारा बरसाती पानी को भूमिगत रिचार्ज करने के लिए पार्कों में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग प्लॉट निर्माण करवाए गए थे। सदस्यों ने बताया है कि सेक्टर-13 के पार्क नं. 4, 5, 6, 9, 10 एवं 11 में जो सीमेंट कंक्रीट से रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्लांट बनवाए गए थे। वह पार्क के ग्राउंड लेवल से ऊंचे बने हुए है और वर्षा का पानी उनमें जा नहीं सकता। बरसात का पानी पार्कों में ईधर ऊधर खड़ा रहता है, इस तरह से गलत ढंग से रेन वॉटर हार्वेस्टिंग प्लांट बनाने का कोई लाभ नहीं हुआ। इससे बरसात का पानी तो रिचार्ज हुआ नहीं बल्कि जनता के लाखों रुपयों की बर्बादी हुई है। चेयरमैन एस.डी. अरोड़ा ने बताया कि यह तो कुछ पार्कों का ब्यौरा है यदि सही मायनों में सेक्टर 13, सेक्टर 4, सेक्टर 5, सेक्टर 6, सेक्टर

7, सेक्टर 8, सेक्टर 13 एक्सटेंशन एवं सेक्टर-14 के सभी पार्कों की जांच की जाए तो और कितने ऐसे रेन वॉटर हार्वेस्टिंग प्लांट पाए जाएंगे। जिनका लेवल ठीक न होने के कारण बेकार पड़े हैं और सफेद हाथी साबित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि यह रेन वॉटर रिर्चाजिंग प्लांट किसी सक्षम इंजीनियर से डिजाइन करवाकर और पार्कों के ग्राउंड लेवल के अनुसार बनाए जाते तो रेन वॉटर भी रिचार्ज होता और जनता का इतना पैसा भी बर्बाद न होता।

समिति चेयरमैन ने सुझाव दिया है कि यदि बरसातों के पहले इन रेन वॉटर हार्वेस्टिंग प्लांट के साथ ग्राउंड लेवल की खुदाई करवाकर इनका लेवल ठीक करवा दिया जाए तो इनमें रेन वॉटर रिचार्जिंग शुरु हो जाएगा तथा पार्कों में इधर-उधर इकट्ठा होने वाला पानी भी नहीं खड़ा होगा। पर्यावरण संरक्षण समिति प्रशासन से अनुरोध करते हुए कहा कि इन रेन वॉटर हार्वेस्टिंग प्लांट का ग्राउंड लेवल शीघ्र ठीक करवाया जाए ताकि पार्कों में बरसाती पानी वेस्ट न हो।

इस अवसर पर वाइस चेयरमैन राम रतन अत्री, चीफ पैट्रन कंवल भसीन, एस.के. चावला, एस.डी. अरोड़ा, बाबू राम शर्मा, सुरेश खन्ना, हरदयाल कथूरिया, पुष्पा सिन्हा, अनिल अरोड़ा, एच.आर. मित्तल, के.एल. नारंग, अर्जुन देव वर्मा, देवेन्द्र मोहन सिंह, डॉ. वी.के. शर्मा, हरिताभ भारती आदि सदस्य उपस्थित रहे।

बीएलओ का प्रशिक्षण पूरा, अब 14 जुलाई तक घर-घर जाकर मतदाताओं को बांटेंगे प्रपत्र : विश्राम कुमार मीणा

कुरुक्षेत्र, 13 जून (करणदीप सिंह) : उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को विशेष गहन पुनरीक्षण का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। अब 15 जून से 14 जुलाई तक बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं को प्रपत्र देंगे, जिन्हें मतदाता द्वारा भरा जाएगा। सभी मतदाता अपने दो पासपोर्ट साइज फोटो जरूर साथ रखें। उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत तैयार प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन 21 जुलाई 2026 को किया जाएगा। इसके बाद 21 जुलाई से 20 अगस्त तक दावे और आपत्तियां प्राप्त की जाएगी, ताकि किसी भी पात्र मतदाता का नाम छूटने या अन्य त्रुटियों को समय रहते दूर किया जा सके। नए लघु सचिवालय के सभागार में विशेष

गहन पुनरीक्षण अभियान के लिए बीएलओ के प्रशिक्षण आयोजित किए जा रहे हैं। इस कार्यशाला में एडीशन एईआरओ, सुपरवाइजर, बीएलओ को विशेष गहन प्रशिक्षण कार्य को विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। प्रश्नोत्तरी सेशन में सभी प्रश्नों का जवाब भी दिया गया। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि सभी बीएलओ अपने कार्य को ईमानदारी और लगन के साथ पूरा करेंगे। एसआईआर के लिए बीएलओ का प्रशिक्षण लगातार चलेगा। बीएलओ अपनी संशय को क्लीयर करें। फील्ड में कोई दिक्कत आए तो अपने उच्च अधिकारी की सलाह लें। किसी भी बीएलओ की लापरवाही को सहन नहीं किया जाएगा। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि विशेष गहन प्रशिक्षण में मतदाता स्वयं भी ऑनलाइन प्रक्रिया में हिस्सा लेकर एन्यूमरेशन फार्म भर सकता है। इसके लिए ईसीआई की वेबसाइट पर विस्तृत जानकारी भी उपलब्ध है। विशेष गहन प्रशिक्षण अभियान के तहत मतदाता सूची का व्यापक सत्यापन किया जाएगा। इस दौरान मृत मतदाताओं के नाम हटाने, दोहरी प्रविष्टियों को समाप्त करने, स्थानांतरित मतदाताओं के रिकॉर्ड को अपडेट करने तथा नए पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में शामिल करने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में सक्रिय सहयोग करें। किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर 1950 पर संपर्क करें। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि हमारे जिला से बहुत से वोटर विदेशों में गए है, दूसरे स्थानों पर नौकरी या व्यापार कर रहे हैं। ऐसे मतदाता अपने पते पर नहीं रहता, उसकी जानकारी उसके परिवार का व्यस्क सदस्य एनूमरेशन फार्म भरकर बीएलओ को दे सकता है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की स्थिति में मतदाता या उसके परिवार का कोई ऑब्जेक्शन है उसको दूर करने या आपत्ति दर्ज करवाने की पूर्ण जानकारी बताएं, ताकि उसका हल हो सके और वो अपनी संतुष्टि जाहिर करे। विवाहित महिला के आवेदन में पति की बजाए परिजनों के 2002 की सूची के रिकॉर्ड से लिया जाए डाटा। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि एन्यूमरेशन फार्म को 6 प्रकार से भरा जाना है। जिन मतदाताओं का नाम 2002 की मतदाता सूची हैं, उनका स्वयं की डिटेल व 2002 का रिकॉर्ड भरा जाएगा। जिन मतदाताओं का 2002 की मतदाता सूची में नहीं है उनके परिजनों (माता-पिता) की 2002 सूची का रिकॉर्ड फार्म में भरा जाएगी। जिन मतदाताओं व उनके परिजनों (माता-पिता) का 2002 की मतदाता सूची में नाम नहीं है, उनके दादा-दारी के मतदाता सूची रिकॉर्ड को फार्म में भरा जाएगा। उन्होंने कहा कि दूसरे राज्यों से स्थानांतरण होकर आने वाले मतदाताओं को एसआईआर में शामिल कर सकते हैं। इस स्थिति में मतदाता को अपने एन्यूमरेशन फार्म में पहले राज्य की एसआईआर की डिटेल भरनी होगी। विवाहित महिला के आवेदन में उसके पति की बजाए उसके परिजनों (माता-पिता) के 2002 की सूची के रिकॉर्ड से डाटा लिया जाएगा। विवाहित महिला के आवेदन में यदि 2002 की सूची में केवल माता का रिकॉर्ड है तो माता की रिकॉर्ड की ही डिटेल शामिल की जाएगी।

पेड़-पौधे हमारे जीवन का है आधार-पर्यावरण को संरक्षित करना सबकी जिम्मेदारी : विधायक

पूंडरी, 13 जून (जगदीश चन्द्र) : विधायक सतपाल जांबा ने कहा कि पेड़ हमारे जीवन का आधार है, वे हमें सांस लेने के लिए शुद्ध ऑक्सीजन, फल-फूल और छाया प्रदान करते हैं। आज के समय में प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याएं विकराल रूप ले रही है, इसमें वृक्षारोपण केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि हमारी सबसे बड़ी आवश्यकता और जिम्मेदारी बन गई है। गांव जांबा ने स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण में अपनी अलग पहचान बनाई है, जिसकी तर्ज पर हम गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक भी कर रहे हैं। विधायक सतपाल जांबा शनिवार को गांव जांबा में केंद्र सरकार के गौरवशाली 12 वर्ष पूरे होने पर वन विभाग द्वारा आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। विधायक ने कहा कि यह अभियान केवल पौधे लगाने का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, स्वस्थ और हरित पर्यावरण सुनिश्चित करने का एक संकल्प है। प्रकृति के साथ हमने खिलवाड़ नहीं करना है। हम सभी ने कोविड महामारी के दौरान ऑक्सीजन के महत्व को बहुत करीब से महसूस किया था। इसलिए हमें ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने चाहिए, ताकि हमारा पर्यावरण शुद्ध रहे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2024 में एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरूआत की थी। इस अभियान का उद्देश्य केवल पर्यावरण संरक्षण ही नहीं, बल्कि मां के प्रति सम्मान और कृतज्ञता प्रकट करना भी है। मां हमें जीवन देती है और धरती मां हमारा पालन-पोषण करती है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेशभर में इस अभियान को व्यापक रूप से आगे बढ़ाया जा रहा है। हरियाणा सरकार द्वारा 100 साल से ज्यादा आयु वाले पेड़ मालिक को पेंशन प्रदान कर रही है। इसकी जानकारी विभाग में जरूर दें और योजना का लाभ उठाएं। विधायक ने कहा कि हमें पौधा रोपण के तहत फोटो खिंचवाने तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि दिल से पौधे लगाकर उसका संरक्षण करना चाहिए। गांव जांबा की सुंदरता को बढ़ाते हुए गांव में पार्क बनाया गया, अधिक से अधिक पौधे लगाए गए, साफ-सफाई सुनिश्चित की और जिला में ही नहीं, पूरे प्रदेश में एक रोल मॉडल

तैयार किया है। विकसित राष्ट्र बनाने के लिए हर व्यक्ति का सहयोग जरूरी है। गांव जांबा में ग्रामीणों का पूरा सहयोग रहा। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण भी हमें करना है। यदि हम इसी तरह से पानी का दोहन करते रहेंगे तो भविष्य में पीने के लिए पानी नहीं मिलेगा और देश में एक जल संकट खड़ा हो जाएगा। हमें जल संरक्षण को लेकर कार्य करना होगा।

प्राकृतिक खेती की ओर कदम बढ़ाए किसान

विधायक सतपाल जांबा ने कहा कि आजकल जिस तरह से अंधाधुंध कीटनाशक दवाईयों, यूरिया व डीएपी का उपयोग किसानों द्वारा किया जा रहा है। इससे आने वाले समय में हमारे जीवन पर काफी प्रभाव पड़ेगा। जिस तरह से कैंसर जैसी भंयकर बीमारियां अब घर-घर होने लगी है, इसका कारण हमारा खानपान है। यदि हमें अपने बच्चों को बचाना है और भविष्य को सुरक्षित करना है तो हमें प्राकृतिक खेती की ओर अपने कदम बढ़ाने होंगे। एक देसी गाय पालकर हम 15 एकड़ खेतों में फसल अच्छे से कर सकते हैं। लेकिन इसकी गुणवत्ता काफी अच्छी रहेगी और इसके दाम भी अच्छे मिलेंगे।

पर्यावरण संरक्षण में अच्छा कार्य करने पर विधायक ने समाजसेवी राजपाल को किया कार्यक्रम में सम्मानित

पर्यावरण संरक्षण में अच्छा कार्य करने वाले समाज सेवी राजपाल की प्रशंसा करते हुए विधायक सतपाल जांबा ने कहा कि बुजुर्ग होने के बावजूद भी इनमें पौधे लगाने का जज्बा कम नहीं हुआ है। समाज में नेक कार्य कर रहे हैं। इनको आज निजी कोष से 21 हजार रुपये देने की घोषणा करता हूं, ताकि यह समाज के काम आए। उन्होंने कहा कि हमें ऐसे कार्य के लिए बढ़चढ़ कर दान करना चाहिए।

पौधा रोपण अभियान में हो आमजन की सहभागिता : चेयरमैन कर्मबीर कौल

जिला परिषद के चेयरमैन कर्मबीर कौल ने कहा कि आज यह पौधा रोपण अभियान हमें यही संदेश देता है कि ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाए जाएं, ताकि हमारा पर्यावरण संरक्षित हो। पौधे लगाने के साथ-साथ उनका पालन पोषण भी हमें बच्चों की तरह करना है। किसान फसल अवशेषों में आग न लगाएं, क्योंकि इससे नजदीक खड़े पेड़ जल जाते हैं और पर्यावरण को काफी नुकसान पहुंचता है। प्लास्टिक का उपयोग भी कम किया जाए, क्योंकि प्लास्टिक की वजह से भी बीमारियों में बढ़ोत्तरी हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि हमारा देश एक विकसित राष्ट्र बने, इसलिए इसमें हम सबकी भागीदारी जरूरी है।

गांव जांबा को ग्रामीणों के सहयोग से बनाया है प्रदेश में रोल मॉडल – सरपंच लाभ सिंह

सरपंच लाभ सिंह ने ग्रामीणों की सराहना करते हुए कहा कि गांव जांबा में पहले गंदगी के ढ़ेर हुआ करते थे, जहां यह कार्यक्रम किया जा रहा है, अब एक सुंदर पार्क व बच्चों के लिए खेलने का एक अच्छा स्थान बनाया गया है। पेड़-पौधों की संख्या बढ़ने से गांव में हरियाली छाई हुई है। गांव में सीसीटीवी कैमरे, अच्छी गलियां, वायफाय की सुविधा, लाईटें आदि सुविधाएं प्रदान की गई है। गांव में आगे भी ऐसे ही विकास कार्य करवाए जाएंगे। इसी गांव को रोल मॉडल बनाया गया है और अन्य गांवों को भी जागरूक किया जा रहाहै। इस कार्यक्रम में जिला वन अधिकारी भूपेंद्र सिंह राघव ने भी वन विभागों की स्कीमों के बारे में गहनता से जानकारी दी। इस अवसर पर डीआईपीआरओ नसीब सिंह सैनी, रेंज ऑफिसर कुलदीप सिंह, रेंज वन अधिकारी सतबीर सिंह कैत, राकेश गोस्वामी, सहायक राहुल शर्मा, रामप्रसाद, बाकल सरपंच नरेंद्र, शमशेर सिंह, रेखा लोहान, राजपाल, पवन सरदाना, जगदीश क्वात्रा आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

नीट-2026 परीक्षा को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह तैयार

21 जून को आयोजित होने वाली नीट परीक्षा के लिए सोनीपत शहर में बनाए गए 8 परीक्षा केन्द्रों पर 2569 परीक्षार्थी देंगे परीक्षा

सोनीपत, 13 जून (ब्यूरो) : उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट)-2026 के सफल, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी आयोजन के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह तैयार है। परीक्षा के संचालन को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं तथा संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। उपायुक्त ने बताया कि 21 जून को दोपहर बाद 02 बजे से शाम 5:15 बजे तक नीट-2026 परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा के लिए सोनीपत शहर में 8 परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां 2569 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। उन्होंने परीक्षार्थियों का आह्वान किया कि वे परीक्षा के लिए समय पर परीक्षा केन्द्र पहुंचे ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। परीक्षा केंद्रों में दोपहर 1:30 बजे तक प्रवेश की अनुमति होगी। इसके बाद किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि परीक्षा की निष्पक्षता, गोपनीयता एवं पारदर्शिता बनाए रखने के लिए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि परीक्षा का आयोजन शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। 21 जून को आयोजित होने वाली नीट परीक्षा को लेकर हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी व नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के वर्तमान महानिदेशक अभिषेक सिंह ने विडियों कांफ्रेंस के माध्यम से सभी उपायुक्तों के साथ बैठक की और उन्हें जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए सभी व्यवस्थाएं हों सुनिश्चित

उपायुक्त नेहा सिंह ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्रों पर पीने के स्वच्छ पानी, बिजली, शौचालय, बैठने की व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं पूरी तरह उपलब्ध रहें, ताकि किसी भी परीक्षार्थी को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि परीक्षा के दौरान सभी व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी की जाएगी।

प्रत्येक केंद्र पर सिविल एवं पुलिस विभाग के नोडल अधिकारी होंगे तैनात

नीट परीक्षा के सफल संचालन के लिए

जिला प्रशासन द्वारा प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर सिविल विभाग एवं पुलिस विभाग से एक-एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। ये अधिकारी परीक्षा केंद्रों पर सभी व्यवस्थाओं की निगरानी करेंगे तथा किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।

स्ट्रॉन्ग रूम की सुरक्षा के किए जाएं पुख्ता इंतजाम

उपायुक्त ने निर्देश दिए कि प्रश्नपत्रों को सुरक्षित रखने के लिए बैंकों में बनाए गए स्ट्रॉन्ग रूम में सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए जाएं। प्रश्नपत्रों की सुरक्षा एवं गोपनीयता बनाए रखने के लिए निर्धारित मानकों का पूर्ण पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि स्टॉन्ग रूम के वहां कैमरों की व्यवस्था के साथ-साथ वहां उचित पुलिस बल की तैनाती होनी चाहिए।

परीक्षा को 20 जून को करवाएं मॉक ड्रिल

उन्होंने कहा कि परीक्षा से एक दिन पूर्व 20 जून को सभी परीक्षा केंद्रों पर मॉक ड्रिल करवाएं ताकि व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जा सके और किसी भी कमी को समय रहते दूर किया जा सके। उन्होंने कहा कि इस दौरान ये जरूर चैक करें कि वहां लगे सीसीटीवी कैमरे व जेमर सही प्रकार से काम कर रहे हैं या नहीं। अगर कोई कमी है तो उसे तुरंत दूर करवाएं।

ट्रैफिक व्यवस्था एवं सुरक्षा के लिए विशेष योजना तैयार करने के निर्देश

उपायुक्तने पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए। साथ ही परीक्षा के दिन शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए विशेष ट्रैफिक प्लान तैयार किया जाए, ताकि परीक्षार्थियों को समय पर परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने में कोई कठिनाई न हो। उन्होंने कहा कि परीक्षा में प्रवेश के दौरान परीक्षा केन्द्र गेट पर परीक्षार्थियों की फ्रिस्किंग(तलाशी) के लिए उचित पुलिस बल की तैनाती करें ताकि वहां भीड़ इक्ट्ठा न हो।

कंट्रोल रूम से रखी जाएगी सभी केंद्रों पर नजर

परीक्षा के सफल संचालन के लिए जिला स्तर पर एक विशेष कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा, जहां से सभी परीक्षा केंद्रों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जाएगी। किसी भी प्रकार की सूचना अथवा समस्या की स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

स्वास्थ्य एवं आपातकालीन सेवाएं रहेंगी उपलब्ध

परीक्षा के दौरान किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग को अलर्ट मोड पर रखा जाएगा। प्रत्येक परीक्षा केन्द्र के नजदीक एम्बुलेंस और चिकित्सा टीम उपलब्ध रहेगी। इसके अलावा बिजली आपूर्ति बाधित न हो, इसके लिए जरनेटर की भी व्यवस्था की जा रही है।

परीक्षार्थी इन बातों का रखें विशेष ध्यान

उपायुक्त नेहा सिंह ने बताया कि परीक्षा में आने वाले परीक्षार्थी केवल हॉफ बाजू के कपड़े ही पहन के आए। इसके अलावा खुली चप्पलें, सैंडल या कम हील वाले जूते ही पहन के आएं। इसके साथ ही परीक्षा में घड़ियां, अंगूठियाँ, कंगन या गहने पहनने की अनुमति नहीं है।

यदि आप धार्मिक/पारंपरिक पोशाक पहन रहे हैं, तो केंद्र पर 2 घंटे पहले पहुंचें। परीक्षा केन्द्र में मोबाइल फोन, ब्लूटूथ उपकरण, इयरफोन, माइक्रोफोन, हेल्थ बैंड, बटुआ, हैंडबैग, बेल्ट और टोपी ले जाने की अनुमति नहीं है। उन्होंने कहा कि परीक्षार्थी परीक्षा का एडमिट कार्ड, वैध पहचान पत्र और एक पारदर्शी पानी की बोतल लेकर जा सकता है। इस मौके पर एसीपी जसपाल सिंह, रोडवेज जीएम संजय कुमार, जिला शिक्षा अधिकारी नवीन गुलिया, बिजली विभाग के एक्सईएन रणबीर देशवाल सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

बीवीएम स्कूल के नन्हे बच्चों ने किया राइस सेंसरी प्ले

बरनाला, 13 जून (कपिल गर्ग) बीवीएम इंटरनेशनल स्कूल में प्ले-वे कक्षा के नन्हे विद्यार्थियों के लिए राइस सेंसरी प्ले गतिविधि आयोजित की गई। इस दौरान बच्चों ने चावल से भरी रंग-बिरंगी ट्रे में खेलते हुए विभिन्न आकृतियाँ और डिज़ाइन बनाए तथा स्पर्श के माध्यम से नए अनुभव प्राप्त किए।इस गतिविधि ने बच्चों के फाइन मोटर स्किल्स, हाथ-आंखों के समन्वय तथा एकाग्रता के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लेते हुए सीखने को रोचक और आनंददायक बनाया।स्कूल प्रबंधन और प्रिंसिपल ने कहा कि सेंसरी गतिविधियाँ बच्चों के मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि विद्यालय हमेशा ऐसे नवाचारपूर्ण शैक्षणिक प्रयासों के लिए प्रतिबद्ध है, जो बच्चों के समग्र विकास में सहायक हों।

पंजाबी यूनिवर्सिटी द्वारा फीस और रिजर्व फंड में भारी वृद्धि, निजी कॉलेजों में रोष

बरनाला, 13 जून (बघेल सिंह धालीवाल) पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला

द्वारा कंटीन्यूएशन, एफिलिएशन, रजिस्ट्रेशन फीस तथा रिजर्व फंड में 100 से 300 प्रतिशत तक की गई वृद्धि के खिलाफ पंजाब अनएडेड डिग्री कॉलेज एसोसिएशन (पुडका) ने कड़ा विरोध जताया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष एस. एस. चट्ठा ने इसे निजी कॉलेजों और विद्यार्थियों पर बड़ा आर्थिक हमला बताते हुए पंजाब सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।पुडका की विशेष बैठक के दौरान एस. एस. चट्ठा ने कहा कि पहले ही दाखिलों में आई गिरावट के कारण निजी कॉलेज गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। ऐसे समय में यूनिवर्सिटी द्वारा फीस और अन्य वित्तीय बोझ में की गई भारी वृद्धि उच्च शिक्षा को विद्यार्थियों की पहुंच से दूर कर देगी।उन्होंने बताया कि नए विद्यार्थियों की रजिस्ट्रेशन फीस में लगभग 80 प्रतिशत वृद्धि की गई है, जबकि कॉलेजों के लिए अनिवार्य रिजर्व फंड 20 लाख रुपये से बढ़ाकर 40 लाख रुपये कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस कारण कई कॉलेजों के स्टाफ ने परीक्षा ड्यूटी और उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन कार्य से इनकार करना शुरू कर दिया है।बैठक को संबोधित करते हुए एसोसिएशन के संरक्षक डॉ. गुरमीत सिंह धालीवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. आर. के. गोयल, इंजीनियर आर. के. गुप्ता, तरसेम सैनी, गुरतेज सिंह बराड़, बलविंदर सिंह बराड़, डॉ. सतनाम सिंह संधू, बी.एड. कॉलेज एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. जगजीत सिंह धूरी, निर्मल सिंह, राम सिंह ढल्ल, डॉ. मोहन लाल गर्ग, गुरप्रीत सिंह मान, मनजीत सिंह चहल, डॉ. अमरजीत सिंह सिद्धू तथा एम. एल. बंसल ने भी यूनिवर्सिटी की इस नीति की निंदा की।बैठक में उपस्थित सभी कॉलेज एसोसिएशनों के प्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि पंजाबी यूनिवर्सिटी द्वारा बढ़ाई गई एफ.डी.आर. राशि कोई भी कॉलेज जमा नहीं करवाएगा। नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि फीस और फंड में की गई वृद्धि को तुरंत वापस नहीं लिया गया तो राज्य स्तर पर तीव्र संघर्ष शुरू किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी यूनिवर्सिटी प्रशासन की होगी।

भर्ती और चयन; विषय पर सेमिनार, विद्यार्थियों को दिया गया करियर मार्गदर्शन

बरनाला, 13 जून (कपिल गर्ग) आर्यभट्ट कॉलेज, बरनाला में विद्यार्थियों

को रोजगार के अवसरों और भर्ती प्रक्रिया के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से भर्ती और चयन विषय पर एक जानकारीपूर्ण एवं प्रेरणादायक सेमिनार आयोजित किया गया। सेमिनार का उद्देश्य विद्यार्थियों को नौकरी प्राप्त करने के लिए आवश्यक कौशल, भर्ती प्रक्रिया तथा चयन के मानदंडों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करना था।सेमिनार के दौरान विद्यार्थियों को इंटरव्यू की प्रभावी तैयारी, पेशेवर रिज्यूमे तैयार करने के तरीकों तथा कार्यस्थल पर सफलता के लिए आवश्यक व्यवहारिक और संचार कौशलों के बारे में मार्गदर्शन दिया गया। विद्यार्थियों ने सत्र में बड़े उत्साह के साथ भाग लिया और इसे अपने भावी करियर के लिए अत्यंत लाभदायक बताया।इस अवसर पर कॉलेज के चेयरमैन इंजीनियर राकेश गुप्ता, डायरेक्टर डॉ. अजय मित्तल, डीन अकादमिक डॉ. भवेत गर्ग, वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग के प्रमुख डॉ. जशन जोत तथा विजय कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे सेमिनार विद्यार्थियों के व्यक्तिगत एवं पेशेवर विकास के लिए बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने कौशलों को निखारने तथा समय-समय पर आयोजित होने वाली करियर संबंधी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करने के लिए प्रेरित किया।अंत में कॉलेज प्रबंधन ने सेमिनार के सफल आयोजन के लिए आयोजकों की सराहना की और विद्यार्थियों को ऐसी गतिविधियों का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया, ताकि वे भविष्य की पेशेवर चुनौतियों का आत्मविश्वास के साथ सामना कर सकें।

मूनक ब्लॉक में तीन दिवसीय योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण का सफल समापन

मूनक, 13 जून (जयभगवान) : अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में मूनक ब्लॉक में आयोजित तीन दिवसीय योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण कार्यक्रम का शनिवार को सफलतापूर्वक समापन किया गया। कार्यक्रम के दौरान आयुष विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों, योग प्रशिक्षकों एवं योग सहायकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए इसे सफल बनाया। मूनक ब्लॉक इंचार्ज डॉ. रितेश चहल के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में डॉ. सतीश, डॉ. भावना गुप्ता, डॉ. विनीता कुंडु, आयुष फार्मासिस्ट श अभिषेक, जयराज एवं नीरज ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं योग प्रशिक्षक राजेश देवगन, सोहन लाल, कुसुम तथा योग सहायक सुमन संधु सरपंच फूलकमारी,ओमप्रकाश ने तीन दिनों तक प्रतिभागियों को कॉमन योग प्रोटोकॉल का अभ्यास करवाया

एआर रहमान ने अटारी बार्डर पर रचा इतिहास

पद्म भूषण सम्मानित, ऑस्कर और ग्रैमी विजेता संगीतकार ए.आर. रहमान ने प्रतिष्ठित अटारी बॉर्डर पोस्ट पर अपना पहला लाइव प्रदर्शन देकर इतिहास रच दिया। यह विशेष कार्यक्रम जय हो - ए म्यूजिकल सैल्यूट टू द ब्रेवहार्ट्स 8 जून, 2026 को बीटिंग रिट्रीट समारोह के दौरान आयोजित हुआ, जहाँ उन्होंने देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले बीएसएफ के वीर जवानों को संगीतमय श्रद्धांजलि अर्पित की। जॉइंट चेक पोस्ट (जेसीपी) स्टेडियम में हजारों दर्शकों की मौजूदगी ने देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता के अद्भुत माहौल में चार चांद लगा दिए। यह आयोजन फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' के लिए भी खास महत्व रखता है, जिसकी कहानी भारत विभाजन की पृष्ठभूमि पर आधारित है। निर्देशक इम्तियाज अली और बिरला स्टूडियोज़ की अनन्या बिड़ला सहित फिल्म की टीम ने बीएसएफ के प्रति आभार व्यक्त करते हुए फिल्म का आगामी संगीत एल्बम भारतीय सेना को समर्पित किया। ए.आर. रहमान ने अपने भावपूर्ण गीत चंदा सूरज लाखों तारे से संगीतमय प्रस्तुति की शुरुआत की। फिल्म मैं वापस आऊंगा के गीतों, जैसे मस्कारा (नीलांजना घोष और वेदांग रैना द्वारा) और इश्क मस्ताना (मोहित चौहान, पूजा तिवारी और नर्गिस द्वारा), ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का भावनात्मक समापन रहमान की प्रतिष्ठित रचना मां तुझे सलाम के साथ हुआ, जिससे पूरा स्टेडियम देशभक्ति के रंग में डूब गया और दर्शकों ने खड़े होकर कलाकारों व जवानों का सम्मान किया। सुरभि ज्योति का शाही मैटरनिटी फोटोशूट-टीवी की जानी-मानी अभिनेत्री सुरभि ज्योति इन दिनों अपने पहले बच्चे के आगमन का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। शादी के करीब डेढ़ साल बाद मां बनने जा रहीं सुरभि ने हाल ही में अपने रॉयल मैटरनिटी फोटोशूट की शानदार तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की हैं, जिन्हें देखकर हर कोई उनकी खूबसूरती और पारंपरिक अंदाज़ की जमकर तारीफ कर रहा है। इन तस्वीरों में सुरभि ने बेहद आकर्षक ट्रेडिशनल लुक अपनाया है। उन्होंने आइवरी रंग की एक खूबसूरत साड़ी पहनी है, जिसके बॉर्डर पर हल्की कढ़ाई और स्टोन वर्क उनके लुक को और भी मोहक बना रहा है। साड़ी के साथ उन्होंने स्लीवलेस मैचिंग ब्लाउज पहना है, जो उनकी गर्भावस्था की चमक को और उभार रहा है। उनकी ज्वेलरी पर भी खास ध्यान दिया गया है, जिसमें हैवी कुंदन और स्टोन से बनी मल्टी-लेयर नेकलेस, बड़े झुमके, स्टाइलिश रिंग और कंगन शामिल हैं। सुरभि ने अपने बालों को गजरे से सजाया है और बहुत ज्यादा हैवी मेकअप न करते हुए सिंपल, सॉफ्ट मेकअप लगाया है, जो उनके चेहरे की मासूमियत और प्राकृतिक सौंदर्य को दर्शाता है।

मैसा में तारक पोनप्पा की एंट्री

2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक, मैसा ने हाल ही में अपने कलाकारों में एक और दमदार नाम जोड़ा है। टीम मैसा ने अभिनेता तारक पोनप्पा के जन्मदिन के खास अवसर पर उनकी फिल्म में एंट्री की घोषणा करते हुए, ईरा के रूप में उनका पहला लुक पोस्टर साझा किया। इस पैन-इंडिया फिल्म में मुख्य भूमिका में पैन-इंडिया सनसनी रश्मिका मंदाना नजर आएंगी, जो अपनी बहुमुखी प्रतिभा और दमदार स्क्रीन प्रेजेंस के लिए पहचानी जाती हैं। रश्मिका मंदाना को मैसा में एक बेहद दमदार और साहसी अवतार में पेश किया जाएगा, जो उनके ऑन-स्क्रीन व्यक्तित्व को पहले से बिल्कुल अलग अंदाज में सामने लाएगा। फिल्म को लेकर दर्शकों का उत्साह लगातार बढ़ रहा है, और इसी बीच तारक पोनप्पा का जुड़ना इस रोमांच को और बढ़ा रहा है। टीम मैसा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल्स पर तारक पोनप्पा को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए लिखा कि दर्शक ईरा के रूप में उनके उग्र और निर्दयी प्रदर्शन को देखने के लिए तैयार रहें। अनफॉर्मूला फिल्म्स के बैनर तले बन रही और रविंद्र पुल्ले के निर्देशन में आ रही यह फिल्म एक बेहद भावुक एक्शन थ्रिलर है।

सौरव गांगुली बिग बॉस बांग्ला सीजन 3 की करेंगे मेजबानी

पूरे 10 साल के इंतजार के बाद बंगाली दर्शकों के लिए फिर से रियलिटी शो बिग बॉस लौटने जा रहा है। निर्माताओं ने बिग बॉस बांग्ला सीजन 3 की आधिकारिक घोषणा कर दी गई है, जिसने दर्शकों में जबरदस्त उत्साह का संचार किया है। यह घोषणा न केवल इस शो के प्रशंसकों के लिए एक बड़ी खबर है, बल्कि यह बंगाली टेलीविजन उद्योग में मनोरंजन के एक नए युग का भी संकेत देती है। शो का मंचन एक बड़े पैमाने पर किया जा रहा है, और इसके हर पहलू पर बारीकी से काम किया जा रहा है ताकि दर्शकों को एक अद्वितीय अनुभव प्रदान किया जा सके। इस सीजन की सबसे बड़ी और आकर्षक खासियत यह है कि शो को बंगाल के सबसे लोकप्रिय चेहरों में से एक और पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान सौरव गांगुली होस्ट करते नजर आएंगे। निर्माताओं द्वारा जारी किए गए एक विशेष वीडियो में सौरव गांगुली की झलक दिखाई गई है, जिसने फैंस की उत्सुकता को और भी बढ़ा दिया है। दादा के नाम से मशहूर सौरव गांगुली का टेलीविजन पर आना हमेशा से दर्शकों के लिए रोमांचक रहा है, और उनकी होस्टिंग दर्शकों को शो से बांधे रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। घोषणा करते हुए मेकर्स ने लिखा, भारत के सबसे बड़े मनोरंजन का मंच अब बंगाल में आ रहा है। मनोरंजन का बॉस - बिग बॉस बांग्ला जल्द आ रहा है। यह टैगलाइन अपने आप में शो की भव्यता और मनोरंजन के स्तर को दर्शाती है। बिग बॉस बांग्ला सीजन 3 को एंडेमोल शाइन इंडिया लेकर आ रहा है, जो बनिजय एंटरटेनमेंट का एक अभिन्न हिस्सा है। यह कंपनी लंबे समय से भारतीय दर्शकों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफल फॉर्मेट्स को स्थानीय रूप में पेश करती रही है।

फिल्म विवाह के रोल से अमृता राव की पहचान हर घर में बनी थी

बॉलीवुड अभिनेत्री अमृता राव को फिल्म 'विवाह' में निभाए गए 'पूनम' के किरदार ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। अमृता राव बॉलीवुड उन अभिनेत्रियों में शुमार हो गई है जिन्होंने कम फिल्मों में काम करने के बावजूद अपनी अलग छाप छोड़ी है। मुंबई में जन्मीं अमृता राव का पालन-पोषण एक पारंपरिक कोंकणी परिवार में हुआ। शुरुआती शिक्षा मुंबई के अंधेरी स्थित एक स्कूल से पूरी करने के बाद उन्होंने सोफिया कॉलेज में साइकोलॉजी विषय से ग्रेजुएशन की पढ़ाई शुरू की। हालांकि मॉडलिंग की दुनिया उन्हें अपनी ओर खींच रही थी। इसी वजह से उन्होंने पढ़ाई अधूरी छोड़कर मॉडलिंग में करियर बनाने का फैसला किया। शुरुआत में अमृता कई विज्ञापनों में नजर आईं। धीरे-धीरे उनकी पहचान बढ़ी और उन्हें म्यूजिक वीडियो में भी काम करने का मौका मिला। कैमरे के सामने उनका आत्मविश्वास और सहजता लोगों को पसंद आने लगी। इसी दौरान फिल्म निर्माताओं की नजर भी उन पर पड़ी और उनके लिए बॉलीवुड के दरवाजे खुल गए।

अब के बरस' थी पहली फिल्म

साल 2002 में अमृता ने फिल्म 'अब के बरस' से बॉलीवुड में कदम रखा। पहली ही फिल्म में उन्होंने अपने अभिनय से लोगों का ध्यान खींचा। इसके बाद उनका करियर लगातार आगे बढ़ता गया। वर्ष 2003 में रिलीज हुई 'इश्क विश्क' उनके करियर का बड़ा मोड़ साबित हुई। इस फिल्म में उन्होंने शाहिद कपूर के साथ काम किया और दोनों की जोड़ी दर्शकों को खूब पसंद आई। फिल्म की सफलता के बाद अमृता युवा दर्शकों के बीच लोकप्रिय हो गईं। इसके बाद उन्होंने 'मस्ती', 'मैं हूं ना', 'वाह लाइफ हो तो ऐसी', 'शिखर' और 'प्यारे मोहन' जैसी फिल्मों में काम किया। हालांकि, उनकी सबसे यादगार फिल्मों में 'विवाह' का नाम सबसे ऊपर आता है। राजश्री प्रोडक्शंस की इस फिल्म में उन्होंने 'पूनम' का किरदार निभाया था। उनकी सादगी, पारिवारिक संस्कार और सहज अभिनय ने दर्शकों का दिल जीत लिया। आज भी कई लोग उन्हें 'पूनम' के नाम से याद करते हैं। अमृता ने केवल हिंदी फिल्मों तक खुद को सीमित नहीं रखा। उन्होंने तेलुगू सिनेमा में भी काम किया और अभिनेता महेश बाबू के साथ फिल्म 'अतिथि' में नजर आईं। इस फिल्म को भी दर्शकों ने पसंद किया। इसके बाद अमृता ने 'वेलकम टू सज्जनपुर', 'जॉली एलएलबी', 'सिंह साहब द ग्रेट, 'सत्याग्रह' और 'ठाकरे' जैसी फिल्मों में भी अपनी अभिनय क्षमता का परिचय दिया। निजी जीवन की बात करें तो अमृता ने लंबे समय तक रेडियो जॉकी अनमोल सूद को डेट किया। दोनों ने साल 2016 में बेहद सादगी से शादी की। अमृता एक बेटे की मां हैं, जिसका नाम उन्होंने वीर रखा है। शादी के बाद अमृता ने फिल्मों से कुछ दूरी बना ली और परिवार को प्राथमिकता दी।

तमिल सुपर स्टार अजीत कुमार जीवन के कठिन दौर से गुजर रहे

मोटर रेसिंग के प्रति अपने जुनून रखने वाले एवं तमिल सुपर स्टार अजीत कुमार इन दिनों निजी जीवन के कठिन दौर से गुजर रहे हैं। हाल ही में उनकी मां मोहिनी मणि का निधन हो गया था। मां के निधन के समय अजीत विदेश में थे, लेकिन दुखद समाचार मिलते ही वह तुरंत चेन्नई पहुंचे और अंतिम संस्कार की सभी रस्मों में शामिल हुए। इस दौरान तमिल फिल्म उद्योग की कई प्रमुख हस्तियां, जिनमें विजय और तृषा कृष्णन भी शामिल थे, उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचीं।

मां के निधन के कुछ दिनों बाद अजीत कुमार ने एक बार फिर अपने पेशेवर दायित्वों की ओर कदम बढ़ाया है। उन्होंने भारी मन से रेसिंग सर्किट में वापसी की, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद उनके प्रशंसकों ने भावनात्मक प्रतिक्रियाएं दीं। एक फैन पेज द्वारा साझा की गई तस्वीरों में अजीत रेसिंग पोशाक में नजर आ रहे हैं। तस्वीरों में उनके चेहरे पर उदासी साफ दिखाई दे रही है, लेकिन साथ ही वह ट्रैक पर उतरने के लिए पूरी तरह तैयार भी दिख रहे हैं। तस्वीरों के साथ लिखा गया कि भारी मन से काम पर लौटना आसान नहीं होता, लेकिन जिंदगी आगे बढ़ती रहती है। यह संदेश सामने आते ही प्रशंसकों ने अभिनेता के प्रति अपना समर्थन और संवेदनाएं व्यक्त करनी शुरू कर दीं। एक प्रशंसक ने लिखा कि उनकी मां जहां भी होंगी, उन्हें रेस करते हुए देख रही होंगी और उनका हौसला बढ़ा रही होंगी। वहीं दूसरे प्रशंसक ने विश्वास जताया कि अजीत अपनी मां की स्मृति को सम्मान देते हुए आगे बढ़ेंगे और सफलता हासिल करेंगे। कई प्रशंसकों ने उन्हें मजबूत बने रहने की सलाह दी और कहा कि उनकी मां का आशीर्वाद हमेशा उनके साथ रहेगा।

एक अन्य प्रशंसक ने टिप्पणी की कि मोहिनी मणि ने ऐसे बेटे का पालन-पोषण किया जो गहरे दुख के बावजूद अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना जानता है। मोहिनी मणि के निधन की जानकारी अजीत कुमार और उनके परिवार ने एक आधिकारिक बयान जारी कर दी थी। बयान में बताया गया कि स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के बाद उन्होंने नींद में ही शांतिपूर्वक अंतिम सांस ली। परिवार ने उन सभी चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों का आभार व्यक्त किया जिन्होंने पिछले कई वर्षों में उनकी देखभाल की।

पेद्दी में जाह्नवी को उत्तेजक दिखाने की हो रही निंदा

पेद्दी में जाह्नवी को बेहद उत्तेजक दिखाने की हो रही निंदा

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही रिलीज हुई फिल्म पेद्दी में बॉलीवुड अभिनेत्री जाह्नवी कपूर के किरदार के चित्रण को लेकर काफी आलोचना हो रही है। सोशल मीडिया पर पेद्दी की रिलीज के बाद से ही लगातार चर्चाएं हो रही हैं। पेद्दी के निर्देशक बुची बाबू सना पर अभिनेत्री को ऑब्जेक्टिफाई और सेक्शुअलाइज करने के आरोप लग रहे हैं।

पेद्दी में जाह्नवी कपूर को कथित तौर पर बेहद बोल्ड और कुछ हद तक उत्तेजक अंदाज में पेश किया गया है, जिसके बाद से साउथ फिल्म इंडस्ट्री में अभिनेत्रियों के चित्रण के तरीके पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। इसी बीच, सोशल मीडिया पर जाह्नवी कपूर के कुछ कथित चैट्स तेजी से वायरल हो रहे हैं। इनके अनुसार, जाह्नवी कपूर पेद्दी के सेट पर अपने हाइपर सेक्शुअल दृश्यों को लेकर असहज थीं। जिस तरीके से मेकर्स उनके दृश्यों को फिल्मा रहे थे, वह उससे खुश नहीं थीं और उन्होंने अपनी एक दोस्त के साथ अपने अनुभव साझा किए थे। वायरल हो रहे इन कथित चैट्स में जाह्नवी कपूर यह कहते हुए दिखाई देती हैं कि उन्होंने अपने निजी अंगों को फिल्माने से मना किया था, लेकिन जब मेकर्स नहीं माने, तो अभिनेता राम चरण को इस मामले में हस्तक्षेप करना पड़ा। राम चरण की प्रशंसा करते हुए, जाह्नवी ने कथित तौर पर कहा कि दिग्गज अभिनेता ने उनकी मदद की और मेकर्स को स्पष्ट रूप से निर्देश दिया कि वे ऐसे कोई भी दृश्य शूट न करें जिससे अभिनेत्री असहज महसूस करें। जाह्नवी ने अपनी दोस्त को बताया कि उन्हें शूटिंग के दौरान कई बार असहजता महसूस हुई क्योंकि मेकर्स बार-बार उनके क्लिवेज (छाती के ऊपरी हिस्से) पर कैमरा जूम कर रहे थे।

इन चैट्स के सामने आते ही लोगों में जाह्नवी कपूर के लिए चिंता बढ़ गई है। सोशल मीडिया यूजर्स साउथ इंडियन सिनेमा में अभिनेत्रियों को दिखाने के तरीके पर सवाल उठा रहे हैं और उनका कहना है कि किसी भी अभिनेत्री को इस तरह के अनुभव से नहीं गुजरना चाहिए। पेद्दी एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है जिसका निर्देशन बुची बाबू सना ने किया है। फिल्म में जाह्नवी कपूर का स्क्रीनटाइम भी काफी सीमित है। उनके किरदार को समीक्षकों ने भी कुछ खास नहीं सराहा है और कई आलोचकों का मानना है कि मेकर्स जाह्नवी कपूर को बेहतर और अधिक सम्मानजनक तरीके से दर्शा सकते थे।

बॉक्स ऑफिस पर 'पेद्दि' का जलवा

साउथ सुपरस्टार राम चरण की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'पेद्दि' ने रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त धमाल मचाया है। यह पैन-इंडिया स्पोर्ट्स ड्रामा महज चार दिनों में दुनियाभर में 292.5 करोड़ से अधिक का ग्रॉस कलेक्शन कर चुकी है, ऐसा फिल्म के निर्माताओं का दावा है। हालांकि, स्वतंत्र ट्रेड रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म ने चार दिनों में लगभग 230 करोड़ से 233 करोड़ के बीच वर्ल्डवाइड कलेक्शन दर्ज किया है। दर्शकों से मिल रही जबरदस्त प्रतिक्रिया और थिएटरों में फैंस का उत्साह देखते ही बन रहा है। 4 जून 2026 को रिलीज हुई 'पेद्दि' ने पहले ही दिन 100 करोड़ से अधिक की वर्ल्डवाइड ओपनिंग दर्ज कर साल की सबसे बड़ी शुरुआत करने वाली फिल्मों में शुमार हो गई थी। इसके बाद वीकेंड में फिल्म की कमाई में लगातार वृद्धि हुई। ट्रेड आंकड़ों के मुताबिक, इसने भारत में चार दिनों में लगभग 157 करोड़ नेट और करीब 187 करोड़ ग्रॉस कलेक्शन किया, जबकि विदेशी बाजारों से भी बेहतरीन प्रदर्शन देखने को मिला।

मैं वापस आऊंगा को लेकर चर्चाओं में शरवरी वाघ

अपनी आगामी फिल्म मैं वापस आऊंगा को लेकर बॉलीवुड अभिनेत्री शरवरी वाघ चर्चाओं में हैं।

इस फिल्म में उन्हें एक ऐसी महिला का किरदार निभाने का मौका मिला, जो उनकी अपनी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से काफी अलग है, जिसके चलते उन्हें नई भाषा और संस्कृति को समझना पड़ा। अपने इस अनुभव को लेकर शरवरी वाघ ने कहा, घर में मैं मराठी भाषा बोलती हूं और मेरी परवरिश पूरी तरह मराठी संस्कृति के बीच हुई है। ऐसे में एक पंजाबी महिला का किरदार निभाना मेरे लिए एक नया और दिलचस्प अनुभव था।

कॉकटेल 2 को लेकर दर्शकों में बढ़ रहा क्रेज

करीब 14 साल बाद निर्देशक होमी अदजानिया 'कॉकटेल 2' लेकर आ रहे हैं। वर्ष 2012 में रिलीज हुई फिल्म 'कॉकटेल' ने दोस्ती, प्यार और रिश्तों की जटिलताओं को नए अंदाज में बड़े पर्दे पर पेश कर दर्शकों का दिल जीत लिया था। मेकर्स ने हाल ही में 'कॉकटेल 2' फिल्म का ट्रेलर जारी कर दिया गया है, जिसमें रोमांस, दोस्ती, भावनाएं, हास्य और रिश्तों के बदलते समीकरणों का दिलचस्प मिश्रण देखने को मिलता है। फिल्म में शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। करीब तीन मिनट लंबे ट्रेलर की शुरुआत शाहिद कपूर के किरदार कुणाल के एक भावनात्मक संवाद से होती है। वह रिश्तों और प्यार की तुलना करते हुए बताता है कि नए रिश्ते शुरुआत में रोमांचक लगते हैं, लेकिन असली सुकून उस प्यार में होता है जो समय के साथ दोस्ती में बदल जाता है। इसी संवाद के साथ कहानी की पृष्ठभूमि तैयार होती है और मुख्य पात्रों का परिचय कराया जाता है। फिल्म में शाहिद कपूर कुणाल, रश्मिका मंदाना दीया और कृति सेनन एली की भूमिका निभा रही हैं। तीनों घनिष्ठ मित्र हैं और जीवन को खुलकर जीते नजर आते हैं। साथ घूमना, छुट्टियां मनाना और खुशियों के पल साझा करना उनकी दोस्ती का अहम हिस्सा है।

हालांकि कहानी तब नया मोड़ लेती है जब दोस्ती के बीच प्यार अपनी जगह बनाना शुरू कर देता है। ट्रेलर से स्पष्ट होता है कि फिल्म की कहानी एक दिलचस्प प्रेम त्रिकोण के इर्द-गिर्द घूमती है। दीया और एली दोनों ही कुणाल के करीब आती दिखाई देती हैं। धीरे-धीरे दोस्ती की सीमाएं धुंधली होने लगती हैं और रिश्तों में भावनात्मक उलझनें पैदा हो जाती हैं। कुणाल भी अपने मन की भावनाओं और रिश्तों के बदलते स्वरूप के बीच फंसा नजर आता है। फिल्म के संवाद भी इसकी बड़ी ताकत बनकर उभरते हैं। एक दृश्य में एली का किरदार कहता है, सब अपनी-अपनी एक्सपायरी डेट के साथ आते हैं और उसके बाद तो दवा भी जहर बन जाती है।

अरुणा ईरानी को कोल्डड्रिंक पीते हुए मिल गई थी फिल्म

छोटे परदे का रियलिटी शो तुम हो ना- घर की सुपरस्टार के एक एपिसोड में हिंदी सिनेमा जगत की मशहूर अभिनेत्री अरुणा ईरानी ने अपने शुरुआती दिनों को याद किया। हाल ही में उन्होंने अपने पहले ऑडिशन से जुड़ी यादें साझा कीं। उन्होंने बताया कि जब मैं छोटी थीं, तब एक कास्टिंग टीम मेरे रेजिडेंशियल बिल्डिंग में बच्चों की तलाश में आई थी। टीम ने वहां रहने वाले बच्चों को बताया कि जो भी अभिनय में दिलचस्पी रखता है, वह ऑडिशन देने आ सकता है। बच्चों को बुलाने के लिए उन्होंने वेफर्स और कोल्ड ड्रिंक्स की भी व्यवस्था की थी। यह सुनकर मैं काफी उत्साहित हो गईं और मैंने अपने दोस्तों को भी अपने साथ चलने के लिए मना लिया। अरुणा ने हंसते हुए बताया, ऑडिशन के दौरान मैं आराम से कोने में खड़ी होकर कोल्ड ड्रिंक पी रही थी और वेफर्स खा रही थीं। तभी किसी की नजर मुझ पर पड़ी और उन्होंने मुझे अपने पास बुलाया। जब मैं वहां पहुंचीं, तब मुझे पता चला कि सामने हिंदी सिनेमा के महान अभिनेता दिलीप कुमार बैठे हैं। इस यादगार पल को याद करते हुए अरुणा ने बताया, दिलीप कुमार ने मुझे अपने पास बुलाकर पूछा कि क्या तुम डायलॉग बोल लेती हो। मैंने हाथ साफ किए, नमस्ते की और हां में जवाब दिया।

इसके बाद दिलीप कुमार ने मुझे एक छोटा-सा डायलॉग दिया- काका, काका, मुझे बहुत डर लग रहा है। साथ ही समझाया कि यह डायलॉग डर के भाव के साथ बोलना है। मैंने पूरे आत्मविश्वास और भावनाओं के साथ यह डायलॉग बोल दिया। अभिनेत्री ने कहा, डायलॉग बोलने के बाद मुझे शॉर्टलिस्ट कर लिया गया। यही वह क्षण था, जिसने मेरे फिल्मी सफर की नींव रखी। उसी दिन से इंडस्ट्री में मेरे सफर का श्रीगणेश हुआ। अगर उस दिन मैं ऑडिशन देने नहीं जातीं, तो शायद मेरी जिंदगी की दिशा कुछ और होती। एक सवाल के जवाब में अरुणा ने कहा- मेरे घर का माहौल पहले से ही कला और अभिनय से जुड़ा हुआ था। मेरे पिता की अपनी ड्रामा कंपनी थी और मां भी अभिनेत्री थीं, इसलिए परिवार ने कभी मेरे एक्टिंग करियर का विरोध नहीं किया।

बचपन में 'बहुत मार खाई है' मैंने -तृप्ति डिमरी

फिल्म मां बहन के प्रमोशन में व्यस्त अभिनेत्री तृप्ति डिमरी ने अपने बचपन की यादों को ताजा करते हुए मजेदार किस्से सुनाए। तृप्ति ने कहा, मुझे लगता है कि हर किसी को अपने माता-पिता से कभी न कभी तो मार पड़ी होगी। बड़े होते समय मुझे तो काफी मार पड़ी थी। उन्होंने आगे मजाकिया अंदाज में जोड़ा, जिस दिन मुझे मार नहीं पड़ती थी, उस दिन भी मुझे मार पड़ जाती थी... मैं घर जाती थी और कोई कहता था, 'क्या हुआ? तुम आज बहुत खुश लग रही हो। मालूम हो कि तृप्ति डिमरी की फिल्म मां बहन नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है, जिसे लेकर वह उत्साहित हैं। तृप्ति ने आगे बताया कि बचपन में सजा मिलना उनके लिए आम बात थी, लेकिन आज वे उन दिनों को प्यार से याद करती हैं। बातचीत के दौरान तृप्ति डिमरी ने कहा कि फिल्म में मौजूद तीनों मुख्य किरदार अपने-अपने तरीके से मजबूत हैं और सभी के हिस्से में बराबर की मुश्किलें और हंगामे आते हैं। उनके अनुसार, फिल्म का परिवार काफी बिखरा हुआ और अव्यवस्थित है, लेकिन यही इसकी सबसे बड़ी खासियत भी है। कहानी में तीनों किरदार एक ऐसी स्थिति में फंस जाते हैं, जहां उन्हें हालात संभालने के लिए लगातार नए तरीके अपनाने पड़ते हैं। सुरेश त्रिवेणी के निर्देशन में बनी कॉमेडी ड्रामा मां बहन नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है। फिल्म में तृप्ति के साथ माधुरी दीक्षित नेने, धारणा दुर्गा, रवि किशन, गीतांजलि कुलकर्णी, अरुणोदय सिंह और शार्दुल भारद्वाज भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

चुनौतीपूर्ण किरदार निभाना चाहते हैं ऋतिक रोशन

लंबे समय से रोमांटिक और आदर्शवादी नायक की भूमिकाओं में नजर आ रहे बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन का कहना है कि अब वह पर्दे पर कुछ अलग और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाना चाहते हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि फिल्म निर्माताओं की नजर में उनकी छवि अब भी एक अच्छे और नेकदिल नायक की बनी हुई है, जिसके कारण उन्हें उसी तरह की भूमिकाओं के प्रस्ताव अधिक मिलते हैं।ऋतिक रोशन ने एक पोस्ट साझा करते हुए बताया कि यदि उन्हें अवसर मिले तो वह वर्ष 2009 में रिलीज हुई फिल्म 'लक बाय चांस' में निभाए गए अपने किरदार जफ्फर जैसे चरित्र को दोबारा पर्दे पर उतारना चाहेंगे। अभिनेता का मानना है कि उस तरह के किरदारों में अभिनय की नई संभावनाएं तलाशने का अवसर मिलता है और दर्शकों को भी उनका एक अलग रूप देखने को मिल सकता है।

लघु सचिवालय में योग का उत्साह चरम पर, दूसरे दिन सैकड़ों लोगों ने किया योगाभ्यास

पर्यावरण संरक्षण का संदेश, मुख्य अतिथियों को पौधे भेंट कर किया सम्मानित

नरवाना, 13 जून (नरेन्द्र कुमार) : अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के उपलक्ष्य में लघु सचिवालय परिसर में आयोजित तीन दिवसीय योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों और आमजन का उत्साह देखते ही बनता था। प्रात: 6 बजे से साढ़े 7 बजे तक चले योग सत्र में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर स्वस्थ जीवन का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी डॉ. कृष्ण श्योकंद एवं खंड शिक्षा अधिकारी संतोष कौशिक उपस्थित रहे। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए दोनों अतिथियों का पौधे भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया गया। अतिथियों ने स्वयं योगाभ्यास कर उपस्थित लोगों को स्वास्थ्य और प्रकृति के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। आयुष नोडल अधिकारी डॉ. नीरू शर्मा के नेतृत्व में आयोजित शिविर में योग सहायकों प्रमिला, सुखविंदर, रामचंद्र, प्रदीप एवं अरविंद ने प्रतिभागियों को मानकीकृत योग प्रोटोकॉल का अभ्यास करवाया। इस दौरान सूक्ष्म व्यायाम, ताड़ासन, पादहस्तासन, उष्ट्रासन, मकरासन, शवासन, शलभासन, भुजंगासन तथा कपालभाति, अनुलोम-विलोम एवं शीतली प्राणायाम का अभ्यास कराया गया ।शिविर की विशेषता यह रही कि प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस विभाग के कर्मचारी, विभिन्न सरकारी विभागों के प्रतिनिधि, पंच-सरपंच एवं बड़ी संख्या में आमजन एक साथ योग मंच पर दिखाई दिए। कार्यक्रम का ऊर्जावान संचालन श्री जयपाल द्वारा किया गया ।आयुष विभाग की ओर से डॉ. गीता, डॉ. प्रीति पातड़, डॉ. कौशल्या, अनिल, अनुज एवं रानी देवी ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं परिसर की स्वच्छता व्यवस्था संभालने वाले कुलदीप एवं नवीन के कार्य की भी सभी ने सराहना की ।आयुष विभाग ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे शिविर के अंतिम एवं समापन दिवस पर भी अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस नि:शुल्क स्वास्थ्य महाकुंभ का लाभ उठाएं।

सोमनाथ दर्शन कर हिसार लौटे श्रद्धालु

सरकार व प्रशासन की व्यवस्थाओं की सराहना की

हिसार, 13 जून (ब्यूरो) : सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत सोमनाथ की यात्रा पर गए हिसार जिले के श्रद्धालु ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों के दर्शन करने के उपरांत हिसार लौट आए हैं। हिसार पहुंचने पर श्रद्धालुओं ने हरियाणा सरकार एवं जिला प्रशासन द्वारा की गई उत्कृष्ट व्यवस्थाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के माध्यम से उन्हें निशुल्क एवं सुगम यात्रा की सुविधा प्राप्त हुई, जिसके कारण वे बिना किसी बाधा के प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों के दर्शन कर सके। श्रद्धालुओं ने कहा कि यह योजना समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों को देश के प्रमुख तीर्थ स्थलों के दर्शन का अवसर प्रदान कर रही है। उन्होंने इस जनहितैषी पहल के लिए मुख्यमंत्री एवं राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया। श्रद्धालुओं ने यात्रा के दौरान उपलब्ध कराई गई परिवहन, आवास, भोजन तथा अन्य व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि पूरी यात्रा अत्यंत सुव्यवस्थित एवं सुविधाजनक रही।

प्रत्येक सोमवार व वीरवार को प्रात : 10 से 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित

यमुनानगर, 13 जून (दिनेश कुमार) : उपायुक्त प्रीति ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व हरियाणा सरकार की मंशा है कि आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान हो। उन्होंने बताया कि इस उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा जिला मुख्यालय के जिला सचिवालय के सभागार कक्ष 203 में समाधान शिविर आयोजित किया जाता है। कोई भी प्रार्थी अपनी समस्या का समाधान इस शिविर में करवा सकता है।

उन्होंने बताया कि यह समाधान शिविर सप्ताह में दो दिन सोमवार व वीरवार सुबह 10 से 12 बजे तक आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि समाधान शिविर का आयोजन जिला व उपमंडल दोनों स्तरों पर किया जा रहा है। उपायुक्त ने बताया कि इन समाधान शिविरों में अपनी समस्याओं को लेकर आने वाले प्रत्येक प्रार्थी की समस्याओं को मौके पर ही निपटान करने का भरसक प्रयास किया जाता है।

उपायुक्त प्रीति ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान शिविर में आने वाली सभी समस्याओं का तत्काल समाधान करें। यदि कोई समस्या का समाधान दस्तावेजों या अन्य जांच पर आधारित है तब भी उसका समयबद्ध होकर जल्द निपटान करवाना सुनिश्चित करें।

तीन दिवसीय ब्लॉक स्तरीय योग प्रोटोकॉल अभ्यास का सफल समापन : डा. मंजू शर्मा

कुरुक्षेत्र, 13 जून (करणदीप सिंह) : जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डा. मंजू शर्मा ने कहा कि आयुष हरियाणा व जिला प्रशासन के तत्वाधान में आयोजित तीन दिवसीय योग प्रोटोकॉल अभ्यास कार्यक्रम का समापन किया गया। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डा. मंजू शर्मा ने कहा कि 12 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के उपलक्ष्य में पूर्व गतिविधि कार्यक्रम के अंतर्गत जिला प्रशासन एवं आयुष विभाग द्वारा 15 जून 2026, सोमवार को प्रात: 6 बजे ब्रह्मसरोवर, कुरुक्षेत्र से पैदल

मैराथन का आयोजन किया जा रहा है। योग युक्त-नशा मुक्त हरियाणा थीम पर आधारित यह वॉकथॉन स्वस्थ, सक्रिय एवं योगमय जीवन का संदेश देगा। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. मंजू शर्मा ने जिले वासियों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में इस वॉकथॉन का हिस्सा बनें और हर घर योग, हर घर निरोग के संकल्प के साथ 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के संदेश को जन-जन तक पहुंचाए। इस कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथियों एवं पंचायत सचिवों को पौधे भेंट कर सम्मानित किया गया तथा प्रतिभागियों द्वारा पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित जीवनशैली का संदेश दिया गया। इस तीन दिवसीय योग प्रोटोकॉल अभ्यास कार्यक्रम में जिले के विभिन्न ब्लॉकों एवं योग केंद्रों पर कुल 385 साधक-साधिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस कार्यक्रम में ब्लॉक बाबैन के बीडीपीओ कार्यालय से सरपंच संजीव सिंगला तथा ब्लॉक शाहाबाद मारकंडा के पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में बीडीपीओ कार्यालय के सचिव रणजीत ने भी योग का अभ्यास किया। इस अवसर पर ब्लॉक पिहोवा के बीडीपीओ कार्यालय में पतंजलि के जिला प्रभारी बलविंदर सिहाग, ब्लॉक ईस्माइलाबाद के बीडीपीओ कार्यालय में दुनियां माजरा के सरपंच गुरबाज सिंह, सेक्टर-5, कुरुक्षेत्र में देवी दयाल तथा एसएमबी स्कूल, जीवीएम निगदू, करनाल के प्रधानाचार्य सोमनाथ शर्मा उपस्थित रहे।

एक पेड़ मां के नाम व हरित भारत निर्माण संकल्प के तहत पेड़ लगाए

मूनक, 13 जून (जय भगवान) : मूनक खंड कार्यालय में शनिवार को एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत खंड कार्यालय, शमशान घाट व तालाब के चारों तरफ पौधारोपण किया। जिसमें खंड विकास एंव पंचायत अधिकारी उम्मेद सिंह ने बताया कि हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए ताकि वातावरण स्वच्छ रहे। सरकार के द्वारा चलाई गई एक पेड़ मां के नाम अभियान के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भारत के निर्माण का हमें संकल्प लेना चाहिए और प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पेड़ आवश्यक लगाना चाहिए। पर्यावरण स्वच्छ रहेगी तो हमारा स्वास्थ्य भी ठीक रहेगा। सरपंच ओमप्रकाश ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफल नेतृत्व की सेवा ,सुशासन एवं जनकल्याण के 12 गौरवशाली वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में गांव में पौधारोपण का कार्यक्रम किया गया। जिसमें 100 पेड़ फलदार व छायादार पौधारोपण किए। पेड़ों का हमारे जीवन में गहरा नाता है पेड़ हमें सांस लेने के लिए ऑक्सीजन गैस देते हैं जो हमें सांस लेने में सहायता होती है। आज पर्यावरण को देखते हुए हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए अगर आगे हमारे बच्चों का इनका ज्यादा से ज्यादा लाभ मिल सके। इस दौरान थाना प्रभारी राजेश कुमार, बाबा धोनी दास, अजय कुमार, नेत्रपाल राणा, जगबीर कुंडू, शक्ति पंच, भगता राम, जयकिशन सहित आदि मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार की 12 साल की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा चलाया जा रहा है विशेष टीकाकरण अभियान

सोनीपत, 13 जून (ब्यूरो) : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 12 साल में सरकार द्वारा जन कल्याण के लिए बनाई गई योजनाओं व नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा उप-निदेशक डॉ. रविन्द्र हुड्डा के नेतृत्व में जिला में पशु टीकाकरण एवं जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान विभाग की टीमें गांव-गांव एवं घर-घर पहुंचकर पशुओं को विभिन्न संक्रामक बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण कर रही हैं। टीकाकरण अभियान के तहत पशुपालकों को पशुओं में होने वाली विभिन्न बीमारियों, उनके लक्षणों, बचाव एवं समय पर उपचार के बारे में भी जागरूक किया जा रहा है। विभागीय अधिकारियों एवं पशु चिकित्सकों द्वारा पशुपालकों को पशुओं के स्वास्थ्य प्रबंधन, संतुलित आहार, स्वच्छता एवं नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व के बारे में जानकारी दी जा रही है। शनिवार को टीकाकरण अभियान के अंतर्गत गांव मुडलाना स्थित गौशाला, गांव भैरा बाकीपुर, बड़ौता सहित जिला के विभिन्न गांवों में विभाग की टीमों ने पहुंचकर दुधारू पशुओं एवं अन्य पालतू पशुओं का टीकाकरण किया। इसके साथ-साथ कुत्तों को रेबीज से बचाव के लिए एंटी-रेबीज वैक्सीन भी लगाई गई। उपनिदेशक डॉ. रविंद्र हुड्डा ने बताया कि पशुधन किसानों और पशुपालकों की आर्थिक समृद्धि का महत्वपूर्ण आधार है। पशुओं को संक्रामक बीमारियों से सुरक्षित रखना विभाग की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से जिला भर में विशेष टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है ताकि पशुओं को लंपी स्किन डिजीज, खुरपका-मुंहपका, ब्रुसेलोसिस, गलघोटू तथा अन्य संक्रामक रोगों से बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पशुपालन क्षेत्र के विकास, पशुपालकों की आय बढ़ाने तथा पशुधन संरक्षण के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। सरकार पशुपालकों को बेहतर पशु चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा आधुनिक पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। विभाग का प्रयास है कि जिले का प्रत्येक पशुपालक इन सुविधाओं का लाभ उठाए और अपने पशुधन को स्वस्थ एवं सुरक्षित रखे। अभियान के दौरान विभागीय अधिकारियों ने पशुपालकों से अपील की कि वे अपने सभी पशुओं का समय पर टीकाकरण करवाएं तथा किसी भी प्रकार की बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत निकटतम पशु चिकित्सालय या विभागीय अधिकारियों से संपर्क करें। उन्होंने कहा कि समय पर टीकाकरण एवं उचित देखभाल से पशुओं को गंभीर बीमारियों से बचाया जा सकता है और पशुपालकों को आर्थिक नुकसान से भी बचाया जा सकता है।

डीसी ने मेरठ रोड तक बनने वाली सड़क के कार्य का किया निरीक्षण

करनाल, 13 जून (मीनाक्षी देवी) : डीसी डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने शनिवार को सामुदायिक केंद्र सेक्टर 9 से लेकर नूर महल चौक से होते हुए मेरठ रोड तक बनने वाली सड़क के कार्य का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए कि इस कार्य को एक माह में पूरा करें। यह कार्य 792 लाख रुपये की लागत किया जा रहा है। सडक़ के निर्माण कार्य में देरी के लिए डीसी ने ठेकेदार और अधिकारियों को फटकार लगाई। उन्होंने निर्देश दिए कि इस ठेकेदार को नोटिस जारी किया जाए और इसके खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जाए। इस मौके पर नगर निगम के अधीक्षक अभियंता पुनीत नरवाल और कार्यकारी अभियंता मोनिका शर्मा, जेई गौरव कुमार, जेई रवि कुमार, सुपरवाइजर रामनिवास सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

एक महीने से खराब ट्यूबवैलों की जगह लगेंगे नए ट्यूबवैल, लोगी को मिलेगी राहत

नीलोखेड़ी, 13 जून (सुरेश मिड्डा) : शहर के एक साथ दो ट्यूबवैलों के खराब होने से भीषण गर्मी में पेयजल का संकट खड़ा हो गया है। कुछ ऊंचे इलाकों में पानी नाममात्र पहुंच रहा है जबकि कुछ में पानी की किल्लत हो गई है। हालत को देखते हुए जनस्वास्थ्य विभाग हरकत में आ गया है। विभाग ने जगह के लिए नपा से गुहार लगाई है। नपा ने जगह का चयन करने के बाद जगह देने की सविकृति दे दी है। नीलनगर क्षेत्र में टंकी पार्क में खराब हुआ ट्यूबवैल अब नीलनगर के राम लीला ग्राउंड, तथा पोल्ट्री एरिया में खराब हुआ ट्यूबवैल पोल्ट्री एरिया के राम लीला मैदान में लगाया आएगा। जिस स्थान पर नए ट्यूबवैल लगाए जाने हैं उस जगह की दूरी खराब हुए ट्यूबवैल की जगह से दो सौ गज से अधिक है। जनस्वास्थ्य विभाग के नियमों के अनुसार किसी ट्यूबवैल के खराब होने पर नए ट्यूबवैल की दूरी खराब हुए ट्यूबवैल से कम से कम 150-200 गज होनी चाहिए। नपा ने जगह देने की सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद लिखित में जनस्वास्थ्य विभाग को नए ट्यूबवैल लगाने की सविकृति दी है। शहर के सभी पार्षदों से लिखित में सविकृति ली गई है। गर्मी के मौसम में एक साथ दो ट्यूबवैलों का बोर बैठ जाने से शहर में पेयजल का संकट पैदा हो गया है। जनस्वास्थ्य विभाग ने संकट की घड़ी से बचने के लिए खराब हुए ट्यूबवैलों की सप्लाई को ठीक चल रहे ट्यूबवैलों के साथ जोड़ दिया है।

इसके बावजूद अनेक क्षेत्रों में पानी की सप्लाई ठीक तरीके से नही हो रही है। कुछ क्षेत्रों में पानी की सप्लाई बिल्कुल कम हो रही है।

नपा ने नए ट्यूबवैल लगाने की सविकृति जनस्वास्थ्य विभाग को दे दी है। उपमंडल अभियंता गुरमीत सिंह का कहना है कि गर्मियों के मौसम को देखते हुए मकैनिकल शाखा को लिख दिया गया है। नए ट्यूबवैल लगाने के लिए टेंडर प्रक्रिया जारी है।

डीसी ने नालों की सफाई के कार्यों का किया निरीक्षण

करनाल, 13 जून (यशपाल कादियान) : डीसी डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने बरसाती सीजन के मद्देनजर शनिवार को करनाल शहर में चल रहे नालों की सफाई के कार्यों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह बरसात शुरू होने से पहले पहले सभी नालों की सफाई का कार्य 30 जून से पहले-पहले पूरा करवाया जाए। डीसी आनंद कुमार शर्मा ने अपने दौरे के दौरान सबसे पहले मुगल कैनाल का निरीक्षण किया और वहां चल रहे कार्यों का जायजा लिया। अधिकारियों ने डीसी को जानकारी दी की मुगल कैनाल की सफाई का कार्य आगामी एक सप्ताह तक पूरा हो जाएगा। इसके बाद डीसी ने रामनगर नाले का निरीक्षण किया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर के सभी नालों की सफाई का कार्य आगामी 30 जून से पहले पहले हर संभव पूरा करवाया जाए। यह नाला रामनगर से लेकर शहर के बीचों बीच से गुजरते हुए जीटी रोड 44 राष्ट्रीय राजमार्ग तक जाता है। इस मौके पर नगर निगम के अधीक्षक अभियंता पुनीत नरवाल और कार्यकारी अभियंता मोनिका शर्मा, जेई गौरव कुमार, जेई रवि कुमार, सुपरवाइजर रामनिवास सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

केंद्र सरकार के गौरवशाली 12 वर्ष, विकसित भारत के संकल्प के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश

तरावड़ी, 13 जून (छाया शर्मा) : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के गौरवशाली 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे विशेष जनसंपर्क एवं जागरूकता अभियान के अंतर्गत शनिवार को तरावड़ी स्थित मॉडर्न संस्कृति स्कूल में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नीलोखेड़ी के विधायक भगवानदास कबीरपंथी ने पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। विधायक भगवानदास कबीरपंथी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने पिछले 12 वर्षों में विकास और पर्यावरण संरक्षण को समान प्राथमिकता दी है। एक पेड़ मां के नाम जैसे जन आंदोलनों के माध्यम से देशभर में हरियाली बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी का स्वरूप दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसके वृक्ष बनने तक उसकी देखभाल करनी चाहिए। इससे पर्यावरण संतुलन मजबूत होगा, स्वच्छ हवा मिलेगी और आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने पिछले 12 वर्षों में गरीब कल्याण, आधारभूत ढांचे के विकास, डिजिटल क्रांति, महिला सशक्तिकरण, किसानों के उत्थान और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य किए हैं। आज भारत विश्व मंच पर एक मजबूत और आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर रहा है। इस अवसर पर एसडीएम अशोक कुमार ने भी पौधारोपण कर लोगों से पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति यदि एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करे तो समाज और पर्यावरण दोनों को बड़ा लाभ मिलेगा।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं नागरिकों ने भी पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में नगर पालिका सचिव अजीत कुमार, नायब तहसीलदार निग्ध, वन विभाग एवं पुलिस विभाग के अधिकारी, स्कूल प्रबंधन तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

स्कूल मर्ज होने का कोई प्रस्ताव नहीं : डीईईओ

कर्मचारी संगठनों की शंका का कोई आधार नहीं, बेहतर सुविधाएं देने में जुटी सरकार

कुरुक्षेत्र, 13 जून (करणदीप सिंह) : जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी इंदु कौशिक ने कहा कि जिले के किसी भी प्राथमिक या माध्यमिक विद्यालय को बंद करने या किसी अन्य स्कूल में मर्ज नहीं किया जा रहा है और न ही ऐसा कोई निर्णय लिया गया है। कुछ कर्मचारी व अध्यापक संगठनों ने जिला के बाबैन खण्ड के कुछ स्कूलों को मर्ज करने की शंका जाहिर की है तथा नाराजगी जाहिर की है। कर्मचारी संगठनों को यह शंका निराधार है। इसके विपरीत सरकार व विभाग द्वारा बाबैन खण्ड के स्कूलों में प्राथमिकता के आधार पर सुविधाएं मुहैया करवाई जा रही हैं। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि बाबैन प्रदेश का पहला शैक्षणिक खंड है जिसमें विद्यार्थियों के आने-जाने के लिए विशेष तौर पर रोडवेज की बसें चलाई गई हैं। खण्ड का महत्व इसी बात से स्पष्ट है कि शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव व निदेशक महोदय ने स्वयं राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बाबैन से की थी, 21 मई को विशेष समारोह में विद्यार्थी परिवहन सुरक्षा योजना पार्ट 2 का विधिवत शुभारंभ हुआ था। इसके अतिरिक्त गत वर्ष स्वयं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने एलईडी टीवी व सम्पर्क सेट टॉप बॉक्स वितरित किए थे। अनेक प्राथमिक स्कूलों में स्मार्ट बोर्ड भी वितरित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों, अध्यापकों व कर्मचारी संगठनों को किसी प्रकार की चिंता नहीं करनी चाहिए तथा इन शंकाओ से दूर रहकर विद्यालय व विभाग की बेहतरी व बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए विभाग के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करें। उन्होंने कहा कि कुछ विद्यालयों में छात्रों की संख्या में कमी सभी के लिए चिंता का विषय जरूर है जिसके लिए अध्यापकों, अभिभावकों, विद्यालय प्रबंधन समितियों के साथ-साथ ग्राम पंचायतों को भी आगे आकर सरकारी विद्यालयों में दाखिले के लिए मुहिम चलानी चाहिए।

अग्रवाल वैश्य समाज हरियाणा का प्रदेश प्रवक्ता नियुक्त होने पर डॉ. प्रदीप गोयल को मिली नई जिम्मेदारी

शाहाबाद मारकंडा, 13 जून (रूबी) : सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाने वाले डॉ. प्रदीप गोयल को अग्रवाल वैश्य समाज, हरियाणा का प्रदेश प्रवक्ता नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति अग्रवाल वैश्य समाज के प्रदेशाध्यक्ष अशोक बुवानीवाला द्वारा की गई है। संगठन के महासचिव बलराम गुप्ता द्वारा जारी नियुक्ति पत्र में यह जानकारी दी गई। जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार डॉ. प्रदीप गोयल की सामाजिक सक्रियता, संगठन के प्रति समर्पण तथा लंबे अनुभव को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। संगठन ने विश्वास जताया है कि डॉ. गोयल अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए प्रदेश स्तर पर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे। डॉ. प्रदीप गोयल संगठन की नीतियों एवं उद्देश्यों के अनुरूप कार्य करते हुए समाज के हितों को आगे बढ़ाने का कार्य करेंगे। उनके नेतृत्व, अनुभव और समाज सेवा के प्रति समर्पण से संगठन को नई ऊर्जा एवं नई दिशा प्राप्त होगी। संगठन के पदाधिकारियों ने आशा व्यक्त की है कि उनकी नियुक्ति से समाज के लोगों को एक मजबूत आवाज मिलेगी तथा संगठन की गतिविधियों को व्यापक स्तर पर मजबूती मिलेगी। अग्रवाल वैश्य समाज के महासचिव बलराम गुप्ता ने डॉ. गोयल को इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए बधाई दी। बता दें कि डा. प्रदीप गोयल महाराजा अग्रसेन एजुकेशन सोसायटी के चेयरमैन, अग्रवाल सभा के प्रधान व ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के शहरी अध्यक्ष के पद पर भी लम्बे समय तक कार्य कर चुके है। डा. प्रदीप गोयल की नियुक्ति पर महाराजा अग्रसेन एजुकेशन सोसायटी के प्रधान पवन अग्रवाल, बसंत गुप्ता, विजय भूषण गर्ग, संजय गर्ग, अमृत गुप्ता आशु, हैल्पर सोसायटी के प्रधान तिलक राज अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य लोगों ने स्वागत किया है। डॉ. गोयल की नियुक्ति से क्षेत्र के सामाजिक एवं व्यापारी वर्ग में खुशी का माहौल है। नियुक्ति के बाद डॉ. प्रदीप गोयल ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका वह पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि समाज की एकता, संगठन की मजबूती तथा जनहित के कार्यों को आगे बढ़ाना उनकी प्राथमिकता रहेगी।

दिल्ली सरकार ने फायर सर्विस में किया बड़ा बदलाव

नई दिल्ली 13 जून (संजय बंसल) राजधानी में भीषण गर्मी के बीच आग लगने की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। हाल के दिनों में हौजरानी और विवेक विहार समेत कई बड़े अग्निकांडों में लोगों की जान जाने के बाद दमकल विभाग की व्यवस्था और घटनास्थल तक पहुंचने में लगने वाले समय को लेकर सवाल उठे थे। इन चुनौतियों से निपटने के लिए दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) अब अपनी सेवाओं को आधुनिक तकनीक से लैस करने की तैयारी में है। विभाग जल्द ही 'ऑनलाइन डिजिटल प्लेटफॉर्म ऑफ दिल्ली फायर सर्विस' शुरू करने जा रहा है। इसके तहत एक मोबाइल एप विकसित किया जाएगा, जिसे आम नागरिक अपने स्मार्टफोन में इंस्टाल कर सकेंगे। आग लगने की सूचना देने के बाद कालर इस एप के माध्यम से दमकल वाहन की लाइव लोकेशन देख सकेगा और यह जान पाएगा कि राहत दल कितनी देर में घटनास्थल तक पहुंचेगा। योजना के अनुसार, विभाग के सभी दमकल वाहनों में जीपीएस ट्रैकर और अत्याधुनिक कैमरे लगाए जाएंगे। इन कैमरों की सहायता से कंट्रोल रूम में बैठे अधिकारी घटनास्थल पर चल रहे राहत और बचाव कार्यों की रीयल टाइम निगरानी कर सकेंगे। इससे आपातकालीन स्थिति में बेहतर समन्वय स्थापित होगा और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त संसाधन भी तुरंत भेजे जा सकेंगे। अधिकारियों के अनुसार, नई तकनीक का सबसे बड़ा लाभ घटनास्थल की सटीक पहचान में मिलेगा। वर्तमान में दमकल विभाग को आग लगने की सूचना मुख्य रूप से दो स्रोतों से प्राप्त होती है।

बेसमेंट में सो रहे 6 लोगों की नींद में ही हुई मौत

नई दिल्ली 13 जून (संजय बंसल) दक्षिणी दिल्ली में हौजरानी स्थित अवैध होटल में हुए भीषण अग्निकांड की जांच में सामने आए तथ्यों ने हादसे की भयावहता को और स्पष्ट कर दिया है। पुलिस की प्रारंभिक जांच के बाद सामने आ रहा है कि किचन में लगी आग डीप फ्रीजर के कंप्रेसर में हुए धमाके के बाद अचानक विकराल रूप ले गई। वहीं, बेसमेंट के कमरों में सो रहे छह लोगों को आग और धुएं का अंदाजा तक नहीं लग सका और उनकी नींद में ही मौत हो गई। पुलिस जांच में सामने आया है कि घटना वाले दिन सुबह करीब आठ बजे होटल का रसोइया केशव नेगी ड्यूटी पर पहुंचा था। उसने किचन में इलेक्ट्रिक स्टोव, एयर फ्रायर और डीप फ्रायर चालू किए। करीब 8:40 बजे एयर फ्रायर में कथित तौर पर शॉर्ट-सर्किट हुआ, जिससे आग लग गई। पास में मौजूद डीप फ्रायर में भरे तेल ने आग को तेजी से फैलाने का काम किया। उस समय किचन में कोई दूसरा कर्मचारी मौजूद नहीं था। पुलिस सूत्रों ने बताया कि अभी तक की जांच के बाद आशंका जताई जा रही है कि आग लगने के करीब 20 मिनट बाद किचन में रखा डीप फ्रीजर तेज धमाके के साथ फट गया। माना जा रहा है कि उसके कंप्रेसर में विस्फोट हुआ, जिसके बाद आग ने देखते ही देखते पूरे ग्राउंड फ्लोर को अपनी चपेट में ले लिया। धमाके के बाद आग और धुएं का फैलाव इतना तेज था कि भवन के ऊपरी हिस्सों में ठहरे लोगों को बाहर निकलने का पर्याप्त समय नहीं मिल सका। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि बेसमेंट के प्रवेश द्वार पर पहले से ताला लगा हुआ था। हालांकि वहां जाने के लिए सीढ़ियां और लिफ्ट मौजूद थीं, लेकिन धुएं के तेजी से भर जाने के कारण अंदर फंसे लोगों के लिए बचाव का कोई रास्ता नहीं बचा। ताला लगा होने के चलते बचाव टीम भी आसानी से अंदर नहीं जा सकी थी। इस बीच, पुलिस अब आग के फैलाव के पूरे घटनाक्रम का वैज्ञानिक अध्ययन कराने की तैयारी कर रही है। इसके लिए आइआइटी दिल्ली की मदद ली जाएगी। विशेषज्ञ यह पता लगाएंगे कि किचन में लगी आग डीप फ्रीजर के कंप्रेसर के धमाके के बाद इतनी तेजी से पूरे भवन में कैसे फैल गई।

मां-बेटे सहित एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत

नई दिल्ली 13 जून (संजय बंसल) दिल्ली के गोविंदपुरी में देर रात एक 5 मंजिला मकान में लगी भीषण आग एक परिवार के लिए काल बन गई। इस हादसे में जहां मां-बेटे और बेटी की मौत हो गई। अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रहे दो लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। दक्षिणी दिल्ली के गोविंदपुरी इलाके में देर रात हुए भीषण अग्निकांड ने एक परिवार को बड़ा गहरा जख्म दे दिया। आग की इस दर्दनाक घटना में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की आग में झुलसकर मौत हो गई, जबकि परिवार की दो अन्य महिलाएं गंभीर रूप से घायल हैं और अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। मृतकों की पहचान 28 वर्षीय पंकज, उसकी 50 वर्षीय मां गुड्डी और 20 वर्षीय बहन सोनी के रूप में हुई है। घटना के वक्त तीनों तुगलकाबाद गांव स्थित मकान की तीसरी मंजिल पर मौजूद थे, जब रात के समय अचानक आग लग गई। आग तेजी से फैलने के कारण परिवार के सदस्य उसकी चपेट में आ गए। दमकल कर्मियों और स्थानीय लोगों की मदद से सभी को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन पंकज, उसकी मां और बहन को बचाया नहीं जा सका। हादसे में पंकज की 18 वर्षीय बहन मोनी और उसकी करीब 70 वर्षीय नानी भी गंभीर रूप से झुलस गईं। दोनों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। डॉक्टरों के अनुसार उनकी स्थिति अभी भी नाजुक बनी हुई है और उन्हें लगातार निगरानी में रखा गया है।

आग से बचाव पर दिल्ली सरकार का बड़ा प्लान

नई दिल्ली 13 जून (निस) राजधानी में हुए 3 भीषण अग्निकांडों को देखते हुए दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार 15 मीटर से कम ऊंचे घरों और बिल्डिंगों के लिए आग से सुरक्षा के उपाय अनिवार्य कर सकती है। पहले पालम और फिर विवेक विहार अब मालवीय नगर के हादसे ने सरका दिल्ली सरकार कम ऊंचाई वाली रिहायशी इमारतों में स्मोक डिटेक्टर और फायर एक्सटिंग्विशर जैसे आग से सुरक्षा के उपाय अनिवार्य करने के लिए नियम बनाने पर विचार कर रही है। यह कदम हाल ही में मालवीय नगर, विवेक विहार और पालम में आग लगने की उन घटनाओं के बाद उठाया जा रहा है, जिनमें कई लोगों की जान चली गई थी। अधिकारियों ने बताया कि सरकार खास तौर पर 15 मीटर से कम ऊंचाई वाली रिहायशी इमारतों में आग से सुरक्षा के उपाय अनिवार्य करने की सिफारिश पर गंभीरता से विचार कर रही है। मौजूदा नियमों के तहत ऐसी इमारतों के लिए फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं होती है। फिलहाल, हाइड्रेंट, एक्सटिंग्विशर और स्मोक डिटेक्टर जैसे फायर सेफ्टी उपकरण मुख्य रूप से ऊंची इमारतों और ऐसी संरचनाओं में अनिवार्य हैं, जिनके लिए फायर एनओसी की जरूरत होती है। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली फायर सर्विस ने भी सभी घरों में स्मोक डिटेक्टर और एक्सटिंग्विशर अनिवार्य करने की सिफारिश की है और मौजूदा इमारतों में आग से सुरक्षा के बुनियादी उपकरण लगाने के लिए एक चरणबद्ध योजना का सुझाव दिया है।

दिल्ली के पहाड़गंज में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ 1 आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली 13 जून (निस) दिल्ली पुलिस ने राजधानी के पहाड़गंज इलाके में कुतुब रोड पर स्थित सरन बिल्डिंग में चल रहे सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस छापेमारी के दौरान सेक्स रैकेट चलाने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है और चार महिलाओं को छुड़ाया है। इस ऑपरेशन को सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट पुलिस और नबी करीम थाने की टीम ने मिलकर अंजाम दिया। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के डीसीपी रोहित राजबीर सिंह ने बताया 11 जून 2026 की शाम करीब 7:30 बजे एक मुखबिर ने नबी करीम थाने के एसएचओ को पहाड़गंज इलाके में कुतुब रोड पर स्थित एक बिल्डिंग से कथित तौर पर चलाए जा रहे सेक्स रैकेट के बारे में जानकारी दी थी। एसएचओ ने इस सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस की एक रेडिंग टीम बनाकर उचित कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इस टीम में सब-इंस्पेक्टर हर्ष, महिला एसआई श्रुति, हेड कॉन्स्टेबल सुनील अधाना, हेड कॉन्स्टेबल विकास, कॉन्स्टेबल धनसी, कॉन्स्टेबल फेरू और महिला कॉन्स्टेबल निशु शामिल थे। टीम ने मुखबिर द्वारा दी गई सूचना की पुष्टि करने के लिए कॉन्स्टेबल फेरू को नकली ग्राहक बनाकर उस बिल्डिंग में भेजा, जहां पर सेक्स रैकेट चलाया जा रहा था। सूचना की पुष्टि होने पर पुलिस टीम ने बिल्डिंग पर छापेमारी कर कथित सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ करके 29 वर्षीय शाहरुख नाम के एक आरोपी गिरफ्तार कर लिया। शाहरुख दिल्ली के ही लक्ष्मी नगर का रहने वाला है। इसके अलावा पुलिस द्वारा दिल्ली के द्वारका में रहने वाले बिल्डिंग मालिक 58 वर्षीय हरिकिशन उर्फ राजू चैंपियन के खिलाफ भी अलग से एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने आरोपी शाहरुख के खिलाफ भी नबी करीम थान में बीएनएस की संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज की है।

पंजाब में भाजपा आएगी..सैनी

पृष्ठ एक का शेष ... उद्योगपतियों को उनके उद्योगों के अनुकूल माहौल देकर पंजाब को देश में नंबर वन सूबा बनाएंगे।हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आगे कहा कि जब से देश की बागडोर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के हाथों में आई है , तब से सामाजिक न्याय को केवल नारे के रूप में नहीं, बल्कि नीति और नियत दोनों के रूप में लागू किया गया है। प्रधानमंत्री स्वयं ओ.बी.सी. समाज से हैं। उन्होंने हमेशा समाज के वंचित, पिछड़े और गरीब वर्गों को मुख्यधारा में लाने का काम किया है।उन्होंने उदाहरण देकर बताया कि भारतीय जनता पार्टी ने ओबीसी समाज को केवल एक वोट बैंक के रूप में नहीं देखा, उसे नेतृत्व का अवसर देकर सशक्त बनाया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में उनके मंत्रिमंडल में 27 ओ.बी.सी. मंत्री हैं। आज देश के भाजपा शासित 5 राज्यों में ओ.बी.सी. समाज के मुख्यमंत्री हैं। यह पूरे ओ.बी.सी. समाज के गौरव और सम्मान का प्रतीक है। श्री नायब सिंह सैनी ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ओ.बी.सी. आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया गया, यह एक ऐतिहासिक कदम था, जिसने इस समाज को अधिकारों की नई शक्ति प्रदान की। मेडिकल और उच्च शिक्षा में ओ.बी.सी. वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देकर शिक्षा के द्वार और अधिक खोले गए। आज देश के विश्वविद्यालयों, इंजीनियरिंग और मेडिकल संस्थानों में ओ.बी.सी. वर्ग के युवाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है।हरियाणा के लोकनिर्माण मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने अपने सम्बोधन में कहा कि उन्होंने इस सम्मेलन की तैयारियों के सिलसिले में कई गांवों में जाने का अवसर मिला है , युवा नशे के दुष्चक्र में फंसे हुए हैं। माताएं , बहनें अपनी पीड़ा को बयां करती हैं तो उनका दु:ख असहनीय दिखाई देता है। जनता सरकार के बदलाव का इन्तजार कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा ही पंजाब को इस नशे के दलदल से निकाल सकती है। इस अवसर पर पंजाब भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लो, पूर्व अध्यक्ष सुनील जाखड़, विधायक संदीप जाखड़ एवं गुरबीर सिंह बराड़ , जिला प्रधान सरदार सुखविंदर सिंह कम्बोज समेत अन्य नेताओं ने भी अपने विचार रखे।

मनोहर लाल ....

पृष्ठ एक का शेष ..में हालात के हिसाब से फैसला लिया जा सकता है। ड्रोन के जरिए पंजाब में हथियार और ड्रग्स आने के मुद्दे पर केंद्र सरकार पर लगाए गए आरोपों को खारिज करते हुए खट्टर ने कहा कि विपक्षी पार्टियां भाजपा पर बेबुनियाद आरोप लगा रही हैं क्योंकि उनके पास कोई ठोस मुद्दा नहीं है। उन्होंने कहा कि जनता समझदार है और वे काम के आधार पर ही अपने फैसले लेती है। केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि देश में इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में तेजी से विकास हुआ है और सड़क, रेलवे, हवाई सेवाओं और बिजली उत्पादन में बड़े सुधार हुए हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का लक्ष्य सेवा, विकास और आत्मनिर्भर भारत के विचार को और मजबूत करना है।

चंडीगढ़ में हत्या ....7 राउंड फायरिंग की और कुछ ही सेकंड में मौके से फरार हो गए।इस फायरिंग की घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर पूरे मार्केट क्षेत्र को सील कर लिया और जांच शुरू कर दी। कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि, पुलिस रंगदारी के एंगल से देख रही है। सूत्रों के मुताबिक उक्त मार्केट में स्थित एक अन्य मेडिकल स्टोर के मालिक को धमकी मिली थी। गैंगस्टर गोल्डी बराड़ गैंग की ओर से धमकियां मिल चुकी थीं। इस धमकी मिलने के बाद से मेडिकल स्टोर के मालिक को सुरक्षा मुहैया करवाई गई थी। हालांकि पुलिस ने किसी गैंग की संलिप्तता की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।हैरानी की बात यह है कि जिस स्थान पर फायरिंग हुई, वहां से कुछ ही दूरी पर पुलिस का नाका लगा हुआ था। लेकिन हमलावर इसके बावजूद वारदात को अंजाम देकर आसानी से फरार हो गए। फिलहाल पुलिस ने इलाके में सतर्कता बढ़ा दी है।

विकास गर्ग से जुड़े मामलों की सुनवाई स्थगित प्रधान जिला न्यायाधीश ने मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली 13 जून (निस) तीस हजारी स्थित प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश (पीडीजे) की अदालत ने विकास गर्ग और उनसे संबद्ध कंपनियों से जुड़े मामलों में महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश पारित करते हुए तीस हजारी स्थित न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (जेएमएफसी-01) की अदालत में लंबित कार्यवाही पर रोक लगा दी है। अदालत ने संबंधित ट्रांसफर याचिकाओं पर अंतिम निर्णय होने तक मामलों में आगे की सुनवाई स्थगित रखने का निर्देश दिया है। विकास गर्ग और उनसे जुड़ी कंपनियों की ओर से दायर ट्रांसफर याचिकाओं में कहा गया था कि जिन परिस्थितियों में विभिन्न कार्यवाहियां ट्रायल कोर्ट में संचालित की जा रही हैं, उनसे निष्पक्ष सुनवाई को लेकर आशंकाएं उत्पन्न हुई हैं।

दिल्ली में मानसून से पहले जलभराव की आशंका से आरडब्ल्यूए चिंतित

नई दिल्ली 13 जून (निस) गर्मी व लू के प्रकोप के बीच बेसब्री से मानसून का इंतजार हो रहा है, लेकिन मानसून के साथ जलभराव व हादसों की आशंका भी आरडब्ल्यूए की चिंता को बढ़ा रही है। वे राज्य सरकार को आगाह करते हुए एकीकृत जल निकासी प्रबंधन पर युद्धस्तर पर कार्य करने की अपील कर रही है। विभिन्न निकायों और सरकार का दावा है कि वर्षा जल निकासी का प्रबंधन बेहतर है पर विभिन्न आरडब्ल्यूए के अनुसार, सरकारी दावे और जमीनी हकीकत में काफी अंतर है। कुछ दिन पूर्व हल्की वर्षा में ही आइटीओ व रिंग रोड समेत दक्षिणी दिल्ली के कई इलाकों में जलभराव हो गया था। ऐसे में पूरी व्यवस्था की रियल टाइम मानिटरिंग हो।

संक्षिप्त समाचार

शिक्षा निदेशालय का आदेश, दिल्ली में स्कूली बच्चों के लिए नया नियम

नई दिल्ली 13 जून (निस) स्कूल छोड़ने वाले छात्रों की बढ़ती संख्या पर रोक लगाने के लिए दिल्ली सरकार ने सरकारी स्कूलों को विशेष निर्देश जारी किए हैं। शिक्षा निदेशालय ने नौवीं में एक से अधिक बार असफल या कंपार्टमेंट आने वाले छात्रों की पहचान कर उनकी और उनके अभिभावकों की काउंसलिंग करने को कहा है। इसका उद्देश्य ऐसे छात्रों को पढ़ाई से जुड़ा रखना और उन्हें शिक्षा व्यवस्था से बाहर होने से बचाना है। नौवीं के कंपार्टमेंट परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद स्कूल प्रधानाचार्यों को निर्देश दिया गया है कि वे जोखिम वाले छात्रों और उनके परिवारों से व्यक्तिगत रूप से संपर्क करें। स्कूल प्रधानाचार्यों को छात्रों और अभिभावकों को बैठक के लिए आमंत्रित कर सहयोगात्मक और सकारात्मक माहौल में चर्चा करने को कहा गया है, ताकि छात्र अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए प्रेरित हों।

लखनऊ-दिल्ली फ्लाइट के टेक ऑफ से ठीक पहले मचा हड़कंप, रोकी उड़ान

नई दिल्ली 13 जून (निस) लखनऊ से दिल्ली के लिए उड़ाने भरने के लिए तैयार इंडिगो की फ्लाइट को बम की सूचना पर अंतिम समय में टेक ऑफ से रोक दिया गया। विमान को रनवे से वापस एप्रन में लाकर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। फिलहाल कोई संदिग्ध वस्तु उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शुक्रवार को उस समय हड़कंप और अफरातफरी मच गई जब टेक ऑफ के लिए तैयार इंडिगो के विमान में बम की सूचना मिली। सूचना मिलते ही सुरक्षा एजेंसियों हाई अलर्ट पर आ गईं और विमान को रनवे से दोबारा एप्रन में लाया गया। यात्रियों को विमान से उतारने के बाद चप्पे-चप्पे की तलाशी ली गई। सघन तलाशी के बाद कुछ भी संदिग्ध नहीं मिलने पर सभी ने राहत की सांस ली है। हालांकि इस दौरान विमान के लेट होने से यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा है। विमान में 180 यात्री सवार थे। सूत्रों के अनुसार इंडिगो का विमान 180 यात्रियों को लेकर लखनऊ से दिल्ली के लिए उड़ान भरने को तैयार था। सुबह करीब 10:45 बजे उसे टेकऑफ करना था। सभी यात्री अपनी सीटों पर बैठ चुके थे और विमान उड़ान भरने की अंतिम तैयारियों में था। इसी दौरान विमान के केबिन क्रू (चालक दल) को विमान के अंदर ही एक संदिग्ध वस्तु मिलने की सूचना मिली। एक सूत्र ने बताया कि विमान के भीतर बने शौचालय की जांच में एक टिशू पेपर मिला। इस पर अंग्रेजी में बड़े अक्षरों में बम लिखा हुआ था। इस पर्ची को देखते ही क्रू मेंबर्स के होश उड़ गए और उन्होंने तुरंत इसकी जानकारी एयरपोर्ट अथॉरिटी और सुरक्षा अधिकारियों को दी।

अमृतपाल सिंह प्रिंटर, पब्लिशर व संपादक ने जेएसडी पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए आईजी प्रिंटर्स प्रा.लिमि., 104, डीएसआईडीसी, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-20 के मालिक/कीपर जगपाल सिंह से छपवा कर कार्यालय दैनिक भारत देश हमारा 24/34 तिलक नगर नई दिल्ली से प्रकाशित किया।
PRGI (RNI) Regd. No.57282/1994

हिंदू महासभा के राष्ट्रीय महासचिव अमित खत्री ने सीएम योगी को दी हार्दिक शुभकामनाएं

पटियाला 13 जून (निस) अखिल भारत हिंदू महासभा ने सनातन संस्कृति पुरोधा उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से उनके जन्मदिन पर शिष्टाचार मुलाक़ात कर उन्हे शुभकामनाएं प्रेषित की। खत्री ने योगी जी को पुष्पगुच्छ व रुद्राक्ष माला भेंट कर अभिवादन किया। योगी महाराज जी ने भी अंगवस्त्र भेंट कर खत्री को आशीर्वाद दिया व सनातन संस्कृति हिंदुत्व को मजबूत करने हेतू दिशा निर्देश दिये। योगी जी ने ही वर्ष 2002 मे सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन हिंदू युवा वाहिनी का गठन किया था जिसके अंतर्गत देश व प्रदेश मे हिंदुत्व के लिए अनेको कार्य किये गये थे।

खत्री ने बताया की हिंदुत्व की रक्षा के लिए भगवा कमांडो तैयार किये जायेंगे जो प्रत्येक प्रदेश व जिला स्तर पर सनातन संस्कृति की रक्षा के लिए कार्य करेगे। योगी आदित्यनाथ ने खत्री को पूर्ण समर्थन दिया और सजग होकर कार्य करने के निर्देश दिये। देश मे जहा कई भी हिंदुत्व विरोधी गतिविधियां नजर आये वहाँ जाकर पूरे मामले को संज्ञान मे ले उस पर उचित कारवाई करने हेतू खत्री को निर्देश दिये। जो भी अलग धर्मो के लोग भारत मे रह कर भारत के ही हिंदू धर्म के व्यक्तियों का धर्मांतरण करा अपनी दुकानदारी चला रहे है उन पर नजर रख उचित कारवाई कर उन्हे सबक सिखाया जाये। योगी आदित्यनाथ महाराज ने सभी को पेड़ अधिक से अधिक लगाने के लिए भी बल दिया।आज उन्होंने 5 करोड़ पेड़ लगाने की मुहिम की शुरुआत भी की एक पेड़ माँ के नाम से पर्यावरण को शुद्ध करने हेतू कदम उठाया। उन्होंने खत्री को निर्देशित किया गौ माता हमारी राष्ट्र माता है उसकी रक्षा के लिए हम सब प्रतिबद्ध है। योगी जी ने अमित खत्री को निर्देशित किया आप देश मे कार्य करे सभी हिंदू भाईयो को जोड़ने के कार्य करे। कही भी हमारे हिंदू भाई बहन पर किसी भी तरह का कोई अत्याचार हो तो उसके विरुद्ध उचित कारवाई कर उसे सबक सिखाया जाये।हमारा आशीर्वाद आपके साथ है।

भाजपा से कांग्रेस तक का सफर, जसपाल राणा ने राजनीति में भी आजमाया हाथ

नई दिल्ली 13 जून (निस)भारतीय निशानेबाजी के प्रसिद्ध कोच जसपाल राणा ने राजनीति में भी अपनी किस्मत आजमाई थी। 2006 एशियाई खेलों के तुरंत बाद वे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए और 2009 के लोकसभा चुनाव में उत्तराखंड की टिहरी सीट से चुनाव लड़ा। हालांकि, उन्हें कांग्रेस उम्मीदवार विजय बहुगुणा के हाथों हार का सामना करना पड़ा। 2012 में भाजपा से विधानसभा टिकट न मिलने के बाद राणा ने कांग्रेस का दामन थाम लिया। कांग्रेस में शामिल होने के बाद जसपाल राणा को 2012 के उत्तराखंड विधानसभा चुनावों में पार्टी का स्टार प्रचारक बनाया गया। हरीश रावत के नेतृत्व वाली सरकार में उन्हें एक छोटी भूमिका भी सौंपी गई। 2017 के विधानसभा चुनावों के दौरान भी उन्होंने पार्टी के लिए प्रचार कार्य जारी रखा। हालांकि, सक्रिय राजनीति से दूरी बनाते हुए वे बाद में खेल और प्रशिक्षण की ओर लौट आए। एक दशक से अधिक समय तक जसपाल राणा ने भारतीय निशानेबाजी की नई पीढ़ी को तराशने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके मार्गदर्शन में कई प्रतिभाशाली निशानेबाज अंतरराष्ट्रीय पटल पर चमके। खासतौर पर मनु भाकर, सौरभ चौधरी और अनीश भानवाला जैसे खिलाड़ियों ने उनके कोचिंग में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अनेक अंतरराष्ट्रीय पदक जीते। भारतीय निशानेबाजी में प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें निखारने वाले सबसे सफल कोचों में जसपाल राणा का नाम प्रमुखता से लिया जाता है।

दिल्ली के स्वरूप नगर में ड्रग्स फैक्ट्री का भंडाफोड़ पुलिस को देखकर चौथी मंजिल से कूदी विदेशी महिला मौत

नई दिल्ली 13 जून (निस) दिल्ली के स्वरूप नगर में ड्रग्स फैक्ट्री का भंडाफोड़ हुआ है। दिल्ली पुलिस की एंटी नारकोटिक्स स्क्वाड (एएनएस) ने अवैध मेथामफेटामाइन मैन्युफैक्चरिंग यूनिट और ड्रग्स के कच्चे माल के गोदाम का खुलासा किया है। इस कार्रवाई के दौरान एक विदेशी महिला की चौथी मंजिल से कूदने के कारण मौत हो गई। नॉर्थ जिले के डीसीपी राजा बांठिया के अनुसार, यह पूरी कार्रवाई बुराड़ी थाने में दर्ज एक एफआईआर की जांच के दौरान मिली महत्वपूर्ण जानकारी के आधार पर की गई। जांच में पुलिस ने फ्रैंक डैशमंड नामक आरोपी को गिरफ्तार किया था। उससे पूछताछ के आधार पर पुलिस टीम स्वरूप नगर स्थित एक इमारत तक पहुंची। सबसे पहले पुलिस ने इमारत की तीसरी मंजिल पर छापेमारी कर रोमियो उर्फ स्काई को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से करीब 30 ग्राम एमडीएमए और 1.5 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस टीम इमारत की चौथी मंजिल पर पहुंची, जहां दो अलग-अलग फ्लैटों में अफ्रीकी मूल के नागरिक रह रहे थे। पुलिस जब चौथी मंजिल पर स्थित एक फ्लैट में पहुंची, तो वहां स्टेला पीयूस नाम की विदेशी महिला मौजूद थी।